



१८/४

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १७] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल २५, १९८१ (बैशाख ५, १९०३)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 25, 1981 (VAISAKHA 5, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत प्रसरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 मार्च 1981

मं० ए० 31012/1/81-प्रशा० II—ग्रधक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री के० शार० पी० नायर को 19-2-1981 से 18-5-1981 तक की अवधि के लिए ग्रथवा आवासी आदेशों तक, जो भी पहुँचे हो, आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (भा०) के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी० ए० राणा,
अनुभाग अधिकारी,

कुते ग्रधक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० स० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1981

सं० ए०-८३/६७-प्रशा० ५—राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि० में स्थायी समाहृति हो जाने पर, पत्र संख्या 202/68/80-ए० बी० डी० II, दिनांक 12-12-1981 के द्वारा कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की सहमति से, एतद्वारा उप-विधि-सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के पद पर श्री ए० पी० सिंह का पुनर्ग्रहणाधिकार दिनांक 1-11-1980 से समाप्त किया जाता है।

सं० ए०-२/६९-प्रशा०-५—इस कार्यालय के दिनांक 7-2-1981 की सभमत्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ए० ए० माथुर, उप-विधि-सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो जो दिनांक 31-1-1981 को 58 वर्ष के हो चुके हैं, की सेवाएं दिनांक 1-2-1981

से दिनांक 30-6-1981 तक 5 मास की अवधि के लिए बढ़ाते हैं।

दिनांक 4 अप्रैल 1981

सं० एस०-17/71-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० आर० पाण्डे, लोक-अधियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को, प्रोश्नति पर, दिनांक 23-3-81 के पूर्वाह्न से 3 मास की अवधि के लिए अथवा एक नियमित नियुक्त व्यक्ति के उपलब्ध हो जाने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक-अधियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० एफ० 11/41/80-स्थापना (के० रि० पु० बल)—इस महानिदेशालय के अधिमूचना जो कि इस संस्था नम्बर दिनांक 27-1-81 को जारी किया गया था को रद्द समझा जाये।

सं० एफ० 11/24/80-स्थापना (के० रि० पु० बल)—श्री बाई० एन० सक्सेना, भारतीय पुलिस सेवा (उ० प्र० : 1959) उपमहानिरीक्षक के० रि० पु० बल हैदराबाद को अतिरिक्त चार्ज उपमहानिरीक्षक के० रि० पु० बल, कोहिमा दिनांक 5-5-80 से 12-9-80 (अपराह्न), तक एफ० आर०-49(iii) के अन्तर्गत नियुक्त किया गया।

सं० एफ० 11/41/80-स्थापना (के० रि० पु० बल)—श्री टी० त्रिपाठी, उपमहानिरीक्षक के० रि० पु० बल अजमेर को उपमहानिरीक्षक के० रि० पु० बल, गोहाटी के पद पर अतिरिक्त नियुक्ति दिनांक 25-7-80 (अपराह्न) से 14-9-80 तक की जाती है।

दिनांक 4 अप्रैल 1981

सं० ओ० दो० 1572/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० सदानन्द कुमार को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर दिनांक 18-3-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० ई०-16013(1)/1/80-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थान्तरित होने पर, श्री वी० पी० कपूर भा० पु० से० (उ० प्रदेश-61) ने 23 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक (उ० ब० प० थोक) के० औ० सु० ब० नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 2 अप्रैल 1981

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थान्तरित होने पर श्री सी० डी० राय ने 27 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० सु० ब० यूनिट, हल्डिया डाक काम्पलैक्स, हल्डिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/12/80-कार्मिक—राऊरकेला से स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० वर्मा, ने 11 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० सु० ब० यूनिट, एच० ई० सी० लि०, रांधी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/12/80-कार्मिक—रांधी को स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० वर्मा ने 28 फरवरी, 1981 के अपराह्न से के० औ० सु० सु० ब० यूनिट, आर० एस० पी० राऊरकेला के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16013(1)/1/80-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० के० निगम आई० पी० एस० (प० ब० 1962) ने, श्री वी० पी० कपूर, आई० पी० एस० (य० पी० 1961) के स्थान पर, 11-3-81 के अपराह्न से उप महानिरीक्षक व सी० औ० एस०, के० औ० सु० ब० दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर के पद का कार्यभार संभाल लिया। श्री कपूर ने नई दिल्ली में स्थानान्तरित होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह० अपठनीय
महानिदेशक/के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अप्रैल 1981

सं० 10/29/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को, जो इस समय उनके नामों के समक्ष दर्शित पदों पर कार्यरत हैं, उन्हीं के नामों के समक्ष दर्शित तारीखों से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक ये पद नियमित आप्नार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और

तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर, प्रतिनियुक्ति पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०	प्रधिकारी का सं०	पदनाम नाम	कार्यालय जिसमें कार्यरत हैं	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री जी० सी० मिश्र	सहायक निदेशक जनगणना विभाग	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना (तदर्थ)	24-2-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री बी० एम० पटेल	अन्वेषक	जनगणना कार्य निदेशालय, गुजरात अहमदाबाद	20-2-81 (पूर्वाह्न)
3.	श्री ए० जी० श्रोक	अन्वेषक	जनगणना कार्य निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल	22-2-81 (पूर्वाह्न)

2. सर्वश्री मिश्र, पटेल और श्रोक के मुख्यालय क्रमशः पटना, अहमदाबाद और भोपाल में होंगे।

3. उपरोक्त अधिकारियों की सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति वित्त मंत्रालय के का० शा० सं० एफ० 1(II) ई-III(भी)/75, तारीख 7-11-1975 में दी गई शर्तों के अधीन होगी।

सं० 11/15/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, कर्णटिक सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी० वासुदेव को प्रतिनियुक्ति पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर जनगणना कार्य निदेशालय, कर्णटिक, बंगलौर में 3 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री वासुदेव का मुख्यालय हसन में होगा।

पी० पद्मनाभ
महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० झी० (47)/प्रशा०-II—मुद्रण निदेशक ने श्री विनोद धधन को 24 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, रो० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-

द० रो०-40-1200 के वेतनमान में भारत सरकार मुद्रणालय, अलीगढ़ में सहायक प्रबन्धक (प्रशासन) के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त किया है।

हरिशचन्द्र शर्मा
उप निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

होशंगाबाद, दिनांक 27 मार्च 1981

सं० 7(48)/124—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(48)/789, दिनांक 15-4-80 के तारतम्य में श्री ग० रा० बिलगोला की प्रशासनिक अधिकारी के पद के रूप में दी गई पदोन्नति को दिनांक 14-4-81 अथवा नियमित नियुक्ति की अवधि, इनमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाया जाता है।

ओ० प्र० शर्मा
परियोजना अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा
वाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध
नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1981

सं० प्रशा०-1/2(1)/IV/269—निदेशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध, नई दिल्ली निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथि से अनन्तिम आधार पर अस्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने के आदेश देते हैं:—

नाम	पदोन्नति होने की तिथि
1. श्री जी० एस० मिन्हास	17-11-1980 (पूर्वाह्न)
2. श्री के० एन० रामामूर्ति	31-12-1980 (पूर्वाह्न)
3. श्री के० एस० निवाण	31-12-1980 (पूर्वाह्न)
4. श्री एच० एल० तलबार	15-1-1981 (पूर्वाह्न)
5. श्री एन० के० भट्टाचार्य	7-1-1981 (पूर्वाह्न)
6. श्री एम० एल० लाम्बा	26-2-1981 (पूर्वाह्न)

ग्रन्ति थापन,
उप निदेशक (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1981

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/5—महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री ए० नारायण राव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 ई० वी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर

25-3-81 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्धति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं० प्रश्ना० I/8-132/80-81/5—महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी० एच० विं० चनपति को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उभी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 25-3-81 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्धति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन किया गया है।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश
ग्रालियर, दिनांक 21 अप्रैल 81

सं० प्रश्ना० 1/पी० एक० ज०० के० ए०/५८१—श्री ज० के० ए० चौधरी (०१/००६६) स्वाइ लेखा अधिकारी को, अधिकार्यिकी की आयु हो जाने पर दिनांक 31-3-1981 को अपराह्न से, जामकीय सेवा से निवृत्त किया जाता है।

ध्रुवचरण साहू
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनैन्स फैक्टरियां सेवा
आईनैन्स फैक्टरी बोर्ड
कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० 14/81/जी—राष्ट्रपति, महोदय, श्री मुक्ती लाल, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक का (स्थायी एवं मौनिक सहाय प्रबन्धक) त्याग पत्र दिनांक 26 जून, 1979 में स्वीकृत करते हैं।

वी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक
आईनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1981
आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1161/76-प्रश्ना०/(राज०)/2172—राष्ट्रपति, श्री महेन्द्र प्रताप सिंह का जो उत्तर प्रदेश (सिविल) न्यायिक सेवा

के श्रविकारी हैं और मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, नई दिल्ली में उपविधि सत्राहकार हैं, (उसी कार्यलय में 15 नवम्बर, 1980 से 14 नवम्बर, 1981 तक श्री एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित रूप से १२० नहीं जाता, इनमें से भी पहले ही उस तक के लिए विधि संहकार के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

मणि नारायणस्वामी
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रि

उद्योग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० 12/97/61-प्रश्ना० (राज०)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री ए० एन० घोष, निदेशक, ग्रेड-I (वैद्युत) को दिनांक 18 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी कार्यालय में प्रौद्योगिक परामर्शदाता के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 अप्रैल 1981

सं० ए-19018(475)/80-प्रश्ना० (राज०)—राष्ट्रपति जी, श्री प्रसीद कुमार सरकार को दिनांक 11 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (प्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री० सी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल, 1981

सं० प्रा०I/1(291)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी निदेशक पूर्ति तथा स्थानपन्न उप महानिदेशक श्री एस० के० राय निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-3-1981 को सरकारी सेवा से निवृत्त हों गए।

एम० जी० मैनन
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते भानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च, 1981

सं० प्र-1/1(1168)—राष्ट्रपति, इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1979 के परिणाम के आधार पर संघ ओक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री योगेन्द्र कुमार को दिनांक 2-3-1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक

भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड III में 2 वर्ष के लिए परिव्रक्तिकार्यालय नियुक्त करते हैं।

2. श्री योगेन्द्र कुमार ने दिनांक 2-3-1981 के पूर्वाह्न से पूर्तिकार्यालय नियुक्त किया जाएगा। इसके लिए ग्रेड-I प्रशिक्षणार्थी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया जाएगा।

दिनांक 1 अप्रैल 1981

सं० ग्र-1/1(1165)---राष्ट्रपति संघ लाक सेवा आयोग की तिथारिंग पर श्री विनोद कुमार भसीन को दिनांक 11 मार्च 1981 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा नियुक्ति किया जाएगा। इसके लिए ग्रेड-I प्रशिक्षणार्थी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया जाएगा।

एम० जी० मैत्रेन,
उप-निदेशक (प्रशासन)

इस्पात एवं खान मंत्रालय
इस्पात विभाग
लौह एवं इस्पात नियंत्रण

कानकता-20, दिनांक 4 अप्रैल 1981

सं० ई० 1-2-(3)/75---नीह एवं इस्पात नियंत्रक दिनांक 1-4-81 के पूर्वाह्न से श्री देव प्रसाद राय, अधीक्षक को प्रोफेसियनल पर इस राष्ट्रपति में स्थानापन रूप से सहायता लौह एवं इस्पात नियंत्रक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० एन० विश्वास,
संयुक्त लौह एवं इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कानकता-700016, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० 1754बी/ए-19012 (3-वीएनपी) 80-19बी---डा० अनिधि कुमार गुप्ता को सहायक रसायनक विभाग के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ह० प्रति माह के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-द०-40-1000-रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में स्थानापन क्षमता में आगामी अंदिश होने तक, 27-1-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 1780बी/ए-19012 (3-वीएनपी) 80-19बी---श्री बी० एन० प्रवेना, वरिष्ठ तरफीकी सहायता (रसायन) को महायंत्र रसायनक विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में

अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 28-1-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

समाचार सेवा प्रभाग : आकाशवाणी

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1981

सं० 21 (टी-41)/79-एस (भाग II)---इस कार्यालय के नियुक्ति पत्र क्रमांक 1(10)/77-एस दिनांक 23 जून, 1977 के तीसरे अनुच्छेद के अनुसार आकाशवाणी के समाचार प्रभाग के प्रणालीनिक उपनिदेशक श्री बी० एन० श्रीवास्तव 15 दिसम्बर, 1980 से श्री मांगेलाल मोटरबालक की सेवाओं को समाप्त करने का एक माह का नोटिस जारी करते हैं। इस नोटिस की समाप्ति पर 14 जनवरी, 1981 अपराह्न से उनकी सेवाएँ समाप्त हो गई हैं।

श्री मांगेलाल को आदेश दिया जाता है कि वह सभी सरकारी सामान जो उनके पास हो कार्यालय में 14-1-1981 को या उससे पहले जमा करा दें।

बी० एन० श्रीवास्तव,
प्रणालीनिक उपनिदेशक

कृते निदेशक, समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक, 3 अप्रैल 1981

सं० ए-12025/2/80-स्थापना---विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री मधुसूदन कुशारे की सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 28 मार्च, 1981 के अपराह्न से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० ए-12034/7/81-स्था०---अधिवाधिकता की आयु पर पहुंचने के फलस्वरूप इस निदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री जी० आर० वर्मा 31 मार्च, 1981 के अपराह्न को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 6 अप्रैल 1981

सं० ए-12026/21/80-स्थापन---विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक मुख्य नियंत्रक, वित्त मंत्रालय (व्यवसाय विभाग) के लेखा अधिकारी श्री यू० भी० सुत्यवादी को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय में 1 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, प्रतिनियुक्त आधार पर लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च, 1981

सं० ए० 19019/25/80-प्रशासन-1:—डा। (श्रीमती) दद्या वी० सिंगल ने इराक सरकार के अधीन विदेश नियुक्ति पर चले जाने के फलस्वरूप 23 फरवरी, 1981 के अपराह्न से लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कुपलानी अस्पताल, नई दिल्ली से दन्त चिकित्सा विज्ञान के लेक्चरर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

संगत सिंह,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1981

सं० ए० 19018/23/80-क० सं० स्वा० यो-1:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० श्रीमती राजरानी ग्रोवर को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 9-3-1981 के पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर होमियोपैथिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19018/26/80-क० स० स्वा० यो-1:—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० श्रीमती राजरानी ग्रोवर को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 9-3-81 के पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर होमियोपैथिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

टी० ए४८० राबू,
उप-निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 27 मार्च 1981

सं० पी० ए० / 76(2)/80 आर० III:—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र श्री टी० के० रामभूर्ती, सहायक नेत्राकार को स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी पद पर दिनांक 29 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से 6 फरवरी 1981 (अपराह्न) तक तर्वर रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक मार्च 1981

मं० पी० ए० /19(1)/80-आर० 4(II):—केन्द्रीय लोक नियणि विभाग इन्डौर के केन्द्रीय वैद्युत प्रभाग के प्रथम स्थाई अवर अधिकारी (वैद्युत) श्री एल० एस० नारेंकर ने कार्यकारी अधिकारी (वैद्युत), इन्डौर के कार्यालय के पद भार मुक्त होने पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के तकनीकी मेंत्राये प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद का 18 मार्च, 1981 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक अस्थाई रूप में ग्राना पद भार ग्रहण कर लिया है। श्री नारेंकर को भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में नियुक्ति

का निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ने अनुमोदन किया है।

ए० शान्ताकुमार मेनोन,
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना
वाया कोटा, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० राष्ट्रिय/भर्ती/7(9)/81/स्थ/152:—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के सेंट्रल पूल के स्थाई निम्न श्रेणी लिपिक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन सहायक लेखाकार श्री जी० एस० राठोर को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 10-3-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थाई तौर से स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

वाया कोटा दिनांक 31 मार्च 1981

सं० राष्ट्रिय/04627/1(413)/81/स्थ०/प्रशा०/632.—
भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई फोरमैन तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापन रूप से कार्यरत श्री एल० जी० टेलर ने अधिकारीशी आयु की प्राप्ति पर सेवा नियुक्त होने पर 31 मार्च, 1981 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 2 अप्रैल 1981

सं० प० ख प्र-1/38/80-भर्ती:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री अरुण कुमार सिंह को परमाणु खनिज प्रभाग में 2 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 अप्रैल 1981

सं० प० ख प्र-1/6/80-भर्ती:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री राजन बाबू जैन को परमाणु खनिज प्रभाग में 24 मार्च, 1981

के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अप्रैल 1981

मं. प० ख प्र-1/38/80-भर्ती:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री ए० प्रेमदास को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी' नियुक्त करते हैं।

मं. प० ख प्र-1/38/80-भर्ती:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री देवेन्द्र पाल सिंह राठौर को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी.' नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राघव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 2 अप्रैल 1981

सं० 05052/81/1529:—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारी, श्री वसन्त कुण्ठ महागोविंदर, भारी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी नियुक्त सथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानांश सहायक लेखाकार को, उसी कार्यालय में 7 मार्च (पूर्वाह्न) 1981 से आगे आदेश होने तक के लिये अस्थाई रूप में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणी कुट्टी,
प्रशासन अधिकारी

रिपोर्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलपाकम 603102, दिनांक 18 मार्च 1981

मं. प० 32014/2/81-3153:—रिपोर्टर अनुसन्धान केन्द्र के परियोजना निदेशक ने इस केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को 1 फरवरी, 1981 से अगला आदेश होने तक के लिये ₹० 650-30-740-35-810-८० रो०-35-880-40-1000-८० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त किया है।

क्रम	नाम	वर्तमान पद
------	-----	------------

1. श्री के० के० भास्करन	स्थाई वैज्ञानिक सहायक/बी०
	तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक/सी०

1	2	3
2. श्री पी० बी० थामस	स्थायीबत वैज्ञानिक सहायक/ बी तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक/सी० ।	

एस० पदमनाभन्,
प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० ए० 38013/1/81-ई० ए०:—दिल्ली प्रयोगोद्देश पालम के श्री हरसरन सिंह, विमान ध्वनि अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1980 (प्रपणह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38013/1/81-ई० ए०:—महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री कविराज सिंह, विमान सुरक्षा अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 28 फरवरी, 1981 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गुप्ता
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल, 1981

सं० ए० 32013/11/79-ई० सी०:—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री टी० आर० शेषांत्रि, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 17-2-81 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिये अरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/3/80-ई० सी०:—इस विभाग की दिनांक 16-10-80 की प्रधिसूचना सं० ए० 32013/3/80 ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों की संचार अधिकारी के ग्रेड में की गई नियुक्ति को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख के बाद आगे दिनांक 31-3-81 तक की अवधि के लिए अधवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।

क्रम	नाम	वर्तमान संनाती स्टेशन	इस तारीख से०	के बाद
------	-----	-----------------------	-----------------	--------

1. श्री एस० आर० सेठी वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर 30-9-80
2. श्री बी० एन० अश्वर वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास 30-9-80

2. राष्ट्रपति ने श्री एम० पी० के० पिल्लै, सहायक सचार अधिकारी की वैमानिक सचार, स्टेशन बंगलौर में सचार अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 30-9-80 के बाद 30-11-80 (अपराह्न) तक, जो निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने की तारीख थी, तारीख रखने की मंजूरी प्रदान की है।

सं० ए० 38015/21/80-ई० सी०—वैमानिक सचार स्टेशन, पालम के कार्यालय के श्री डी० एस० श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी ने निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31-7-80 से सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर मूल नियम 56 (के) उपबन्धों के अंतर्गत अपने पद का कार्य भार त्याग दिया है।

सं० ए० 32013/1/80-ई० एस०—इस विभाग की दिनांक 25-8-1980 की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/80 ई० एस० के० क्रम में, राष्ट्रपति ने सर्वश्री एल० एन० लाल और एम० एल० नागर की सहायक निदेशक विभाग सुरक्षा/वरिष्ठ विभाग सुरक्षा अधिकारी (इंजी) के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 9-12-80 के बाद और 31-5-81 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी गई है।

वी० जयचन्द्रन,
सहायक निदेशक, प्रशासन।

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहरणालय

पटना, दिनांक 4 अप्रैल, 1981

सं० II (7) 2-स्था० /79/2929.—इस समाहरणालय के निम्नलिखित स्थाई स्थानापन्थ अधीक्षक समूह 'ख' अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाये गये तारीख अनुसार सेवा निवृत्त हुए।

अम	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
सं०			
1	2	3	4
सर्वश्री			
		(अपराह्न), अधीक्षक समूह	
1.	ए० के० आंगुली	'ख'	30-9-80
2.	अद्यमद वसीर	वही	30-11-80
3.	नथुनी पाण्ड्ये	वही	31-12-80
4.	ज्याला प्रसाद सिंह	वही	31-1-81
5.	यू० एस० दूबे	वही	31-1-81
6.	सी० एम० सफीउल्लाह	वही	31-1-81
7.	मो० ई० हक	वही	31-1-81
8.	सी० एस० शा	वही	31-1-81
9.	राम जन्म मिश्रा	वही	31-1-81

1	2	3	4
		अधीक्षक समूह (अपराह्न)	
		'ख'	
10.	बबूआजीआ	वही	8-2-81
11.	सी० एस० सिन्हा	वही	2-2-81

मुरजीत वही
समैरु,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

उर्जा मंत्रालय
कोयला विभाग
कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था
धनबाद, दिनांक, 1 अप्रैल 1981

सं० एम० ओ० पी० 8(2) 75—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली, 1949 के नियम 5 के उप नियम (1) (बी) में दिये गये अधिकारों का प्रयोग कर कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एतद् द्वारा कोयला विभाग, उर्जा मंत्रालय नई दिल्ली तथा पश्चिम बंगाल सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी निदेशालय द्वारा मनोनीत महाप्रबन्धक, क्षेत्र संख्या-6, उखरा क्षेत्र, पोस्ट उखरा, जिला बर्देवान, अपर मुख्य अभियन्ता (सिविल); पूर्वी कोयला क्षेत्र लिमिटेड सेनेटोरिया पोस्ट डिसराड, बर्देवान महाप्रबन्धक क्षेत्र संख्या 12, पोस्ट बराकर जिला बर्देवान तथा पश्चिम बंगाल सरकार कलकत्ता के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी निदेशालय के मुख्य अभियन्ता को उप-क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, चांच शुप, पोस्ट बराकर, बर्देवान, श्री एन० मित्रा, श्री आशा सिंह, सी० एम० ए० लिमिटेड तथा डा० जी० सी० सैन के स्थान पर नियोक्त प्रतिनिधि तथा सहयोगित सदस्य के रूप पश्चिम बंगाल कोयला क्षेत्र उप समिति का भवस्थ नियुक्त करती है, जिसका गठन अधिसूचना संख्या पी० 8(6) 75 दिनांक 13-2-73 में उल्लिखित है (उत्तर वर्ती संशोधन के साथ) तथा पुनः उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है:—

2. उक्त अधिसूचना के कालम 1 के क्रम संख्या 4, 5, 6 व 10 तथा उप क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, चांच विकटोरिया शुप श्री एन० आर० मित्रा, श्री आशा सिंह तथा डा० जी० सी० सैन के स्थान पर, महाप्रबन्धक, क्षेत्रीय सं०-6, उखरा क्षेत्र, अपर मुख्य अभियन्ता (सिविल), पूर्वी कोयला क्षेत्र लिमिटेड, सेनेटोरिया, "महाप्रबन्धक, क्षेत्र मंख्या-12, पोस्ट बराकर बर्देवान, मुख्य अभियन्ता जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता" प्रतिस्थापित किया जाय।

सं० एस० ओ० पी०-8(5) 67—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली, 1949 के नियम 5 के उप नियम (1) (बी) में दिये गये अधिकारों का प्रयोग कर कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एतद्द्वारा विहार राज्य सरकार तथा कोयला विभाग, उर्जा

मंदालय, नई दिल्ली द्वारा मनोनीत उप श्रम आयुक्त, बोकारो स्टील सिटी, (ii) अपर मुख्य अभियन्ता (सी०), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक भवन धनबाद, (iii) कार्मिक प्रबन्धक (विधि) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक भवन, धनबाद तथा (iv) महा प्रबन्धक, थेन संख्या 8 पूर्वीय कोयला थेन, पोस्ट मुगमा, जिला धनबाद को उप श्रम आयुक्त (कल्याण) बिहार, पटना, तथा सर्वश्री टी० घोष एवं एस० एन० बसु, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, तथा महाप्रबन्धक, थेन संख्या-8, पूर्वीय कोयला थेन लिमिटेड, मुगमा के स्थान पर झारिया तथा मुगमा कोयला थेन उप समिति का सदस्य नियुक्त करती है, जिसका गठन अधिसूचना संख्या पी० 8(5)67 दिनांक 28-11-1973 में उलिखित है तथा पुनः उक्त अधिसूचना निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना के कालम 1 के क्रम संख्या 2, 4, 5 तथा 6 “उप श्रम आयुक्त (कल्याण), बिहार, पटना, महाप्रबन्धक, थेन संख्या-8, पूर्वीय कोयला थेन लिमिटेड, मुगमा, सर्वश्री टी० घोष तथा एस० एन० बसु, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड” के स्थान पर “उप श्रम आयुक्त, बोकारो स्टील सिटी, अपर मुख्य अभियन्ता (सी०), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक प्रबन्धक (विधि), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक भवन, धनबाद तथा महाप्रबन्धक, थेन संख्या-8, पूर्वीय कोयला थेन, मुगमा” प्रतिस्थापित किया जाये।

दामोदर पण्डा,
आयुक्त,

कोयला खान कल्याण संस्था, धनबाद

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 1 अप्रैल 1981

सं० ए० 19012/908/81-स्थापना-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके नाम के सामने दिखाई तारीख से 6 महीने की अवधि के लिये अधिवक्ता पदों को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं० अधिकारी का नाम, पदनाम सहित	अतिरिक्त सहायक निदेशक सहित	पद स्थापित किये गये संघर्षक संघर्षक	
1	2	3	4
1. श्री सी० एस० सेशा-दरी, पर्यवेक्षक	सहायक इंजी-नियर के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख	10-11-80 (अपराह्न) जगदलपुर, गेर्जिंग, उप-दरी, पर्यवेक्षक	जगदलपुर, गेर्जिंग, उप-दरी, पर्यवेक्षक

1	2	3	4
1. श्री सी० एस० सेशा-दरी, पर्यवेक्षक	सहायक इंजी-नियर के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख	10-11-80 (अपराह्न) जगदलपुर, गेर्जिंग, उप-दरी, पर्यवेक्षक	जगदलपुर, गेर्जिंग, उप-दरी, पर्यवेक्षक

1	2	3	4
2. श्री वी० ए० साथी-याराजन, अभिकल्प सहायक	22-12-80 (अपराह्न) नदी विकास	(जौ० अप्रैल 5, 1903)	(जौ० सी०) श्रार० सी० अन्वेषण संकिल, नई दिल्ली ।
3. श्री पी० प्रभाकरन, पर्यवेक्षक	25-1-81 (पूर्वाह्न) पुणे गेर्जिंग डिवीजन,	पुणे के अधीन एम० ओ० टी० उप डिवीजन, के० ज० आयोग कोलहापुर ।	
4. श्री श्रो० पी० सिह, पर्यवेक्षक	2-2-81 (पूर्वाह्न) जल संसाधन एवं बाढ़ पूर्वानुमान उप डिवी-जन, वाराणसी ।		
5. श्री एम० के० नायर, पर्यवेक्षक	10-3-81 (पूर्वाह्न) सेवा भवन ।		
6. श्री एम० के० घर, पर्यवेक्षक	13-3-81 (पूर्वाह्न) सिचाई निदेशक, सेवा भवन ।		

ए० भद्राचार्य,
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1981

सं० 27 एस०/एम (6)/70 ई० सी०-२—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक इंजीनियर श्री के० के० मोहन बाबू, के दिनांक 1 अक्टूबर, 1980 के स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने के नोटिस को स्वीकार कर लिया है तदनुसार उन्हें इस अधिसूचना के जारी होने के दिन से सेवा निवृत्त माना जायेगा ।

जगदीश प्रसाद,
प्रशासन उप-निदेशक,
कृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1981

सं० 33/1/78-ई० सी०-१—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के नामित श्री सुभाष अनंद मेषराम को उपवास्तु-विद के अस्थाई पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप “क”) के० लो० नि० वि० में रुपये 700 प्रतिमाह के वेतन पर स्पये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में (सामान्य भत्तों सहित) दिनांक 20-3-81 (अप०) से सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका वेतन शीघ्र ही नियमानुसार पुनर्नियत किया जायेगा ।

2. श्री मेषराम को 20-3-81 से 2 वर्षों की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा गया है।

श्रीमती नीता गर्ग,
प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंदिरालय
(कम्पनी कार्यविभाग)
कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
जयपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1981

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 (4) के अधिसूचना कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में
और

मैसर्स आबू रोड रेलवे कोपरेटिव एसोशियन लि० (समापन में)

नं० समापन/22.—मैसर्स आबू रोड, रेलवे कोपरेटिव एसोशियन लि० (समापन में) जिसका पंजीकृत कार्यालय, आबू रोड राजस्थान में है। का विघटन हो गया है। और निम्न हस्ताक्षरित को तर्कयुक्त विश्वास है कि कम्पनी की क्रियाएं पूर्णतया विघटित हो गई हैं और कम्पनी का लेखा जोखा का विवरण जो कि समापक द्वारा विगत ३५ महीनों के लिये तैयार किया जाना चाहिये था, नहीं किया गया इसलिये अब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन माह के समय तक मैसर्स आबू रोड रेलवे कोपरेटिव एसोशियन लि० (समापन में) का नाम, यदि इसके प्रति कुल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है जो रजिस्ट्रर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० पी० दीक्षित,
कम्पनियों के रजिस्ट्रार,
राजस्थान जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और शाहजहांपुर सुगर प्रा०
लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० 5553/3718-एल०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि शाहजहांपुर सुगर प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

वेद प्रकाश कपूर,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं एस०ए० मीसरी एण्ड कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० 1359/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एस०ए० मीसरी एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं शामशैक प्रोडक्ट्स प्राईवेट लि० के विषय में।

बम्बई, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० 469-5472/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शामशैक प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बिटा केम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० 617-12141/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिटा केम प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं स्वास्तिक प्रांपटीज प्राईवेट लि० के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1981

सं० 15302/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1656 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्वास्तिक प्रांपटीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटीत कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं यूनिवर्सल नटस् एण्ड बोल्ट्स्
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1981

सं० 15458/560(3) — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हाबले कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं हयान्डी एन्गल्स (इंडिया)
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1981

सं० 605/12298/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हयान्डी एन्गल्स (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 और वारूँपुर का चारी बाजार प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० 28071/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वारूँपुर का चारी बाजार प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हाबले कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० 31437/560(3) — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हाबले कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

ए०वि० विश्वास,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कार्यालय आयकर आयुक्त

(संवर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी)

कानपुर, दिनांक 31 मार्च 1981

आदेश

स्थापना :— केन्द्रीय सेवाएं — गुप बी० राजपत्रित—
आयकर अधिकारी — पदोन्नति—स्थानान्तरण एवं पद-
स्थापना (पोर्स्टिंग) ---

सं० 144 — निम्नलिखित आयकर निरीक्षक को स्थानान्तरण आयकर अधिकारी गुप “बी०” के रूप में रु० 650-30-740 35-810-द० रो० -880-40-1000-द०रो०-40-1200 के बेतन मान में उसके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से और अधिम आदेशों तक नियुक्त किया जाता है। यदि यह पाया गया कि उनको यह नियुक्ति विद्यमान रिकितों से अधिक है तो वे पदावनत किए जाने के योग्य होंगे। पदोन्नति पर उनकी सेवाएं उनके सामने उल्लिखित आयकर आयुक्त के अधीन रखी जाती हैं।

क्र०सं० कर्मचारी का नाम

आयकर आयुक्त
जिसके अधीन
सेवाएं रखी गई
हैं।

1. श्री एम०एल० केरल (मैनपुरी)

आगरा

आयकर आयुक्त आगरा कृपया पदस्थापन आदेश जारी करें।

वी० गुप्ता

आयकर आयुक्त कानपुर
(संवर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी) कानपुर

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.-----

(1) श्री ए० नारायण ग्रन्थर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

(2) श्री पी० एम० माधू

(अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 मार्च 1981

निवेश सं० एल० सी०-४९९/८०-८१—यतः मुझे वी० बी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की भारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विक्षी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3.8 सेंट्रस जमीन जैसा कि 'अनुसूची में है और जो डाकुमेंट सं० 2562/80 तारीख 28-7-1980 में दर्ज है।

वी० मोहनलाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिसूचित है—

तारीख : 19-3-1981

मोहन:

प्रलूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1981

निदेश सं० के०-९६/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-३९/१-४ व डी-३९/१-५ है तथा जो कोदई की चौक बाराणसी में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-1980 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री उदय रत्न बनर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री कमलेश कुमार चौबे

(अन्तरिती)

(3) श्री कमलेश कुमार चौबे स्वयं व श्री नारायण दास, किरायेश्वर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हटाई जिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिपा के लिए;

मकान नं० डी-३९/१-४ व डी-३९/१-५ स्थित कोदई की चौकी बाराणसी व वह तमाम सम्पत्ति जिसका वर्णन सेल डीड व फार्म 37 जो संख्या 12142 में किया गया है और जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बाराणसी के कार्यालय में दिनांक 29-11-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 10-2-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ति द्वारा

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन थेव, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 23 मार्च 1981

निदेश सं० एस-200/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 403 से 407 का 1/4 भाग है तथा जो
उत्तर धौना, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती कृष्णा देवी वैद्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला बोरा

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विशेषा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहं भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसन्धान

भूमि के प्लाट नं० 403, 404, 405, 406 एवं
407 का 1/4 भाग कुल क्षेत्रफल 5 बीघा, 13 विद्या
श्रीर 16 विद्यान्सी वाले भौजा उत्तर धौना, लखनऊ व
वह तमाम सम्पत्ति जो सेल सीड तथा फार्म 37 जी नं०
5605 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ
के कार्यालय में दिनांक 9-9-80 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती इला देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री श्रीकान्त मलिक

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 मार्च 1981

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कलकत्ता/1980-81—यतः

मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी-191/1 है तथा जो छ्लाक बी, बैन्गुर एवेन्यू, कलकत्ता-55 में स्थित है (और इससे उपाख्य अन्तर्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब-रजिस्ट्रार आफ एस्टोरेसेज, कलकत्ता में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी-191/1, छ्लाक-बी, बैन्गुर एवेन्यू, कलकत्ता-55, मौजा-कृष्णापुर, सी० एस० प्लाट नं० 2234 और 2525।

के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 19-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) लेफ्ट एपार्टमेन्ट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
लि।।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० के० बैनर्जी

(अन्तरक्ति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1981

निदेश सं० 890/ए०सी० अ० ८० रेज-III/८०-८१-यतः,
मुझे, आई० वी० ए० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 102 है तथा जो डा० मेघनाद साहा
सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1980को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--करे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थावीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;प्लाट 12 तल्ला पर (साउथ ईस्ट फ्लैट) 102, डा०
मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।आई० वी० ए० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, 54, रफी अहमद किल्वर्ड रोड, कलकत्ता
तारीख : 21-3-1981
मोहर :अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

प्रूफ बाइर्डी, टी. एन. एस. -----

(1) लेक एपार्टमेंट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिं।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० जी० ठुण्डन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1981

निरेण सं० 891/ए० सो० बू०/रेंज-III/80-81—यतः मुझे, आई० वी० एम० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 102 है तथा जो डा० मेघनाद साहा भट्टी, कलान्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—36GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।।

अनुसूची

प्लाट 11 तला पर, (नार्थ ईस्ट फ्लैट) 102 डा० मेघनाद सावा सरनी, कलकत्ता।।

आई० वी० एम० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवर्दी रोड
कलकत्ता।।-16

तारीख : 21-3-1981

मोहर:

प्ररूप बाई.टो.एन.एस.-----

(1) लक्ष्मी प्राप्ति विद्युति हाउसिंग सोसायटी
निः।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति मधुश्री दास गुप्ता

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च, 1981

निदेश सं० 892/प्रज्ञन-रेंज-III/80-81—यतः मुझे,
आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी घं० 102 है तथा जो डा० मेघनाद सादा
सर्णी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन जो तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जी उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

फ्लॉट 10 तल्ला पर, (मिडिल वै स्ट फ्लैट), 102, डा०
मेघनाद सादा सर्णी, कलकत्ता।

आई० वी० एस० जुनेजा
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-III, कलकत्ता

यतः प्रब्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप शाही० टी० एन० एस०————

(1) श्री ओम प्रकाश मुन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च, 1981

निदेश सं ए० सी०-४४/रेज-II/कलकत्ता/८०-८१—यतः
मुझे को० मिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 2 के हैं तथा जो अलीपोर एवं न्यौ पी०
एस० अलीपोर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-७-८०
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चूटेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसा किसी आय का नियम वा अन्य व्यास्तियों
का, जिन्हे भारतीय प्रावकर अधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

शेषकर 8 कलान् 14 छठाक 20 वर्ग फुट।

को० मिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

तारीख : 27-३-1980

ओहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च, 1981

निर्देश सं० सी० आर०-62/27801/80-81/अर्जन-बी—

यतः मुझे आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1053/1 और टी०
एस० सं० 435/3 तथा अब 435/1 है, तथा जो अत्तावर
गांव, बंगलूर टाऊन में स्थित है (श्री इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 18-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव्युत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
तिलिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बोनावेन्चर डिसोजा जेरोम डिसोजा के पुत्र
"मंगला" 12, I फ्लोर विल्सन गार्डन, लक्ष्मसन्द्र,
बंगलूर-30।

(अन्तरक)

श्री एम० मोहम्मद हुसेन, एम० इस्माइल के पुत्र,
"कल्पना" बालभट, मंगलूर-2।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भं हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

[दस्तावेज सं० 484/80-81 तारीख 18-7-80]।

संपत्ति है जिसका आर० एस० सं० 1053/1 श्री अर्जन टी०
एस० सं० 435/3 तथा अब 435/1, अत्तावर गांव में
बंगलूर टाऊन इसमें शामिल है एक घर जिसका सं० है—
पुराना सं० 16-180। चक्रवर्ती है :—

उत्तर में—सर्वे सं० 434

दक्षिण में—लेन।

पूरब में—सर्वे सं० 436

पश्चिम में—435/1

आर० तोतावी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख : 11-3-1981

मोहर :

प्ररूप बाइंस. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मार्च, 1981

निर्देश सं. सी० आर०-62/27552/80-81/ए० सी०

क्यू०/बो०—यतः मुझे आर० ओथात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2/1 है, तथा जो केनसिंगटन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या त्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः ॥

(1) श्रीमती एस० अन्धाल, श्री बी० श्रुनाचल मूदलियार के पुत्री, सं. 6, बुन्टन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) कुमार डी० नवीन, मैनर बै० गार्डियन, इसके मां श्रीमती डी० राधिका, सं. 43/28, प्रोमिनेड रोड, बंगलूर-560042।

(अन्तरिती)

(3) मै० सैमेन्स इंडिया लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजयन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के पास लाई गयी जाएगी।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति द्वारा अर्थ होया जा उत्तर अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क्षत्तावेज 1163/80-81 तारीख 4-7-1980)

संपत्ति सं. 2/1 का भाग, इसमें ग्राउन्ड और फस्ट फ्लोर, मेजरिंग 566.00 एक्वेयर मीटर्स सैट एरिया तथा जो केनसिंगटन रोड, सिविल स्टेशन, डिवीजन सं. 53, बंगलूर में स्थित है।

चक्रबन्दी है:—

पूरब में—केनसिंगटन रोड

पश्चिम में—सम्पत्ति सं. 2/1 का शेष भाग

उत्तर में—प्राइवेट सम्पत्ति।

दक्षिण में—प्राइवेट सम्पत्ति।

आर० ओथात्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 20-3-1981

मोहर:

प्रूरुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 मार्च, 1981

निर्देश सं० III-468/अर्जन/80-81-अतः मुझे हृदय
नारायण निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नम्बर 5601 खाता नम्बर 726
खेसरा नम्बर 984 है, तथा जो मैनपुरा पटना में स्थित है
(और इससे उपावद्ध ग्रनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरणकृ
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
18-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई है और मैंके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रती
(अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. श्री कुलदीप राय पिता राम खेलावन राय
खुद वो बली दीना नाथ राय
- 2. श्री गोपाल राय पिता राम खेलावन राय
खुद वो बली जय राम लाला राय
- 3. श्री चन्द्र दीप राय पिता राम खेलावन राय
खुद वो बली श्री सुनील राय
- 4. श्री विजय राय पिता गोपाल राय
- (5) श्री राम खेलावन राय पिता केवल राजत
सभी का निवास स्थान मैनपुरा थाना पाटली
पुत्रा पोस्ट जी० पी० ओ० जिला पटना।

(अन्तरिती)

- (2) श्रीमती मुशीला सिन्हा जोजे श्री भुवनेश्वर प्रसाद
सिन्हा ग्राम चैनपुर बघेल पत्तालय महारेई थाना
देहरी, जिला बैशाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यनार्थीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्खा 4 कट्ठा जो मौजा मैनपुरा थाना
पाटलीपुत्र जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से
विस्तार नम्बर 5540 दिनांक 18-7-80 में वर्णित है तथा
जिसका पंजीकरण जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी पटना
द्वारा किया गया है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, पटना।

तारीख: 11-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप धार्हा० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 मार्च, 1981

निदेश सं० III/469/अर्जन/80-81—अतः मुझे हृदय
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प्लाट नम्बर 725 वार्ड नम्बर 33, सक्किल नम्बर 244, खाता नम्बर 66 तौजी नम्बर 5453 थाना नम्बर 3 है तथा जो राजपुर हसन, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-7-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अखिलेश्वरी प्रसाद सिंह उर्फ अखिलेश्वर प्रसाद सिंह बल्द स्व० महावीर प्रसाद सिंह साकिन ग्राम लखन चन्द थाना मोकामा जिला पटना वर्तमान ग्राम दनाडा पत्तालय के थाना विक्रम जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण रस्तोगी जोजै निहाल चन्द रस्तोगी (वर्तमान), (2) श्री निहाल चन्द रस्तोगी बल्द स्व० बाबू राधो लाल साकिन चौक बाजार बिहार शरीफ थाना मिहार, जिला नालन्दा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्का 3 कट्टा 18 धूर जो मौजा राजापूर हसन थाना नम्बर 3 तौजी नम्बर 5453 खाता नम्बर 66 खेसरा सर्वे प्लाट नं० 725 वार्ड नम्बर 33 सक्किल नम्बर 244 में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 5721 दिनांक 24-7-80 में वर्णित है तथा जिसका पंजीकरण जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा किया गया है।

हृदय नारायण
सक्षम पदाधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 11-3-1981

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के मध्येत् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संदर्भ प्रायोग प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

पटना, दिनांक 17 मार्च, 1981

निदेश सं III /473/अर्जन/80-81—अतः मुझे, हृदय नारायण

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को पद्ध विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 301 एवं 302 का अंश है, तथा जो धनबाद कतरास रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुरूप और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-7-80 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काँथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या नससे बचने में सुविधा के लिए।
धौर्या।

(ख) ऐसी जिस दाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धृदय, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री विनय कुमार पाठक वल्द श्री मणिशंकर पाठक निवासी "प्रभु कुज" कतरास रोड, धनबाद पत्रालय एवं थाना धनबाद चौकी, जिला धनबाद।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स "गुड विल प्रोपर्टीज" जिसका कार्यालय कतरास राड, धनबाद पत्रालय एवं थाना धनबाद चौकी सदर अबर निवन्धन कार्यालय, धनबाद एवं जिला धनबाद है जिस कर्म के इस समय निम्नलिखित पाठनसं हैं:—

1. श्रीमती कमलेश जिन्दल जोजे श्री सूरज जिन्दल
2. सरदार खेल सिंह सेठी वल्द सरदार गुरदीप सिंह सेठी
3. लखमीर सिंह सबरवाल वल्द स्व० सरदार जसवन्त सबरवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वित्त-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

५½ कट्टा धरारी जमीन में पक्का एवं खण्डपीस मकान और अन्य बनावट सहित मौजा धनबाद नवाद कतरास रोड, तथा जो फ्लैट नं० 301 एवं 302 के अंश में स्थित हैं तथा पूर्ण रूप से वसिका नं० 5470 दिनांक 2-7-1980 में वर्णित हैं एवं जिला जबर निवन्धक पदाधिकारी धनबाद द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षक सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 17-3-1981

मोद्दूर:

प्रकृष्ट प्राईटी एन् एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा
269-ष (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 मार्च, 1981

निदेश सं० III 475/अर्जन/80-81—अतः मझे, हृष्ण
नारायण

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 301 और 302 का ग्रंथा है,
तथा जो धनबाद, कतरास रोड में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-ज्ञानी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल विस्तृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के उत्तराह
के दायित्व में कमी करने वा उसके बचने वे
सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी दून वा अन्य आस्तियों
को जिस्में भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, म, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, विस्तृत व्यक्तियों, अवृत्ति :—

4 | 36GT/81

(1) श्रीमती पुष्पा गौरी पाठक जौजे मणिशंकर पाठक
निवासी 'प्रभुकुंज' कतरास रोड, धनबाद पत्रालय
घाना धनबाद, जौकी जिला धनबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स 'गुड विल प्राप्टर्ज' जिसका कार्यालय कतरास
रोड, धनबाद चौकी सदर एवं निवन्ध कार्यालय
धनबाद एवं जिला धनबाद है जिस फर्म के
विस्तृत विवरण है :—

1. श्रीमती कमलेश जिन्दल जौजे श्री सूरज
जिंदल।
2. सरदार रेवल सिंह सेठी वल्द सरदार गुरदीत
सिंह सेठी।
3. लखमीर सिंह सब्बरवाल वल्द स्व० सरदार
जसवंत सिंह सब्बरवाल। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयी बदला है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रवाय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

6 कठा धरारी जमीन में पक्का एवं खपड़पोस मकान
और अन्य बनावट सहित भौजा धनबाद कतरास रोड तथा
तथा जो प्लाट नं० 301 एवं 302 के ग्रंथा में स्थित है तथा
जो पूर्ण रूप से वसिका नंबर 5472 दिनांक 2-7-1980
में वर्णित है एवं जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी, धनबाद
द्वारा पंजीकृत है।

हृष्ण नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 17-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 मार्च 1981

निदेश सं० III 476/अजन/80-81—अतः मुझे,
हृदय नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 282 खाता नम्बर 163
मौजा नंबर 51 है, तथा जो मिठू रोड, धनबाद में स्थित है,
(और इससे उपांबढ़ अनुसूची में और पूर्ण हृष से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिकृत ना बद्द त्रिभास से अधिक है और
अन्तरर (रन्तररों) भी अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रतिरोग के लिए ना पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरोग निवारा में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरोग में इसे फिरी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायिक्षण
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(द) ऐसी छिपी प्राप्त या किसी धन या अन्य ग्राहितयों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) प्रा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अनुग्रही द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या दिया गया वाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रतिरोग को धारा 269-घ के अनु-
मरण में, उक्त प्रतिरोग की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविनयों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल देव जी छावड़ा वल्ड देवजी गोप
भाई छावड़ा निवासी मिठू रोड, धनबाद धनबाद
जिला धनबाद, बत्तमान निवासी 61/29
शिङ्गिर बाग, वाराणसी जिला वाराणसी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दामयन्ती भाई लीलाधर चौहान जौले
सीलाधर हिरजी चौहान निवासी मिठू रोड, धनबाद
वर्तमान निवासी द्वारा मार्केट एल० एच० चौहान
डिप्टी चीफ माइनिंग एंडवाइजर, रेलवे बोर्ड,
वेकार बांध कालोनी, धनबाद।

(अत्तरिती)

(3) 1. श्री एस० एन० पोदार, मिठू रोड, धनबाद।
2. श्री हरिहर साव, मिठू रोड, धनबाद।
3. श्री जगजीवन व्यास, मिठू रोड, धनबाद।
4. श्री अमर सिंह, मिठू रोड धनबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्बन्धित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अविनयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविनयों में से
विसी अविन द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविन द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अधीन का रक्खा 2 कठा 8 छटाक दो मंजिला मकान
सहित जो मौजा मिठू रोड, धनबाद में स्थित है तथा
पूर्ण हृष से वसिका नं० 6037 दिनांक 27-7-80 में वर्णित
है तथा जिसका निवास जिला अवर निवादक पदाधिकारी,
धनबाद द्वारा की गई है ।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पटना

तारीख : 17-3-1981

मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर विभाग, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

पारंग सरकार

कार्यसिय, सहायक आयकर आयकर (निरुदीभूण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 मार्च, 1981

निदेश सं० III 477/प्रज्ञन/80-81—प्रतः मस्ते,
कृदय नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभी प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 508 होल्डिंग नं० 81 है तथा जो ग्राम शारले थाना व जिला हजारी बाग में स्थित है (और इससे उपाकड़ अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, तारीख 1 जलाई, 1980

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और अन्तरेती (अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अस्तरण से दूरी किसी वाप्र को बाबत उक्त प्रांयनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के विधिव में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भवतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

- (1) श्रा॒ इरि॑क मो॒रशि॑क्तुं और् मे॒रीस द्वे॒रेणा मो॒रीस पुत्रं
एवं पुत्री स्व० एम० मो॒रीस साकिन हजारी बाग,
जिला हजारी बाग।

(अन्तरक)

- (2) श्रो रेमरेन्ट फादर जीवं मिकटर शौपिन वल्ड स्व० अल्फेड जौसेंक दी विशेष आफ डालटेन गंज, कैथोलिक डायोसोस डालटेन गंज ।

(अन्तरिक्षी)

- (3) 1. इंग्रिक मोरिस
 2. लड़की छात्रावांस सिस्टर चन्द्रदीपा
 (के निराशानी में ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभांग में सम्पत्ति है ।

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पर्कित के अर्जन के लिए कार्यवाहीहर्था करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आधेप :--

- (क) इस सूचना के राजत्रि में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ब्य) इस सूचना के राजभर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोद्धर्शात्मकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों को और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारमापित हैं, इही अपेक्षा होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ଆନୁଷ୍ଠାନ

जमीन का रक्कड़ 5.66 पैकड़ ट्राइन्स बंगलो सहित
जो "सायरबर लॉन्ज" में जाना है तथा प्राम आर्टेज जिला
हजारों बाग स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिता 'नम्बर
8302 दिनांक 1-7-80 में बर्णित है तथों जिसका निवन्धन
जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी हजारों बाग द्वारय को गई
है।

हृष्य नारायण सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 17-3-1981

मौहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 23 मार्च 1981
निवेश सं० III-478/अर्जन/80-81—अतः मुझे, हृष्य

नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता संख्या 8, खेसरा सं० 64 नया,
मकान सं० 5 नया, तोजी सं० 11086, वार्ड सं० 10
पुराना और 28 नया है तथा जो महल्ला मुहम्मदपुर काजी,
मुजफ्फरपुर शहर, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे
उपलब्ध अनुसूजी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख है
29-7-80 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परद्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त)
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती आमा राय चौधरी, पति श्री सुधीर चन्द्र
राय चौधरी, 2. श्री सुधीर चन्द्र राय चौधरी,
पिता स्वर्गीय प्रमोदचन्द्र राय चौधरी, अमला
टोली, कठिहार शहर, जिला पूर्णिया, हाल मोकाम
मुहल्ला मुहम्मदपुर काजी शहर एवं जिला मुजफ्फर-
पुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम अयोध्या पाठक पिता श्री राम अंज
पाठक मौजा धरकरी, थाना एवं जिला मुजफ्फरपुर, हाल
योकाम मुहल्ला मंडीपुर, शहर एवं जिला मुजफ्फरपुर।
(अन्तरिती)

(3) अंतरिती जिसका विवरण ऊपर दिया हुआ है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 16 धूर 6 कनवा जिसमें पक्का
मकान बना है तथा जो मुहम्मदपुर काजी मुहस्ला शहर एवं
जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जिसका तोजी सं०
11086 थाना सं० 344 वार्ड सं० 10 पुराना और 28
नया है और जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 10352
दिनांक 29-7-80 को जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर के
यहाँ निर्वाचित हुआ है, में दिया हुआ है।

हृष्य नारायण

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयकर,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 23-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश सं० -479/अजन/80-81—प्रतः मुझे हृदय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० खंडात सं० 1 सर्वे खंडियान सं० 285 प्लाट सं० 1306 बाँड सं० 1 पुराना, मकान सं० 261 और 6/365 नया है, तथा जो कचहरी मुहस्ला नया बाजार जुगसलाई थाना एवं शहर जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-7-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि याकूबोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपलाखा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी पिता स्वर्गीय राम सेवक चौबी, रांची रोड, जिला सिंधभूम।
(अन्तरक)
- (2) श्री चन्द कसेरा पिता स्वर्गीय मधुरा प्रसाद कसेरा, 2. गुलाब चन्द कसेरा निवासी स्टे रोड, जुगसलाई, शहर जमशेदपुर, जिला सिंधभूम (अंतरिती)
- (3) एस० जी० मेटर इन्डस्ट्रीज, जुगसलाई, स्टेशन रोड, जमशेदपुर।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सीज होल्ड जमीन रक्का 312 डीसमील या 18 कट्ठा 17-1/2 धूर जो कचहरी मुहस्ला नया बाजार, जुगसलाई थाना एवं शहर जमशेदपुर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसीका सं० 3977 दिनांक 4-7-80 में दिया हुआ है जो जिला अवर निबंधक, कलकत्ता में निबंधित हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकर्यरी
निरीक्षी सहायक आयकर प्रायुक्ति,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 23-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०————

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयोगीय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं० प्राईंटी ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1879—अतः मुझे, विजय माथुर

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो विद्या नगर, इन्दौर
में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तुमूची में और पुर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 24-7-1980 को

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री कृपा शंकर पिता श्री किशन यादव 64/3
राम गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला रानी पति श्री बंसी लाल म०
न० 97, विद्या नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रन्तुमूची

मकान न० 97 जो कि प्लाट न० 97 पर विद्यानगर
इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक वायकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-3-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रत्न कुमार सच्चर, पिता श्री ऊजोमल सच्चर, म० नं० 522, खाती वाला टेक, इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-८१/

1880—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो खाती वाला टेक इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-7-1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

(2) श्री 1. गोपी चन्द्र
2. श्री स्वरूप चंद्र
3. श्री हुकम चन्द्र

सभी पिता चांदी राम, म० नं० 522, स्कीम नं० 44, डिवलेपमेंट प्लान खाती वाला टेक, इन्दौर।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्य गया है।

अनुसूची

मकान नमार 522 जो कि खाती वाला टेक इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1881—अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजान है, तथा जो शांती नगर, जैन कालोनी,
इन्दौर में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायासिय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 1-7-1980 को

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाण गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री सौभाग्य चन्द्र पिता श्री रतन लाल जी,
शांती नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र चन्द्र, पिता श्री सोम चन्द्र,
2. श्रीमती लेरी बाई पति श्री सोमचन्द्र मकान
नं० 4, छिपा मारवल, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मकान नं० 4, छिपा मारवल, शांती नगर जैन कालोनी,
इन्दौर।

वास्तुसूची

विजय माथुर
मक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकृकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप द्वाई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1882—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मरान है, तथा जो साड़ा कोरबा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-7-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवृत्ति अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रदद नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषासा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-36 GI/81

- (1) श्री अमृत लाल चावड़ा, पिता श्री खेमजी चालड़ा
माकिन टिकवा, पारा, बिलासपुर।
(अन्तरक)
(2) श्री लाला गनेश दाव पिता श्री गुरदित्ता मल
पंजाबी अहिं कुटीर, मिथिल लाहौन, बिलास पुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रथोद्दस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिः—इसमें प्रथम गढ़दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान जो कि साड़ा कोरबा में स्थित है।

विजय माथुर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16-3-1981

मोहर :

प्रलेप. अमर्षी० दो० एन० एवं०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० आर्षी० ए०स० /अर्जन/भोपाल/80-81/1883—

अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो लार्ड
गंज, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तुष्यमान प्रतिफल
के लिए अस्तरित की गई है पौर नुस्खे यह किशक सहने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके तुष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
पौर अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ननिषित उत्तरण से
उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राप्त की बात। उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक ने दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुश्किल किए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया था या या किया जाता था/हुए था,
लिपाने में तुष्टिका के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-व दी उपराहा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सतीष कुमार पिता श्री घासी राम समैया।

2. श्रामता कपूरों पति श्री घासी राम।

3. पुष्पा देवी पति श्री वीरेन्द्र कुमार समैया।

4. किरण देवी पति अरविंद कुमार सभी 528
ग्रन्थालय वजरिया हनुमान वाले, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार पिता श्री बजरंग लाल रुद्धिया

833, लार्ड गंज, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
प्राय व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 833 का भाग प्लाट नं० 144, जो कि
लार्ड गंज, जबलपुर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत बाइ. टी. एन. एस. —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर-प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1885

—अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रभवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसको सं० सकान का भाग है तथा जो रघुनाथ गंज,
मुड़वारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधीन, तारीख 29 जुलाई, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्दहृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिकी (अन्तरिक्षों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को जिहें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रधोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवक्षयों, अधृत:—(1) मैं विलोक चन्द्र प्रधिकारी राय द्वारा पार्टनर
सनमत कुमार पिता श्री दुर्गा प्रसाद तहसील
मुड़वारा, जिला जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार सुहाने पिता श्री शम्भू लाल
सुहाने निवासी मिथिली वार्ड, मुड़वारा, जिला
जबलपुर।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
प्रधिकारी द्वारा मौजूद होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रूपवर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवधेस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।रूपवरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 587 एवं 588 का भाग जो कि सराफा
रोड, रघुनाथ गंज मुड़वारा में स्थित है।विजय माथुर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत एकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मार्च, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/प्रजन्त/भोपाल/80-81/1886

—अतः मुझे विजय माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसको सं० भूमि है, तथा जो खंडों पारासर, ग्वालियर
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, डबरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25 जुलाई, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री भगवान लाल पिता श्री रघुनाथ ।
2. श्री महेश कुमार, पिता प्रसादलाल खरी
पारासर डबरा, ग्वालियर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती धर्म कौर पति चरण सिंह ।
2. कर्म कौर पति मूरत सिंह ।
3. जुगन्दर कौर पति मूरत सिंह ।
4. प्रेम कौर पति गिरधारा सिंह ।
5. मिलकित कौर पति गुरबचन सिंह ग्राम
खंडों पारासर, डबरा, ग्वालियर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनूसूची

भूमि ऋमांक 404 रकमा 6/371 हेक्टेयर जो कि
ग्राम खंडों पारासर, डबरा, ग्वालियर में स्थित है ।

विजय माधुर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 19-3-1981

मोहर :

प्रकाश प्राईंटी० टी० एन० एस०————

आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मार्च, 1981

निदेश 'सं० आई० एसी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1887

—अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर बनाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

डौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो खैरी पारासर डबरा, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 जुलाई, 1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथायोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूर्वा किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रत्यक्ष के बायिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ताकि या जाना बाहिर या, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्ननिवित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीहं भगवान लाल पिता रघुनाथ महेश कुमार पिता पश्चा लाल ।
3. हरस्वरूप पिता राधा कृष्ण खैरी पारासर, डबरा, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्री चरण सिंह पिता मगर सिंह ।
2. सूरत सिंह पिता मेहर सिंह ।
3. गिरधारा सिंह व गुरबचन सिंह खैरी पारासर डबरा, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के घरें के लिए कायंवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आंशक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में भगाए होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय इसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोकृताक्षरी के तास निवित में किए जा सकें ;

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही धर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्रमांक 408/9/935 जो कि ग्राम खैरी पारासर डबरा, ग्वालियर में स्थित है।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 19-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (प्रिवेक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मार्च 1981

निवेश सं० आई० एन०/अर्जन/भोपाल/80-81/1888

—अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो छोला रोड, भोपाल में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, छोला रोड,
भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 1 जुलाई, 1980

का पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे छथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) प्री लाला राम पिता श्री देवी राम जी कमावाय
छोला रोड, सरदार पटेल, स्कूल मार्ग, भोपाल।
(अन्तरक)

(2) श्री आरम प्रकाश शर्मा ।
2. अब्देश कुमार शर्मा ।
3. अवधि किशोर सभी पिता दीन जी शर्मा,
छोला रोड, भोपाल ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्बन्ध
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मन्त्री

दो मंजिला मकान जो कि छोला रोड, भोपाल में स्थित
हैं ।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (प्रिवेक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 19-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक १९ मार्च १९८१

निवेश सं० आई० एसी०/अर्जन/भोपाल/८०-८१/१८८१—
अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो जहाँगीर बाद भोपाल में
स्थित है (और इससे उपावस्था ग्रन्ति की में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १८) के अधीन,
तारीख १० जुलाई, १९८०

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की वापत उक्त संपत्ति
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपभारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

(१) श्री धर्मधीर सूद पिता श्री टेल्समल ई-३/३४४,
अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(२) श्रीमती कुमेरी दीनी स्कूल व मस्जिद वर्गीरा
द्वारा सदर बाबू रेवां, नीम वाली सड़क,
जहाँगीराबाद भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोपित करने के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रन्तुसंघी

प्लाट नं० ६ जो कि जहाँगीराबाद जिसी चौराहा भोपाल
में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : १९-३-१९८१

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की
269-ग (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निवेश सं० आई० एसी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1890
—अतः मृग, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो गुजराती बाजार,
सागर में स्थित है (ओल इलै उपावड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय,
सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 25 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृग यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य अस्तित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपबाया (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तित्यों, अर्द्धातः:—

(1) श्री विठ्ठल भाई पिता श्री मथुरा दास पटेल।
2. श्री मथुरा दास पिता श्री माधव दास पटेल
दोनों निवासी गुजराती बाजार, सागर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती बाई पति स्वर्गीय श्री राजाराम
जैन कटरा बाजार सागर।
(अन्तरिती)

को यह मूल्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी अविक्षितियों पर
मूल्यना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षितियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रधुक्त वार्डों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 204 में वरिचालित
हैं; वही पर्दे इतना, जो उस अन्याय में
हिता गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान का भाग जो कि गुजराती बाजार,
सागर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्रम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रैरंग प्राइवेट ट्री. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्तालाय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निदेश सं० प्राइ०/एसी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1891

अतः मुझ, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्ते
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो गुजराती बाजार,
सागर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25 जुलाई, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दृढ़ेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः—

6—36G/81

(1) श्री कम्हैया लाल पिता श्री मथुरा दास पटेल,
गुजराती बाजार, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री जयकुमार पिता श्री राजा राम जैन, कटरा
बाजार, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप [—

(क) इस सूचना के राजसन में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजसन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान का भाग जो कि गुजराती बाजार,
सागर में स्थित है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. दी. एम. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, विनाक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रजन/भोपाल/80-81/
1892—प्रतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो गुजराती
बाजार सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-7-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बुजने में सुविधा के लिये;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री विठ्ठलभाई पिता श्री मधुरादास,
2. श्री मधुरा दास पिता श्री माधववास
दोनों निवासी गुजराती बाजार, सागर।
(अन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार पिता श्री राजाराम जैन कट्टर
बाजार, सागर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान का भाग जो कि गुजराती बाजार
सागर में स्थित है।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/भोपाल/80-81/
 1893—अस: मुझे, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि, गोदाम व मकान है, तथा जो
 खरिदी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख 3-7-1980

को पूर्वावृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उपवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तर्रती इवारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) किरोड़ीमल चेरिटी ट्रस्ट, रायगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार जजोड़िया, नगरमुखराय मार्ग,
 बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अधिक बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावृत्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवध
 किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रबृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भूमि रकमा 2.06 एकड़ एवं उस पर बने गोदाम व
 आफिस बिल्डिंग, खा० नं० 526/1के, 526/2के,
 526/3के, जो स्टेशन रोड, खरिदी में स्थित है।

विजय माधुर
 सकाम प्राप्तिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीखः 24-3-1981

मोहरः

प्रधान प्राईंसी दो एवं एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/भोपाल/80-81/

1894—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्ठान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सभीन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संभति त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि व गोदाम है, तथा जो खरतिया में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, 3-7-1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाधन उक्त प्रधिनियम के प्रधीन ऊर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें ऊरने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यदि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम जी धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किरोड़ीमल चेरिटी द्रस्ट, रायगढ़।

(प्रन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार जजोड़िया, गुरुमुखराय मार्ग, बिलासपुर।

(अस्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संभति के प्रधीन के लिए कार्याद्वियां बरता हूँ।

उक्त संभति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि द्वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर संभति में हितकृष्ण किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकृष्ण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्यावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रक्खा 1.74 एकड़ व उस पर अने गोदाम जो स्टेशन रोड, खरसिया में स्थित है। ख० नं० 526/1 के, 526/2 के, 526/3 के।

विजय माथुर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रक्रम नं १०८० श्री० ए० य००४०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (१) के अधीन सूचना
भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन थेट्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रजन/भोपाल/80-८१/
1895—ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन स्वाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्वाम प्राधिति, विवाह उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट और मकान है, तथा जो कैलाश
नगर, राजनांदगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजनांदगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 18-7-1980
को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
अधिकार के लिए प्रतिविधि की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिक्षण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) उक्त उद्देश्य के ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उद्देश्य करने वे दृष्टिका
के लिए और/वा

(क) एसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
वे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम नी धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-व की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याति :—

- (१) श्री सूरज मल पिता श्री मुसही लाल अश्वास,
रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।
(अन्तरक)
- (२) श्रीमती बेग्रंत कौर परिन सरदार सुरजीत सिंह
भाटिया, कैलाश नगर, राजनांदगांव।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के प्रजन के लिए
कार्यवाहियों कुरु करता हूँ।

उक्त सम्बन्धि के प्रजन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाम प्रतिविधि में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, व्यवोद्धताकारी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वामीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परि-
माणित हैं, वही पर्व होगा, जो उस प्रथाय
में दिवा या होता है।

अनुसूची

प्लाट और उस पर बना हुआ मकान जो कि कैलाश
नगर मोटर स्टैंड राजनांदगांव में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, भोपाल।

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्ररूप आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1896—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जवाहर नगर, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-7-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री एस० एम० एच० रिजनी, एडवोकेट रायपुर (अन्तरक)

(2) 1. श्री हसन
2. श्री हुसैन
3. श्री नादिर
4. श्री हैदर

सभी पिता हाजी मोहम्मद द्वारा धारीबाल एंड कम्पनी, एम० जी० रोड, रायपुर।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइंही भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15/616 जो कि एम० जी० रोड, जवाहर नगर, रायपुर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीखः 24-3-1981

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.—

(1) श्री मोहा राम पिता श्री नत्यू राम

2. श्री हरी चन्द्र पिता श्री नत्यू गुलझरा, जिला
धार।

(अन्तरक)

(2) श्री सतनाम सिंह, पिता श्री चन्द्र लाल छावरा,
धामनाद, धार।

(अम्बरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ग० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1897—अतः, मुझे विजय माथुरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
‘इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा 269-प्र
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो गुलझरा, जिला धार में
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, धरभापुरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 17-7-1980को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीरु/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्दूदूबी

भूमि खसरा नं० 92, जो कि ग्राम गुलझरा, धार में
स्थित है।

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

प्रदूष आई० ईटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1898—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट एवं मकान है, तथा जो प्रेम नगर
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 15-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल से प्रदृढ़ प्रतिगत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रथमनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, प्रार्थति:—

(1) 1. पं० शंकर लाल मिश्रा,
2. पंडित राम नारायण मिश्रा
दोनों पिता श्री शीतल प्रसाद जी मिश्रा
महल बांड, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) पंडित राम बदन तिपाठी पिता स्वर्गीय श्री
शिवप्रसाद तिपाठी, 1275 प्रेम नगर, मदन
महल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित न के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेव :—

(क) इन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित न के सम्बन्ध में 45
दिन की प्रविधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइक्षाक्रमों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट एवं मकान नं० 1275 जो कि प्रेम नगर, जबलपुर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्रम प्राप्तिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1899—ग्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो केन्टूमेंट
सागर में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 15-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

7-36GI/81

(1) श्री सुरेन्द्र सिंह पिता श्री सूरत सिंह सोढी,
केन्टूमेंट सागर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बृजरानी पति श्री शालिग राम बेरी,
केन्टूमेंट, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही
प्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 4 का भाग जो कि केन्टूमेंट सागर में
स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1900—प्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला का भाग है, तथा जो केन्टमट,
सागर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 8-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राहित-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कर्त्तव्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृश्य किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

(1) श्री मोहिन्दर सिंह पिता श्री सूरत सिंह सोड़ी,
केन्टमट सागर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बुजरानी पति श्री शालिगराम बेरी,
केन्टमट, सागर।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 4 का भाग जो कि केन्टमट सागर में
स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रकरण प्राई• टी• एम• एस•—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की वारा 269-वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है, तथा जो हमीदिया रोड, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्दोकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की वारा 269-वा के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की वारा 269-वा भी उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, ग्रहणतः:—

(1) 1. ली० 5705)

2. मजीर हुसैन

3. अम्बुल हुसैन

4. मो० इकबाल

5. जहीद हुसैन

सभी भागीदार मौ० हुसैनी ट्रेडिंग कम्पनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) 1. हाजी सजाद हुसैन

2. शब्दर हुसैन सैफी

3. हबीब उहीन

4. आबिद हुसैन

5. फजल हुसैन

सभी पिता हाजी मुख्तार हुसैन, बेलघाटपुरा, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मुद्राधार में छोई भी आयेतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हृष्टोक्तमः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, 4 एवं 5 जो कि अल्पना टाकीज के नजदीक हमीदिया रोड, भोपाल में स्थित है।

विजय माथुर

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 19-3-1981

मोहर :

प्रखण्ड आयुक्त टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ऐ० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1902—अतः सुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है, तथा जो हमीदिया रोड, भोपाल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तर्मात्रतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री नादे प्रली

2. मजीर हुसैन

3. अब्दुल हुसैन

4. मो० इकबाल,

5. जहीद हुसैन

सभी भागीदार मैं० हुसैनी ट्रेडिंग कम्पनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) 1. हाजी सज्जाद हुसैन,

2. मब्बर हुसैन पुत्रगण हाजी मुज्जार हुसैन
बेलघाटपुरा, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1 एवं 2 जो कि अल्पना टाकीज के पास
हमीदिया रोड, भोपाल में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेजू भोपाल

तारीख : 19-3-1981

मोहर :

प्रमुख प्राप्ति दीप एन. प्रसु.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथनं थोन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्रंथन/भोपाल/ 80-81/
1903—न्यतः मुक्ति विजय भासुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो खरगोन में स्थित है
(और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरगोन में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कृतित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ८—

(1) श्री नवनीत लाल पिता श्री नटवर लाल महाजन
निवासी खरगोन।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण नगर गृह निर्माण सहकारी समिति
मर्यादित खरगोन द्वारा अध्यक्ष श्री दीक्षमदास,
खरगोन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 191/2, 157/2 जो कि कस्बा
खरगोन जिला खरगोन में स्थित है।

विजय भासुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथन रेज, भोपाल

तारीखः 24-3-1981

मोहरः

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन.: एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,- सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1904—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन संभाल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो खरगोन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरगोन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-7-1981

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आरूप/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि खसरा नं० 191/4, 157/4 जो कि खरगोन
में स्थित है।

(1) श्रीमती म्यामा ब्राई पति श्री नटवरलाल महाजन
निवासी खरगोन।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण नगर गृह निर्माण सहकारी समिति
मर्यादित खरगोन द्वारा अध्यक्ष श्री टीकम दास,
खरगोन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 191/4, 157/4 जो कि खरगोन
में स्थित है।

विजय माथुर
संक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (1) 1. श्री रतन सिंह पिता लाल सिंह
2. श्री पारस कुमार पिता माणक लाल
3. श्री वृन्दावन पिता रणछोड़ दास,
4. श्री रामकृष्ण पिता किशन लाल बर्मा
निवासी खरगोन।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थोल, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1905—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

ओर जिसकी म० भूमि है, तथा जो खरगोन में स्थित है
(ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय खरगोन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

22-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

- (2) श्री रामकृष्ण नगर गह निर्माण सहकारी समिति
खरगोन द्वारा अध्यक्ष श्री टीकम दास पिता
बालकृष्ण, खरगोन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहं भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्ता स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, एवं अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 191/3, 157/3 जो कि कस्बा
खरगोन जिला खरगोन में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त [निरीक्षण]
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निदेश नं० आई०ए०सी०/प्रज०/भोपाल-80-81/1906--
अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)¹ (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स्के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो तलावली औरा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्त नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कर्मी कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--

- (1) श्री रमेश चन्द्र पिता बसंती लाल जी,
2. श्री हेमत कुमार
3. श्री अशोक कुमार
4. श्री प्रदीप कुमार
तीनों के पिता रमेश चन्द्र जी,
146, रविन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरक)

- (2) श्री इथिक फर्मा लेबोरेट्रीज और इन्जीनियर्स
प्रा० लि०, 9 मानकि बाग रोड, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की हामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि सब नं० 186, एवं 187 जो ग्राम तलावली
चांदा इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-81

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1907—ग्रन्त: मुझे विजय माथूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परामर्शदाता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० छूषि भूमि है तथा जो तलावलीचांदा इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की यही है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्परा प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्धरण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम बन्धरणी द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अनुत्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असौतः—

8—36 GI/81

- (1) श्री रमेश चन्द्र पिता बसंती लाल जी
 - 2. हेमन्त कुमार
 - 3. अशोक कुमार
 - 4. प्रदीप कुमार
- तीनों पिता रमेश चन्द्र जी 146, रवीन्द्र नाथ देवोर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तर्क)

- (2) श्री परफेक्ट फर्मसिस्ट प्रा० लिमिटेड, 9 मानिक बाग रोड, इन्दौर।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्यानीकरण:—इसमें प्रयुक्त गद्वां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान्य 20-क में परिभाषित है, वही ग्रन्थ होगा जो उस प्रधान्य में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 186 और 187 जो कि ग्राम नावनी चांदा इन्दौर में स्थित है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत पाई० ही० एथ० इष०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-प (1) के पर्याय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1908—अतः सुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाषाणत् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की वारा 269-प
के पर्यायीन सध्यम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी संज्ञा भूमि है, तथा जो ऐमार्गिद, बुरहानपुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहान-
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 14-7-1980

क्वो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवाद स
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरिताँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
क्लि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की वारा 269-प के अनुहरण
में, में, उक्त अधिनियम की वारा] 269-प की उपाधा (1) के
अधीन निम्नांकित अधिकारी, अर्जतः—

(1) श्री सुमेर सिंह,

2. आई चन्द्रपाल सिंह
दोनों पिता नारायण सिंह क्षत्रिय, राजपूत सिंही-
पुरा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीं अंसार को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी
लिमिटेड, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
विषय कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्धन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अविक्षियां होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य अधिकारी, प्रबोहस्तानी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्वाक्षरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं;
वही पर्याय होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 262, खसरा नं० 280 जो कि ग्राम ऐमार्गिद
बुरहानपुर में स्थित है।

विजय माथुर
साम प्राधिकारी
नियोक्ती सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1909—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन संबंध प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० कुछ भूमि है, तथा जो ग्राम निसरपुर
खेतिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्हर्टी अधिकारी के कार्यालय,
पानसेमल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 17-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए घट्टरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का
पक्षहृ प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरेक (अन्तरेक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरेक के लिए
तथ पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरेक
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरेक से हुई किसी वाय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वार किसी धन या धन्य आस्तियों
को जिसमें भारतीय बाबू-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुवरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपरान्त
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवतीत:—

(1) श्री अशोक पिता गोविन्द भाई महाजन खेतिया,
जिला खरगोन।

(अन्तरक)

(2) सुदामा पिता श्री बाबू गूजर पटेल खेतिया
जिला खरगोन

(अन्तरिती)

नो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यालयों करका हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्या द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रण्य अवित्या द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही पर्यंत होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि खसरा नं० 32/1 जो कि ग्राम निसरपुर
खेतिया जिला खरगोन में स्थित है।

विजय माथुर
संभम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1910—अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो तलावली चांदा, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रह्लाद पिता श्री हीरालाल गोयल,
49, जानकी नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मै० इन्दौर अरोमेटिक प्रोडक्ट, 62, विष्णुपुरी,
कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-भूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि संवेदन नं० 117, 118, और 119 जो कि भाग तलावली चांदा, इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1911—अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो तलावली चांदा, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, 10-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरहों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या नियंत्रण जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कैलाश चन्द्र पिता श्री हीरा लाल गोपल,
49 जातकी नगर, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) इंडियन आर्गनिक एंड फर्मसियुटिलिस प्रा० लि०,
21/2, साउथ तुकोगंज, बांग्ले आगरा रोड,
इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोद्धुस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के में यथा परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि संवैं नं० 116 एवं 123 जो कि ग्राम तलावली चांदा, इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन्. एड.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

मर्जन देख, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/80-81/
1912—अतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो तलाशली चांदा, इन्दौर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 10-7-1980

के पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने वा कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बावजूद उक्त अन्तरित-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कानून करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
जीड़/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन् या अन्य वासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट भर्ही किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—

(1) श्रीमती कुसुमलता पति श्री घजालाल गोयल,
50, जानकीनगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) इंडियन आर्टिनिक एंड फर्मस्ट्रिक्टिक्स प्रा० लिमिटेड,
21/2 साउथ तुकोगंज, बांबे-मांगरा रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्द्ध करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप्रे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्यांकन

भूमि सबैं नं० 115, जो कि ग्राम तलाशली चांदा,
इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)
मर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एम्. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन लेस, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1913—प्रतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो यशवंत निवास रोड,
इन्हौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से अंकित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
इन्हौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 4-7-1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हेतु के अन्तरक के
दृश्यमान में कमी करने या उससे अधिन ने सुनिधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था उपरामें में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपायारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शरद पिता श्री सोपानदेव खर्चे पदम पुरा
हाउस, अजमेर रोड, जगपुर।

(अन्तरक)

(2) रानीससी जी सेवा केन्द्र, 5 यशवंत निवास रोड,
इन्हौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कड़के पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लगाड़ीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

प्लाट नं० $\frac{3}{2}$ और $\frac{5}{22}$ जो कि यशवंत निवास रोड,
इन्हौर में स्थित है।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1914—अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो खालीबाला टैक स्कीम,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 23-7-1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री कन्दैयालाल पिता श्री नारायण दास बी०
के० सिन्धी कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री पहलाजराय पिता श्री खान घंड म० न०
34, बैराठी कालोनी, न० 2, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर बने के अन्तरक के
शायित्थ में कभी करने या उससे बनने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्लाट नं० 847 जो कि खालीबाला टैक स्कीम नं० 44
के अन्दर इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 24-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप नाइरॉटी.टी.एन.एस.-----

- (1) 1. श्री मुवा लाल पिता श्री सेठू राम
 2. नाथू लाल,
 3. ओम प्रकाश,
 4. विरेन्द्र कुमार,
 5. हेमन्त कुमार एमा,
 7/2 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1915—अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो माउथ तुकोगंज,
 इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
 पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), नजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन तारीख 23-7-1980

क्षेत्र पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति द्वा ऊचत बाजार
 मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, एसे दूसराने प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक स्पष्ट से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आव को बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/मा

(क) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान :—

9—36GI-81

- (2) श्री रमेन्द्रमोहन जोशी पिता मुकुन्दराम जी जोशी
 7/2 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

- (3) श्री राम चन्द्र गुप्ता, 2. श्री मदन लाल अग्रवाल
 7/2 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
 में सम्पत्ति है।)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों जैसे नदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अव्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
 गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7/2 जो कि साउथ तुकोगंज, इन्दौर में
 स्थित है।

विजय माथुर
 सक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मांगीलाल टिया, निवासी गंजलाइन, राजनांदगांव (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1916—अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है, तथा जो राजनांदगांव में
स्थित है (श्री इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, राजनांदगांव
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 14-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित रूपारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(2) 1. श्री धनराज पिता बिलेदराय
2. अशोक कुमार,
3. किशोर कुमार
4. महेश कुमार तीनों, पिता धनराज, गली नं०
6, सिन्धी कालोनी, सालबाग, राजनांदगांव।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाने
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रायित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट जो कि कृष्णा टाकीज के सामने राजनांदगांव में
स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोरह :

प्रह्लाद प्राइंस, एन.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निवेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल-८०/८१/१९१७—

अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो अरेरा कालोनी, भोपाल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमती में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 10 जुलाई, 1980
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्यांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण गे हाउंड किसी जाय दी बाजात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जाग्रता (1)
के लाभित निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:--

(1) श्री एम० बी० पिल्लई पिता श्री आर० एम०
पिल्लई, 91/64, तुलसी नगर, 1250 क्वार्टर्स,
भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री गंटी कामेश्वर सूर्य नारायण शर्मा पिता श्री
जी० वाई० सौमाया जूलू, 18-ए, सेक्टर ई-6,
अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अम्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० ई-6, 18-ए, जो कि अरेरा कालोनी, भोपाल
में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियोजन)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रख्युप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-४०-८१/१९१८—

अर्तः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शक्कर कालोनी,
लश्कर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मवानियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 11 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. श्याम लाल ।
 - 2. श्री लखमी चन्द दोनों, पिता टेक चन्द जी ।
 - 3. पीताम्बर दास ।
 - 4. किशन चन्द दोनों, पिता टेक चन्द जी ।
- मु० आम द्वारा श्याम लाल टेक चन्द वलाथ
स्टोर्स, कालका देवी, बम्बई ।

(अन्तरक)

- (2) श्री बनवारी लाल भाटिया पिता लाल चन्द जी
शक्कर कालोनी, लश्कर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 19 जो कि शक्कर कालोनी, फिल्मीस्तान
थिएटर के पीछे लश्कर में स्थित है ।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-80-81/1919—

अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो छोटी घबल टोली,
इन्दौर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 24 जुलाई, 1980

के पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तुलसी राम पिता मांगी लाल जी शर्मा, 11
गुमन निवास, नौनबा रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री मोहन प्रकाश पिता मांगी लाल जी खंडेलवाल,
12, पेड़र रोड, फ्लैट नं० 6, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक स्वीकृति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अपहृतस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

प्लाट जमीन नं० 3 गली नं० 1 जो कि छोटी घबल
टोली, इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-80-81/1920--

अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो चांदनी चौक,
रत्नाम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांलिय,
रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 14 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद पिता हाजी सरफ अली जी मलेशिया
वाला मुख्तार खास श्री सरफ अली पिता
इम्माइल जी बोहरा सैफी मोहल्ला, रत्नाम ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अतिका आई पति श्री अफबर अली बोहरा,
ताहिरपुरा, रत्नाम ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट जो कि चांदनी चौक नाहिरपुरा, रत्नाम में
स्थित है ।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269बि(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल—अतः, मुझे,
विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-बि के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रहमान पुरा, बुरहान पुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 21 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संर्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निष्प्रभावित की गई है और मूल्ये यह दृश्यमान
करने का कारण है कि प्रथमपूर्वोक्त संर्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हक्क किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-जर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमान
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. श्री आशा राम ।
2. श्री पापा राम पिता पेटू पटेल ग्राम सिंध
खेड़ा, बुरहान पुर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री शेखलाल ।
2. भाई गुलाम अली पिता उमर खां ।
3. दौलत खां पिता उमर खां दुधिया, बुरहान-
पुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि नं० 170 जो कि ग्राम रहेमान, पुरा, बुरहानपुर में
स्थित है ।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निदेश मं० आई० एस०/अर्जन/भोपाल—अतः मुझे,
विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मकान का भाग खाती वालाटैक, इन्दौर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनेकों में से और पूर्ण स्वयं
से विणित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कायलिय, इन्दौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11 जुलाई, 1980

की प्रत्येक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रत्येक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

- (1) श्री तिलोक चन्द्र पिता सोना राम जी।
 - 2. श्रामिक चन्द्रकांता जैन पति भनोहर सिंह जा-
जैन 157, खाती वाला टैक, इन्दौर।
- (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल पिता जीवन दास 30, नाथ
राज मोहल्ला, इन्दौर।
- (अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके प्रत्येक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यभाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
जाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए;
और/या

अन्तरुची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मकान नं० 157 का भाग जो कि खाती वाला टैक,
इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च, 1981

निवेश सं० आई० सी०/अर्जन/भोपाल—आतः मुझे,
विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं० भूमि है, तथा जो अमोना, देवास में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्र-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् E—

10-36GI/81

(1) श्री प्रकाश चन्द्र पिता लाल चन्द जी मदन 14,
वेयर हाउस रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मे० बड़जात्या ब्रह्म, 361, ज्वाहर मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहै भी आक्षेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खमरा नं० 274/1 जो कि ग्राम अमोना देवास
में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 24 मार्च, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/अजंत/भोपाल—अतः मुझे,
विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो अमोना, देवास में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, देवास
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 23 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृथमान प्रतिफल से, ऐसे हृथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बी/शा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष (1) के अनुसूचणा
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष (1) को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री प्रकाश चन्द्र पिता लाल चन्द्र जी मदन,
14 बेयर हाउस रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)
(2) श्री कल्याण मल पिता स्वर्गीय मिश्री लाला
बड़जात्या 146, जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अकितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में
यथा दिया गया है।

भूमि खमरा नं० 274/1 जो कि ग्राम अमोना, देवास
में स्थित है।

अनुसूची

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1981

निवेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल—ग्रतः मुझे,
विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन संभाल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो एम० जी०
रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपांगद्वारा अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 3 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैं सालग राम नटवर लाल नीमा एव्ह
कम्पनी 435 एम० डब० रोड, इन्दौर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजमल जैन पति श्री कामदेव जैन 31,
नलिया बारवल, इन्दौर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान 'शिव विलास पेलेस' नं० 435 का भाग जो कि
महाराष्ट्रा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है ।

विजय माथुर
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रखण्ड प्राइंट ट्री० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल—आग: मुझे,
विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है।

ओर जिमकी सं० मकान का भाग है, तथा जब खाती बाला
टैक, इन्दौर में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध असूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल सं०, एसे इष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरीतरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राही-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ असारित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री निलोक चन्द पिता श्री सोना राम जी।
2. श्रीमती चन्द्रकांता जेन पति मनोहर सिंह जैन
157, खातीबाला टैक, इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) श्री टीकम दास पिता श्री जीवन दास 30,
नार्थ राजा मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मुख्य

मकान नं० 157 का भाग जो कि खातीबाला टैक
इन्दौर में स्थित है

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1884—ग्रतः, मुझे, विजय माथुर,
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान का आग है तथा जो लाईंगंज
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावश अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 1-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्राहक (ग्राहकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के बिंदु
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्राहक के
वायिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तप्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु :—

(1) श्री संतोष कुमार पिता श्री घासी राम
2. श्रीमती कपूरी देवी
3. श्रीमती पुण्या देवी
4. श्रीमती किरण देवी पति अरविंद कुमार
शुक्रवारी बजरिया, हनुमानताल, जबलपुर।
(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती चंदा बाई पति श्री ज्ञान चंद
2. रवीन्द्र उर्फ राजीव राहुल, जवाहरगंज, जबल-
पुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय-20क में परिभ्रान्ति है,
वही अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 833 का भाग, प्लॉट नं० 144, लाईंगंज,
जबलपुर।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आद्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च 1981

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/887—अतः; मुझे
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिरु बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 7 है तथा जो उदयपुर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप से
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-7-1980

को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे हृदयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वृध्न में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सारितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री रमेशधन द्वारा चूमी लाल कठारा, निवासी
चारमुजा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दायू बाई पत्नी बाबूलाल जैन, निवासी
उदयपुर।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 8 वाके उदयपुर वेवाली फतेहपुरा, उदयपुर
में स्थित है और उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या
2426 दिनांक 15-7-1980 पर पंजीयित विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, चौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत हैं--

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

प्रादेश संसद्या राज०/सहा० आ० अर्जन/886—यतः, मझे
एम० एल० औहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो उदयपुर में स्थित
है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-7-1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरीतियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री रमेशचन्द्र पुत्र चुम्लिलाल जी कछारा, निवासी
चारमुजा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीता पत्नी मांगिलाल जी जैन, निवासी
उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 वाले उदयपुर देवाली फतेहपुरा में स्थित
है प्लाट का एरिया 3240 वर्गफुट है और उप पंजियक,
उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2427 दिनांक 15-7-80 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० औहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाषा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

तारीखः 23-3-1981

मोहरः

प्रकाप प्राइंट डी. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 मार्च, 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/896—ग्रतः, मुझे
एम० एन० चौहान

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का कारण है कि
स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से
अधिक है

और जिसको संख्या मकान नं० 191 है तथा जो कोटा में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-7-1980 को
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यद्यापि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्वरूप के लिए वय पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के वायित्व में
कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

(1) सर्वंश्री गम्बामल, साधूराम, मेवल दास पुत्र
पहूमल सिंधी निवासी सिंधी कालोनी, कोटा ।
(अन्तरक)

(2) श्री मथुरा लाल पुत्र भंवरलाल महाजन प्रोपर-
टर कर्म शिवनारायण पूनम चन्द भवानी मंजी,
कोटा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोंप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक सम्पत्तियों में से
किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्वाचर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

प्रधीकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बाब्ताय 20-क में परिभाषित हैं, वही
भर्त होंगा, जो उस बाब्ताय में विद्या यथा है ।

अनुसूची

मकान नं० 191, सिंधी कालोनी, बल्लभनगर, गुमान-
पुरा, कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1405
दिनांक 26-7-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है ।

एम० एन० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्तअधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

प्ररूप बाहरी टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

आदेश संख्या राजा०/सहा० आ० अर्जन/888—अतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अन्तर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1980

का पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीथन गहरी किया गया है:—

- (1) श्री सत्तारखां पुत्र शफूरखां जी पठान निवासी उदयपुर।
(अन्तरक)
(2) श्री बाबूलाल पुत्र कस्तूरचंद जी जैन, निवासी भीण्डर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेद भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की आवत्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लाट नं० 13, हिरण्यमगरी से० नं० 11, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर झारा कम संख्या 2464 दिनांक 16-7-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

गम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—46GT/81

प्रकल्प शार्दूली ३० एम० एस०-----

आवक्तव्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 मार्च, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/895—ग्रतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर धिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिनियम' कहा जाया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 773 है तथा जो कोटा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शारदा प्रसाद श्रीवास्तव एवं श्रीमती उषारानी
घर्मपल्ली श्री शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, निवासी
773, दावाबाड़ी, कोटा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र सम्मेना, सहायक अभियन्ता, राज०
रा० विद्युत मण्डल, ज्ञालालाड़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यण ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोदृष्टकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 773, दावाबाड़ी, कोटा जो उप पंजियक,
कोटा द्वारा क्रम संख्या 1318 दिनांक 25-7-80 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 25-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 25 मार्च, 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/894—यतः मुझे
एम० एल० चौहान
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी संख्या फैक्ट्री है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्राहीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या उसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पावर प्लान्ट सैल्स एण्ड सर्विस प्राइवेट
लिमिटेड, द्वारा श्री एस० एम० लोडा, गांगूली
बिल्डिंग, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजया कुमारी पली श्री अरविन्द कुमार
सी-172, बजाज नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाथ
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रये होगा, जो उस अध्याय में
विद्या है।

अनुसूची

प्लाट सं० 41 ए०/बी०/सी०/टी०, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रीयल
परिया, जयपुर पर स्थित फैक्ट्री बिल्डिंग जो उप पंजियक,
जयपुर द्वारा कम संग्रा 1523 दिनांक 7-7-80 पर पंजिबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 25-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/893—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी 16 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
रद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्तित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिखाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बी० एल० अजमेरा, प्लाट नं० सी-16,
राजापार्क, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह, प्लाट नं० 460, राजापार्क,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला आवासीय मकान, प्लाट नं० सी-16, राजा-
पार्क, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा फम संख्या 1507
दिनांक 5-7-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के बास्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/884—अतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूइ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के बास्तीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(क्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाब्त था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब की उपधारा (1) के बास्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रमेश चन्द्र पिता चुन्नीलाल जी कछार निवासी चारभुजा।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलेश कुमार पुत्र पुरुषोत्तम लाल जी महेश्वरी, निवासी धानमंडी, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट वाके उदयपुर फतेहपुर में है जिसका ऐरिया 2045 वर्गफुट है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2578 दिनांक 24-7-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 23-3-1981

मोहर :

प्रसूप प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदृश्यक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

आदेश संख्या राज.०/सहा० आ० अर्जन/885—अतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुमूली में आंग पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-7-1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाश गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी धारा या किसी घन या भूम्य शारितियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रक्रियकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के प्रमुख रूप
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थातः—

(1) श्री रमेश चन्द्र पुत्र चूमी लाल जी कछारा
निवासी चारभुजा।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द सिंह पुत्र दयालाल जी भट्ट निवासी
उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोपित करने के पूर्वांक सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवादियों करवा द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आंशिकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक सम्पत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताङ्गरो के बास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणोकारण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के अन्तर्भुवन
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट वाके फतेहपुरा उदयपुर में है जिसका ऐरिया
2070 वर्गफुट है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम
संख्या 2579 दिनांक 24-7-1980 पर पंजियक विक्रम
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सकारा प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीखः 23-3-1981
मोहरः

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओर
269-व (1) के प्रधीन सूचना-

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 मार्च, 1981

ग्रामेण संख्या राज०/सहा० श्रा० अर्जन/891—ग्रतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओर 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है
(और इससे उपांचदा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24 जुलाई, 1980

को पूर्णत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और मन्त्रक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की ओर उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिलव में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त सम्पत्ति का धनकर अधिनियम,
का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की ओर 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की ओर 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री जीवण लाल पुन लाहरी लाल कठारा
निवासी चारभूजा।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपालराम पुन सोहन राम लोढ़ा, निवासी
उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2520 वर्गफुट का खुला प्लाट वाके फतेहपुरा उदयपुर
में जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2576 दिनांक
24-7-80 पर पंजियक विश्व पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 25-3-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 मार्च, 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/892—अतः मुझे,
एम० एल० औहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जीवण लाल पिता लहरी लाल जी कछारा,
निवासी चारधुजा।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र पिता श्यामलाल जी भूतड़ा, निवासी
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

प्राप्तसूची

प्लाट नं० 10 वाके उदयपुर फेहपुरा में है प्लाट का
ऐस्थिया 2583 जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या
2577 दिनांक 24-7-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० औहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 25-3-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/889—अतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से दूर्ह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी नहीं या उपसे बचने में युविदा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवक्षितयों, अर्थात् :—

12—36 GI/81

(1) श्री लक्ष्मीलाल पिता श्री भंवरलाल जी मोनी,
निवासी नाथद्वारा

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशकुमार पिता सखावत रायजी वीरवानी,
निवासी उदयपुर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र पै रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों
में में किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद् किसी ग्रन्थ अवक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अवधिकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वधोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आ उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट वाके: उदयपुर फतेहपुरा में है जिसका ऐरिया
3240 वर्गफुट है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या
2581 दिनांक 24-7-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

श्रावेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/890—अतः मुझे,
एम० एल० छोहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है
(और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-7-1980

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इन्द्रभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि इन्द्रापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इन्द्रभान प्रतिफल से, ऐसे इन्द्रभान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(1) श्री लक्ष्मी लाल पिता भंवर लाल जी सोनी,
निवासी नाथद्वारा।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल पिता बन्सिलाल जी देवपुरा
निवासी उदयपुर, वानोड़ की हवेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हैर्ड किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम ने अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी वारने या उपर्ये वचने में लिखित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
राधिका के लिए;

प्लाट वाके उदयपुर फतेहपुरा में जिसका ऐरिया 2045
वर्गफीट जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 2580
दिनांक 24-7-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० एल० छोहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
ने अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

प्रह्लप शाई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 मार्च 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/906—अतः, मुझे,
एम० एल० चौहानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी मूल्यांकन प्लाट है तथा जो अजमेर में स्थित
है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-7-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
पद्धति से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् :—(1) श्रोमती फूल कंवर एवं अन्य, नया बाजार,
ग्रजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगराज पुत्र राम दयाल, वी मंडी, नया
बाजार, ग्रजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड, क्षेत्रफल 1681 वर्ग मीटर जो पुष्कर
रोड, अजमेर पर स्थित है और उप पंजियक, अजमेर द्वारा
कम संख्या 2502 दिनांक 15-7-1980 पर पंजियक विक्र
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 28-3-1981

मोहर :

प्र० पूर्ण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 मार्च 1981

निदेश सं० राज०/सहा०/आ० अर्जन/अतः मुझे, एम० एल० औहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

जिसकी सं० 58-बी है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अक्षरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित घटेश्य से उक्त सम्बन्ध लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकार्यों अधृत :—

(1) श्री सम्पत मल माथुर पुत्र स्व० श्री मोतीमल माथुर निं० जेपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गणेशी बाई पत्नी भगवान दास सिंही, कोटा।

(प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविकार्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकार्यों में से किसी अविकार्ता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविकार्ता द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी 58, बल्लभनगर, कोटा जो उप-पंजियक, कोटा द्वारा दिनांक 3 जुलाई, 1980 की पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० औहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-3-1981

मोहर :

प्राई० टी० एन० एस०——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 मार्च 1981

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—अतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन पात्रम प्राविहारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. ने अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिर तर आग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरग निविन में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी भाय की बाबत आयकर प्रधिनियम 1961 (1981 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियम पार या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सम्पत मल माथुर पुत्र स्व० मोतीलाल माथुर निवासी उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश चन्द्र पुत्र शिल्लसल सिंधी निवासी कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविन में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

58 बी, बल्लभ नगर, कोटा की मकान संपत्ति का भाग जो उप पंजियक द्वारा क्रम संख्या 1133 दिनांक 3-7-80 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवी टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 मार्च 1981

निदेश सं० राज०/ सहा० आ० अर्जन/907—ग्रतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो अजमेर में स्थित है (ओर
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28 जुलाई, 1980

को पूर्खीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्खीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब; उक्त अधिनियम की ओरा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की ओरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती फूल कंवर एवं अन्य नया बाजार, अजमेर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता पन्नी श्री सतीश कुमार, धी मंडी,
अजमेर।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारं। के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अठाय 20-क में परिभाषित
है, वही पर्याप्त ज्ञान और उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड, थेटफल 1455 वर्ग मीटर, पुष्कर
रोड, अजमेर जो उप-पंजियक अजमेर द्वारा क्रम संख्या
2808 दिनांक 28-7-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ओर
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री सम्पत मल माथुर पुत्र स्व० श्री मोतीमल
माथुर निवासी कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवन दास पुत्र वृन्द मल सिधी निवासी
कोटा।

(अंतरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 मार्च 1981

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—प्रतः मुझे, एम०
एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान संपत्ति है तथा जो कोटा में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रीय रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किन्तु इनका जाहिन था, जिसने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 58 बी, बल्लभ नगर, कोटा पर स्थित
मकान संपत्ति का भाग जो उप-पंजियक, कोटा द्वारा
क्रम संख्या 1132 दिनांक 3-7-80 पर पंजीयन विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 28-3-1981

मोहर :

प्रकाश पार्टी एनो एसो--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं. छीएच आर०/१८०-८१—उक्त: मुझे,
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी गं. भूमि क्षेत्रफल 41 बीघे 15 बिस्ते है,
है, तथा जो गांव गोबिन्द पुरा, तहसील धुरी में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धुरी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजिन्द्र देवी पुत्री श्रीमती शांति देवी
विघ्ना श्री अमर सिंह निवासी गोबिन्द पुरा,
तहसील धुरी।

(प्रत्तरक)

(2) सर्वेश्वी जसदेव सिंह, मुख्यदेव सिंह पुत्र श्री
बलविन्दर सिंह निवासी गोबिन्द पुरा, तहसील
धुरी।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 41 बीघे 15 बिस्ते, गांव गोबिन्द पुरा,
तहसील धुरी।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धुरी के कार्यालय के
विलेख सं. नं. 2463 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप श्राई०टी० एन० एस०—

आपहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा
269-घ (1) के अधीन सुचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निगीक्षण)

अर्जन रेंज, लधिपाना

लूधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० एसएनएम० / 4/80-81—आतः मुझे, सुखदेव चन्द्र
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अन्त अधिनियम' नहीं गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सुनाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 32 कनाल 15 मरले हैं
तथा जो सुनाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेफर्टा अधिकारी के
कार्यान्वय, सुनाम में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को
पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल से पद्धति प्रविश्वास से अधिक है और
पनारक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित
नहीं किया गया है:—

(+) अगतरण से ही किसी आप की आवत उका अधिनियम के अधीन कर देते के अगतरक के दायित्व में कभी करते या उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(व) ऐसी किसी ग्राम या निर्माण धन या अम्ब ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, त्रिपांत में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अन्तर्गत लिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

(1) श्री भग मिह पुव श्रो शाहजाद सिह निवास
मूत्राम।

(2) ਸੈਵਸ਼ ਸਾਲਵਾ ਟਾਈਨ ਰਾਈਸ ਅ ਜਨਰਲ ਮਿਲਨ.

सत्ताम् ॥

(अन्तरिक्षी)

को यह सुखना जारी करके प्रबोचन सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त समस्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदुबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

ग्रन्थाची

भमि क्षेत्रफल 32 कनाल 15 मरसे, सुनाम।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी मुनाम के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 1528 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र

मध्यम प्राधिकारी

महायक्त आयकर आयकृत (सिरोक्षण)

अर्जेन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13-3-1981

मोहरः

प्रस्तुप प्राईटी एनो एवं—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० प्रक्रियाल०/27/80-81—ग्रन्त: मुझे, मुख्यदेव
चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्रियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसको सं० भूमि क्षेत्रफल 27 बोधे, 7 बिस्ते है
तथा जो गांव बुरज बगेल मिह तहसील मलेरकोटला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला
में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
रहेंगे से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबन उक्त प्रविनियम के अधीन करने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्थ प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, घब्ब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त प्रविनियम की धारा 269-ष की उपचारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री यादविंदर मिह पुत्र श्री जागीर भिन्न तिवासी
बुरज बगेल मिह वाला तहसील मलेरकोटला,
गिला मंगलदर।

(अन्तरक)

(2) सर्वांगीन गुरमेल सिह, जोग मिह पुत्र श्री उगन
नाथ तिवासी गांव माला, तहसील मलेरकोटला।
(अन्तरित)

को पढ़ सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के
लिए कार्यवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

दण्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

भूमि क्षेत्रफल 27 बोधे 7 बिस्ते गांव बुरज बगेल
मिह वाला, तहसील मलेरकोटला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी मलेरकोटला
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2518 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द
नक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना)

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० एएमएल०/55/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्पष्ट अनुमति, जिनका उत्तिवाजार सूची 25,000/-
रु० से अधिक है

ओर जिसका सं० भूमि क्षेत्रफल 5 बाँधे 1/2 बिस्ते हैं
तथा जो गाव जाजार तहसील अमलोह में स्थित है (ओर
इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीग पूर्ण स्वप्न से वर्णित है),
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रे-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोत्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान्त
प्रतिफल न दिया जाना जो नहीं; ओर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि याकूर्विता सम्पत्ति का उत्तिवाजार
मूल्य, उक्त दृष्ट्यान्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान्त प्रतिफल का
फ्रेश प्रतिशत प्रथिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचाने में गुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविष्टा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जेव मिह पुत्र श्री कुन्दन मिह निवासी गांव
जमरां, तहसील अमलोह।

(अन्तरक)

(2) श्री करनेल मिह पुत्र श्री बाबू मिह
श्री गुरदाप मिह पुत्र श्री मलकोपत मिह
श्री निरमल मिह पुत्र श्री सुरजात मिह
गांव कुकड माजार तहसील अमलोह।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्थान पर्याप्ति में हितबद्ध
हिस्सी प्रश्न अर्थात् उक्त अधिकारी के पात्र
लिखित रूप से किए जा सकें।

संज्ञोत्तरण :—इस प्रयुक्ति गत्यों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, उक्त अधिनाय 20-क में परिभासित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उक्त अधिनाय में दिया गया है।

अनुभूची

भूमि क्षेत्रफल 5 बाँधे 1/2 बिस्ते गांव जमरां तहसील
अमलोह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रेशन अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 979 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० एएमएल०/५६/८०-८१—अतः मुझे, मुख्यदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि अंतर्काल 5 बीघे 1,2 बिस्ते है तथा
जो गांव जमरां तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे
उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कायालिय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि दूर्यमान प्रतिफल का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह लाईदाता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राहक
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या उद्य अधिकारों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

(1) श्री गुरमेल सिंह पुत्र श्री कुन्दन सिंह निवासी
गांव जमरां तहसील अमलोह।

(अन्तरक)

(2) श्री नच्छतर मिह पुत्र श्री बाबू मिह
श्री बलविंदर सिंह पुत्र श्री मलकीयत सिंह
श्री राजिंदर सिंह पुत्र श्री मुरजीत सिंह
निवासी कुकड माझरा, तहसील अमलोह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि अंतर्काल 5 बीघा 1,2 बिस्ते गांव जमरां तहसील
अमलोह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अमलोह के
कायालिय के विलेख संख्या नं० 980 जुलाई 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रसूप आई० टो० एन० एस० -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदाएँ
269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायता देते हुए आपको आदर्शता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लधियाना

लघियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० छेरा बमः/22/80-81—श्रावण, मुख्य, मुख्यदेव
वन्द

धारकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसमें डाके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 233ब के अंदीन संघर्ष प्राप्तिकारी की यह
विश्वास फरने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
निम आजार मूल्य 25,000/- रु. गे अधिक है
श्रीर जिसकी घर भूमि क्षेत्रफल 10 बीघा है तथा जो गांव
छत तहसील डेरा वसी, पटियाला में स्थित है (श्रीर डस्टे
उपाध्यक्ष अनुचुकी में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, डेरा वसी में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980 को

को पूर्वीयत भाष्यक्ति के उचित लाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्रत्यन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि यथार्थीयत भाष्यक्ति का उचित लाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल में ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशिष्ठा प्रधिक है और अन्तररह (प्रगतरक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रबन्धण के लिये यह याया गया प्रतिफल, विभिन्नतिक्ति उद्देश्य से उत्तर अन्तररह लिखित में वास्तविक रूप में लिखित नहीं किया गया है—

(ii) अस्तरग मे हई निसी आद को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपर्युक्त वचनों में सुविधा के लिए और या

(ए) ऐसी विसी आय या विसी धन पा अन्य आस्थियों को बिन्दे भारतीय आर्थिक स्थिति पर्याप्त, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरितो शाय प्रदृढ़ नहीं लिया गया का या किया जाना चाहिए या, छिपाने से संविधान के लिए

(1) सर्वश्री मोहन मिह, दरगत मिह, मनजीत सिंह
पुत्र श्री लाभ सिंह, नियासी चमकौर साहिब,
जिला रोपड।

(2) मैं भर्स वाला अजीत सिंह कोलड स्टोरज (पी०) लिमिटेड, बम स्टैड जुगीग्रा, ड०० दिशालयुरा, ज़िला पटियाला।

(अन्तरिक्ष)

को यह पुराना तारो करते पूर्वीकन सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए शायंगदिपा रहता है।

उस प्रवासि के अर्थात् न पश्चिम में लोटी औ शाही ।—

(क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदर्शन अविक्षयों में से किसी अविक्षित दारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्त गन की आरीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर मध्यमि में हिंदू किसी अन्य लोकित तथा, योग्यता के लिखित में किए जा सकेंगे।

साईटों तथा १०८ में रामरामदों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के प्रशासन ३०-के अधिकारित है, वही अर्थ होगा, जो उन अव्याप्ति को दिया गया है।

अन संघी

भूमि क्षेत्रफल 10 बीघे गांव छत, तहसील डेरा बसी
जिला पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा वसी के कायालिय के विलेख संख्या 728, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लधियाना

तारीख : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० लुधियाना/96/80-81—प्रतः, मुझे, मुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 52/4 है तथा जो बाग
नोहरीया मल जैन, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तांरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :-

- (1) श्रीमती राज रानी पत्नी श्री राधे किशन, निवासी
52/4, बाग नोहरीया मल जैन, लुधियाना।
(अन्तरक)
- (2) श्री बलबीर चन्द पुत्र श्री हरी राम, निवासी
76, भारत नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी- XVII -52/4 जो बाग नोहरीया मल
जैन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 1834, जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना
 लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं॰ लुधियाना/141/ए/80-81—प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट थेटफल 355 वर्ग गज है तथा जो गुरदेव नगर (तरफ कारा बारा) लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और भलारक (भलारको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों दो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थातः:—

- (1) श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री तारा मिह 1809/5, मिलर गंज, लुधियाना।
 (अन्तरक)
 (2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री सोहन लाल 27-बी, टैक्सटाइल कालोनी, लुधियाना।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट थेटफल 355 वर्ग गज जो तरफ कारा बारा गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विवेद संख्या 1914, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/147/80-81—अतः मुझे मुख्यदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 1333, थेन्फल 1014
वर्ग गज है तथा जो सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है
(और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को 'पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या दिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जै किरशण जिन्दल पुत्र श्री बाबू राम, निवासी
77 टिफ्ल्स कालोनी, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुभाष कपूर, अर्णोक कपूर, दीपक कपूर
पुत्र श्री कें एल० कपूर, एस० सी० ओ० नं०
75, सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षणः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

सम्प्लीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1333 (थेन्फल 1014 वर्ग गज) सेक्टर
33 सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 898, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 13-3-1981

मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० लुधियाना/138/80-81—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट ऑफिल 204-7/12 वर्ग गज है तथा जो भहल बागत, नजदीक एहसान रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 फेरे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर्त्तव्य से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14-36GI/81

- (1) श्रीमती स्विदी देवी विधवा बाल किशन द्वारा मेजर जनरल मनमोहन नाथ, डी-275, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रो चरण दास पुत्र श्री लाल चंद बी-III-776, मोहला सैंदा, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

प्लाट 204-7/12 वर्ग गज, जो महल बागत नजदीक एहसान रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के लिंग संख्या 2431, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्ररूप आइ'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/137/80-81—प्रतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 204-7/12 वर्ग गज है
तथा जो महल बागत नजदीक एहसान रोड, सिविल लाईन लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तांरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती सावित्री देवी विधवा श्री बाल कुण्ड
द्वारा श्री प्रेम नाथ निवासी एम-142, ग्रेटर
कैलाश, न्यू दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दरशना देवी पहनी श्री चरन दास बी-III
मोहला सैदां, लुधियाना।

(अन्तरिती)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहर्ह भी आशेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंने।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 204-7/12 वर्ग गज, महल बागत नज-
दीक एहसान रोड, सिविल लाईन लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2329 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च 1981

मोहर:

प्रस्तु आई.टी.एस.—८८-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/124/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3321 है तथा जो सैक्टर
32 डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1980 तारीख
को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्थ है
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की संपादना (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बिमला दुग्ल, मकान नं० 1157, सैक्टर
21 डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती सुख विरश सरगम, एस० सी० एस० नं०
15, सैक्टर 22 डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्ती करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरणः—इसमें प्रदूषित घब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मुख्यदेव चन्द्र

प्लाट नं० 3321, सैक्टर 32 डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 685, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च 1981

मोहर:

प्रस्तुति आई. टी., इन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं. चण्डीगढ़/142/80-81—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1262 पी है जो सेक्टर
15 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री नोनिहाल सिंह बेदी पुत्र श्री हरनाम सिंह
दुकान नं. 84, सेक्टर 15 बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री आई० आर० तरेहन पुत्र श्री अमर नाथ
केमस्ट्री डिपार्टमेंट, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या 'तत्सम्बन्धी व्यक्तियों' पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूषी

प्लाट नं. 122 पी, सेक्टर 15 बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डी-
गढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 862 जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० सिरहन्द/29/80-81—अतः मुझे, सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 3 बिसवे है तथा
जो गांव अजनाली तहसील सिरहन्द में स्थित है (और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरहन्द में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

कां पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति :—

- (1) श्री ईश्वर सिंह, चरनजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम
सिंह, निवासी गांव अजनाली, तहसील सिरहन्द।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री अमर सिंह
निवासी गांव कुकर माजरा, तहसील नाभा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 3 बिसवे गांव अजनाली तहसील
सिरहन्द।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिरहन्द
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1774 जुलाई, 1980
में वर्जे है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० सरहिन्द/27/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 74 कनाल है तथा जो
गांव रोड गढ़ तहसील सिरहन्द में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पूर्वक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत दी जाई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रतीम सिंह पुत्र श्री तेलू, श्रीमती प्यार कौर
पत्नी श्री प्रतीम सिंह, निवासी गांव रोर गढ़,
तहसील सरहिन्द।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री भूपिन्दर सिंह
श्रीमती जसयाल कौर पत्नी श्री बलबीर सिंह,
निवासी गांव रोहटी तहसील नाभा।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 74 कनाल गांव रोर गढ़, तहसील सरहिन्द
जिला पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सरहिन्द
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1746 जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रध्य पाई= ८० टो० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायता आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/171/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, पृ५ विश्वाप्त करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2510 है, तथा जो सेक्टर
35 सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे पृ५ विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंत्रित का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कानून नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति :—

(1) श्री सतियाविन्द्र सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी
ए-8/29, वसंत विहार, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री बदन सिंह,
2510 सेक्टर 35 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी प्राप्तेष ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो प्राप्ति
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में 'किए जा सकें'।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

प्लाट नं० 2510, सेक्टर 35सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1035 जुलाई, 1980
में वर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/161/80-81—अतः मुझे मुख्देव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2341 है तथा जो सैक्टर
23 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्री मलुक चन्द पुत्र श्री महिताब राम मकान
नं० 3404, सैक्टर 23 डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)
- (2) श्री राजिन्दर सिंह भासीन पुत्र श्री संत सिंह
मकान नं० 1546 सैक्टर 33 डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोमुक्ताक्षरी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्णकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2341 सैक्टर 23 सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी [चण्डीगढ़]
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1007 जुलाई, 1980, में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रख्यु आइ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अण्डीगढ़/166/80-81—अतः सुखदेव चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3727 है तथा जो सेक्टर
32 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के
कायालिय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भुक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए औरु/ग्र.

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वह: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15-36 GI/81

(1) श्री मुकजीत सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह मकान
नं० 3376, सेक्टर 32 डी, चण्डीगढ़ द्वारा श्री
बखशीश सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह मकान नं०
1552, सेक्टर 20 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह मकान
नं० 1552, सेक्टर 20 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

चन्द्र

प्लाट नं० 3727 सेक्टर 32 डी, चण्डीगढ़।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी चण्डीगढ़
के कायालिय के विलेख संख्या नं० 1020 जुलाई, 1980, में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटेड एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/130/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 456 है तथा जो सेक्टर 35 ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती घावारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चरनजीत सिंह गिल पुत्र श्री फुसन सिंह माफंत 56 ए० पी० ओ० द्वारा अटारी श्री सोहन सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह मकान नं० 456 सैक्टर 35 ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरमेल सिंह पुत्र श्री नारेयन सिंह, श्री भलकीयत सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी 456, सैक्टर 35 ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 456 सैक्टर 35 ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 701 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च 1981

मोहर:

प्रस्तुत प्राईं ढी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा
269-ब (1) के प्रश्नों सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० के०एन०एन०/२६/८०-८१—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वारा प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल है तथा जो अलोर (खन्ना) जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रश्नों करने के प्रत्यक्षक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(द) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब; उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ब के प्रत्यक्षण में, मैं उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ब की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्तिः—

- (1) श्री चुहर सिंह, श्री प्रमर सिंह, पुल श्री कणु निवासी अलोर (खन्ना), जिला लुधियाना।
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स रामजी वास व संस, जी० ढी० रोड, अलोर खन्ना, जिला लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधिया वा उसमें अधिकों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की वधिया, जो भी वधिया वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;
- (म) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट द्वारा किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल, गांव अलोर खन्ना जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खन्ना के कार्यालय के लिए संख्या नं० 1176 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च 1981

मोहरः

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० लुधियाना/173/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इक्षण से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 114-एच है तथा जो सुरामा
नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
शक्ति में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिम्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवृत्ति :—

(1) श्रीमती रमजीत कौर विधवा श्री हरचन्द सिंह
श्री अमरीक सिंह, परमजीत कौर, चरमजीत कौर
पुत्री श्री गुरबचन सिंह मकान नं० 7-एच०,
सुरामा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(2) श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री गुरदित सिंह मकान
नं० 85-बी, सुरामा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रथमिया तथा सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रथमिया, जो भी
प्रथम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

प्लाट नं० 114-एच०, धेतफल 250 वर्ग गज, सुरामा
नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2939 जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रलेप मार्च 10 दी 10 एन 0 एस 0—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेद सं 0 चण्डीगढ़/170/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु 0 से अधिक है,
और जिसकी सं 0 प्लाट नं 1181 है तथा जो सेक्टर
37 बी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नीरंजन दास शर्मा पुत्र श्री हेमराज मकान
नं 1512, सेक्टर 7 बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री गुरप्रताप सिंह सोढ़ी, श्रीमती गुरदीप कौर
सोढ़ी, मकान नं 998, ए, सेक्टर 7 बी, चण्डी-
गढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिनवद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्दृसाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 1181 सेक्टर 37 बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं 1034 जुलाई, 1080 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रलूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० छण्डीगढ़/126/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2101 है तथा जो सेक्टर
35 सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को दूर्घात सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
रम्भ है प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिशत (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्तरक के वायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री हरदेव सिंह सरना पुत्र श्री कल्याण सिंह
सरना, मकान नं० 6, 76 थियेटर रोड, कलकत्ता-
17।

(अन्तरक)

(2) श्री जसमेर सिंह पुत्र श्री तारा सिंह, श्रीमती
गुरुनाम कोर पत्नी श्री तारा सिंह मार्फत हीरा
प्रिंटिंग प्रेस, श्रीट रोड मोगा, अब मकान नं०
75, सेक्टर 27ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
रायंवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन का वस्तव्य में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, कही
प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2101, सेक्टर 35 सी, चण्डीगढ़ (जायदाद
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के
विलेख संख्या नं० 688 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
तारीख: 13 मार्च, 1981
मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० एस०आर०डी०/39/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 37 कनाल 12 मरले हैं
तथा जो गांव नबी पुर तहसील सरहिन्द में स्थित है (और
इससे उपाबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निमित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रश्न उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिमित्त अधिकारी, पर्याप्त ।—

(1) श्रीमती कलवंत कौर विधवा श्री मोहिन्दर सिंह
निवासी मकान नं० 158 सैक्टर, 33 चण्डीगढ़
थ सुखप्रीत कौर पुत्री श्री मोहिन्दर सिंह, मकान
नं० 158, सैक्टर 33 चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(2) श्री पूरन सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, सर्वश्री मंगल
मिह, गुरमुख सिंह व भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री पूरन
सिंह, निवासी नबी पुर, तहसील सरहिन्द, जिला
पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करेता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तहसीलदी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 37 कनाल 12 मरले गांव नबीपुर तहसील
सरहिन्द, जिला पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2056 जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द

सर्वश्री मंगल

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्राकृप प्राई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269 व (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निर्वेश सं० लुधियाना/आर० 24/80-81—अतः मुझे
सुखदेव घन्द,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-व
के प्रधोन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-34-2272 है तथा जो
जोशी नगर, हैबीवाल कला, तहसील लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी ग्राम की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यवित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए: और/वा

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिहें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को भारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त प्रधिनियम को भारा 269-व की उपायां (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवयों :—

(1) श्रीमती शीला वतो विधवा श्री राम प्रसाद निवासी
757, पटेल नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजु गियान शरमां पत्नी श्री गियान चंद
शरमा, निवासी बी-XXXIV/2272, जोशी
नगर, हैबीवाल, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XXXIV-2272, जोशी नगर, हैबीवाल
कला, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2979 जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव घन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं. अमलोह/47/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा है तथा जो गांव
कुकड़ माजरा तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे
उपावश्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

क्षेत्र पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

16-36 GI/S!

(1) श्री मल्कीयत सिंह पुत्र श्री राम कृष्ण निवासी
गांव कुकड़ माजरा, तहसील अमलोह।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री अमर कान्त, राम नरेश पुत्र गंगा वीन
ओम रत्न, सुभाश चन्द्र पुत्र श्री हर प्रसाद
निवासी वाडे नं. 3, मन्डी गोविन्दगढ़, सब
तहसील अमलोह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा गांव कुकड़ माजरा तहसील
अमलोह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या नं. 888 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/150/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 2 मरले साहित
पोलटी शेष है तथा जो गांव दरिया यू० टी०, चण्डीगढ़
में स्थिर है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से, अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पात्र गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(५) प्रत्तरण से दूर्व जिसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परिवर्तनार्थ प्रत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या छिया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रेष्ठ, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के प्रत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मुरारी लाल पुरी पुत्र श्री हंस राज पुरी,
मकान नं० 1211, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)
(2) श्री हरमेल सिंह पुत्र श्री राजा सिंह निवासी
गांव दरिया यू० टी० चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।
उक्त संपत्ति के प्रबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में से निम्नों अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिव्यबद्ध
किसी अन्य अविक्षियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्तरण शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रब्लेम 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रब्लेम में दिया
गया है।

अनुसूची
भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 2 मरले साहित में पोलटी
शब्द जो गांव ए दरिया यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 950 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० लुधियाना/133/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XIX-423/बी० है तथा
जो सोढ़ी स्ट्रीट कालेज रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
अन्तरितियों के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री तीरथ राम, प्रकाश चन्द्र, कंवर लाल, प्रेम
सागर, पुत्र श्री गुजर मल निवासी बी-13-1369
कुचा हरदियाल, सुखराम नगर, लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) श्री सिरी राम पुत्र श्री पूरन चन्द्र निवासी मकान
नं० बी XIX-423/बी०, सोढ़ी स्ट्रीट, कालेज
रोड, सिविल लाईन, लुधियाना।
(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

मुख्यसूची

मकान नं० बी-XIX-423/बी०, सोढ़ी स्ट्रीट, कालेज
रोड, सिविल लाईन, लुधियाना।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2381, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 13-3-1981

मोहरः

प्रधन प्राइ. बी० एन० एस०--- ---

आरक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत उच्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/151/80-81—अतः मुझे सुखदेव

चन्द,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ए के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं० 3456 है तथा जो सेक्टर 35 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्त्रण के लिए तथा पाया या प्राप्तिपत्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अतिरिक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लए, और/या

(ख) ऐसो किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुद्धरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्धता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

(1) श्रीमती जसवंत कौर विधवा श्री राजिन्दर सिंह निवासी गंव व डाकघाना लगोश, तहसील नवा शाहिर, जिला जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री मदनजीत पुत्र श्री ईशर दास मकान नं० 2862, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उपलब्धि के अधीन कार्यादियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन व सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना व राजपत्र में उक्ताशन वी तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मात्तदी अविवायों पर सूचना वी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त उपलब्धियों से हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में उक्ताशन वी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्युद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरी ११८—इसमें प्रयुक्त शब्दों गो० पदों हा०, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3456 सेक्टर 35 डी, चण्डीगढ़।

(जायकाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 952 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/132/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितना उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 1506 है तथा जो सेक्टर
33-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन हर देने के अन्तरक के तात्पर्य
में रूपी करने वा उत्तो बनने में सुविधा के
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री बी० एस० रम्बावा पुढ़ थी उजागर सिंह
मकान नं० 1623 सेक्टर 18 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ताजिन्दर कौर पली श्री जोगा सिंह
मकान नं० 622, सेक्टर 33 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त प्रस्तुति के अंत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के उपलब्ध में सीई भी आओ।—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशत की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजनव में प्रकाशत की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अप्रोहस्ताशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 व में परिचायित है,
वही अर्थ द्वारा, अप्रोहस्ताशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

मनुसूची

प्लाट नं० 1506 सेक्टर 33 बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 742 जुलाई 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्यातः—

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/138/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के प्रधीन सत्र साधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 1807, है तथा जो सेक्टर
34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर है जो अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण न हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातः—

(1) श्री रामपत्र यादव पुल रामो ठाकुर सिंह निवासी
27, श्रीनगर कालोनी, सिकन्दराबाद (आनंद्र
प्रदेश)।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० सहगल पुल हरबन्स लाल सहगल
व श्रीमती सुलक्षणा सहगल पत्नी आर० के०
सहगल, निवासी मकान नं० 697, सेक्टर 11-बी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनय में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरंगेंद्री व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनय में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1807, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 854, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/146/80-81—अतः मुझे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 2760 है तथा जो सेक्टर
22-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वृथत्:—

(1) श्रीमती स्वर्ण कान्ता पत्नी श्री रोशन लाल सूब
निवासी मकान नं० 2760, सेक्टर 22-सी,
चण्डीगढ़।
(प्रत्तिक्रिया)

(2) 1. श्री गुरमेल सिंह, 2. श्री हमीर सिंह, पुत्र गुरदेव
सिंह, निवासी मकान नं० 2688, सेक्टर 22-सी,
चण्डीगढ़।
(अन्तरित)

(3) श्री देवी दयाल जनक,
श्री अमरजीत
श्री सतीश अनंद
निसरामसी निवासी मकान नं० 2760, सेक्टर
22-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत संपत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्युचंद्री

मकान नं० 2760, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 897, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रकाश नं. 269 टी. १० एन. एस. —

आपहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं. छण्डीगढ़/140/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

प्रायोकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अंतर्गत अंतर्गत प्रायोकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 269 है तथा जो सेक्टर
33-ए, छण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, छण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बोर्जर मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रयापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के अन्तर्गत
प्रतिक्रिया से अधिक है तो और अन्तर्गत (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्रिया विभिन्न उद्देश द्वारा प्रतिक्रिया में वस्तुवित
रूप ने अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी प्राय की आवंत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्कर के दायित्व में कसी
फरो या उक्त बबो में युविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विस्तौर प्राय या किसी धने या घन्य आस्तियों
को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घने-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
युविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रविनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमरजीत सिंह सोहल पुत्र श्री मलहारा सिंह
सोहल, निवासी गाँव सोलखीयां, पोस्ट आफिस
पत्थरीजटां, जिला रोपड़ द्वारा श्री जितन्द्र सिंह
पुत्र श्री चरनजीत सिंह, निवासी मकान नं.
202, सेक्टर 19-ए, छण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरचरन कौर पत्नी जितन्द्र सिंह निवासी
मकान नं. 1124, सेक्टर 20-बी, छण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस पूर्वोत्तर के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या उत्तमवन्धी अवधियों पर
पूर्वोत्तर की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोदृष्टांश्चरी के उपर
लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हीं हरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के प्रधान 20-व में परिभाषित हैं, वही प्रयोग
होगा, जो उक्त प्रधान में दिया गया है।

मुख्यसूची

प्लाट नं. 269, सेक्टर 33-ए, छण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी छण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 858, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० ई० १० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेदण सं० चण्डीगढ़/152/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की बारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 1511 है तथा जो सेक्टर
36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फैद्दह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
द्वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व
को उद्घारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः:—
17—36GI/81

(1) श्री नरेश सहगल पुत्र श्री जगदीण राज सहगल
निवासी 17239, फैनान्स्प्रो मिशन, बी० एल०
बी० डी० कनाडा, द्वारा श्री जगमोहन सिंह,
चौधरी पांडवोकेट पुत्र श्री अचर सिंह पांडवोकेट,
निवासी मकान नं० 74, सेक्टर 8-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती परमजीत कौर प्रेवाल पत्नी श्री के०
एस० प्रेवाल, निवासी मकान नं० 1511, सेक्टर
36-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन
के लिए रायबाहिर्या बरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के मंत्रघ में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के
मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ता-
शरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

प्लाट नं० 1511, सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 953, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारोत्तम : 13-3-1981

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेदन सं० सरहिन्द/31/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० भूमि क्षेत्रफल 36 कनाल, 3 मरले हैं तथा
जो गांव डेरा मीरा मेरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है (आंदर
इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई, 1980

के पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति वा उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाष्पत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्त्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सरदूल सिंह, लखबन्त सिंह,
बलजिन्दर सिंह सारे पुत्र मलकीयत सिंह और
श्रोमती गुरदेव कौर पत्नी श्री आतमा सिंह,
गांव डेरा मीर मेरा, तहसील सरहिन्द।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत सिंह, जोगिन्द्र सिंह, मोहिन्द्र सिंह
पुत्र केसर सिंह, निवासी गांव डेरा मीर मेरा,
तहसील सरहिन्द।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक स्वीकृति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्तिः
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

भूमि क्षेत्रफल 36 कनाल 3 मरले, गांव डेरा मीर मेरा,
तहसील सरहिन्द।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द
के कार्यालय के लिए संख्या नं० 1815, जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव धन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 1363-1981

मोहर:

प्रस्तुप बाइ. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निवेश सं०ए०ए०ए०/७०/८०-८१—अतः मुझे, सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 142 कनाल 7 मरले का
1/4 भाग है, तथा जो गांव नरायण गढ़ तहसील अमलोह
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16)
के अधीन तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सन्तोष सिंह पुन्न श्री निरमल सिंह निवासी
गांव हसन पुर, तहसील नाभा।

(अन्तरक)
(2) सर्वं श्री सेवा सिंह, शेर सिंह, अजमेर सिंह
पुन्न श्री बचन सिंह निवासी भादसों, डा० व
तहसील नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 142 कनाल 7 मरले का 1/4 भाग
गांव नरायण गढ़ तहसील अमलोह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1204, अगस्त, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुति श्री प्रत्येक संघर्षकोष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमलोह/50/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 भाग भूमि 142 कनाल 7 मरले हैं तथा जो गांव नारायण गढ़ सब तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, एसे दर्शमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सन्तोष सिंह पुत्र निर्मल सिंह निवासी गांव नारायणगढ़, तहसील नाभा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चान्द कौर पत्नी श्री गुरदियाल सिंह गुरमेल सिंह, गुरमीत सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह, निवासी हेवटपुर, पोस्ट आफिस नारायणगढ़, सब तहसील अमलोह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

ममता

1/4 भाग भूमि 142 कनाल 7 मरले गांव नारायणगढ़ सब तहसील अमलोह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 909, जुलाई, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रसूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं. चण्डीगढ़/157/80-81—ग्रत: मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 201 है तथा जो सेक्टर
11-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबंड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया आय या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रामितों सुहागरानी पत्नी स्वर्गीय प्रीतम देव
भारद्वाज, निवासी मकान नं. 557, सेक्टर
16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री माहिन्द्र सिंह भूटर पूत्र श्री लक्ष्मण सिंह
भूटर द्वारा श्री करतार सिंह सोमत, निवासी
मकान नं. 606, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 201, सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 993, जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च 1981

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेद सं० चण्डीगढ़/133/80-81—अतः मुझे, मुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 637 है तथा जो सेक्टर 36-
बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यतः नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी
17/1, श्री मार्कंड डे लेन, कलकत्ता-12।
(अन्तरक)

(2) 1. श्रो अजीत सिंह छत्तवाल पुत्र श्री सुन्दर सिंह
छत्तवाल
2. श्रीमती अमरजीत छत्तवाल पत्नी अजीत सिंह
छत्तवाल, निवासी मकान नं० 148, झण्डु
बगीची रघुमाझरा, पठियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षार्द्ध भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 637, सेक्टर 36-बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 794, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/134/80-81—उक्त मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1737 है तथा जो सेक्टर
33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को
पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभु लोकुमन गादरगांवी पुत्र लोकुमन नारायण-
दाया गादरगांवी निवासी 8, सिंगलोमपर साथ
रंगो जोजी बाई रोड, बन्दर बम्बई-400050
द्वारा श्री गुरजीत सिंह बकीन, निवासी 613,
सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रो वचन सिंह पुत्र हीरा सिंह, निवासी मकान
नं० 613, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संधीकरण :— इस प्रपुत्र शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1737, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 796, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च 1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/131/80-81—अतः मझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी द्वारा यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 1379, है तथा जो सेक्टर
34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
के पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने द्वा द्वारा दूर्घात है कि दृश्यमान दृष्टिरेत्र दृष्टिरेत्र
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री अवतार सिंह सिंधु पुत्र श्री बलबीर सिंह
निवासी 3324, पावर हाउस रोड, भटिण्डा
द्वारा श्री कृष्ण देव शर्मा, निवासी 3032, सेक्टर
19डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम सुन्दर सेठी पुत्र चनन दास सेठी श्रीमती
अनीता सेठी पत्नी श्री शाम सुन्दर सेठी, निवासी
206, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1379 सेक्टर 34डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय में विलेख संख्या नं० 739, जुलाई, 1980 में
दर्शाया है)।

(१९ ज्यैष्मी १९८१)।

पात्री किंवा उक्त जायदाद किसी-

में स्थानीय प्रश्नात्मक विवरण द्वारा सुखदेव चन्द
;प्रातीक्षिकी के साथ सम्बन्धित प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

प्राप्ति नं० ३-१९८१ ज्यैष्मी १९८१ कि सामीक्षिक विवरण, ज्यैष्मी १९८१

(१) प्राप्ति नं० ३-१९८१ ज्यैष्मी १९८१ कि सामीक्षिक विवरण, ज्यैष्मी १९८१
तारीख : 13-3-1981 की प्राप्ति नं० ३-१९८१, ज्यैष्मी १९८१, ज्यैष्मी १९८१
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, विधायक आयुक्त (1961 के दृश्यमान
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश स० चण्डोगढ़/163/80-81—प्रतः, मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अन्तर्गत सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 3029 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डोगढ़ में स्थित है (और इससे उत्पादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिक्रिया, तिम्तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्रिया में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या विभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों अवधारित:—

(1) श्री ब्रिज भूषण अद्विवाल पुल श्री बन्सी राम अग्रवाल, सुपरिङेन्ट पुलिस (वी० एस० एस०) पंजाब स्टेट बिजली बोर्ड, पटियाला पंजाब द्वारा श्री हरविलास राये पुल श्री प्यारे लाल अग्रवाल निवासी एस० सी० एफ० नं० 28-29, सेक्टर 28 सी, चण्डोगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा सिंगला पल्ली श्री सन्त राम सिंगला निवासी एस० सी० एफ० नं० 28-29, सेक्टर 28-सी, चण्डोगढ़ परमानेंद पता शाही समाधान अपटियाला।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी दूसरे अवक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

लपटीकरण:—इसमें प्रयुक्त संबंधी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3029, सेक्टर 35-डी, चण्डोगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चण्डोगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1012, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13 मार्च 1981

मोहर:

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/115/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 334 है तथा जो सेक्टर 33-ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गण्डीचौक नं० 334 का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमसी आजा कौछड़ विधवा पत्नी श्री
बलवन्त सिंह कौछड़ व श्रीमती हरमनजीत कौर
पत्नी श्री एस० के० बी० एस० लाम्बा, पुत्री श्री
बलवन्त सिंह कौछड़ निवासी 35-बी० डी० डी०
ए० प्लॉट, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश के० सैनी पत्नी श्री विपिन कुमार
सैनी, निवासी भवान नं० 114, सेक्टर 33-ए,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आधेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः— इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

प्लाट नं० 334, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 658, जुलाई 1980
में दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीखः 13 मार्च, 1981

मोहरः

प्रलेप बाई० टी० एन० पृ० १—

प्राप्ति: अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/165/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विधास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 3510, है तथा जो सेक्टर
32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिति को यह है श्रीर मुझे यह विधास करने का
कारण है कि विधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरिति (अन्तरिति) और अन्तरिति
(अन्तरिति) के बीच ऐसा अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वेते के अन्तरक के
इत्यर्थ में छोटे करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; पौर/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरिति
अधिनियम, 1957 (1987 का 27) के
प्रयोगनार्थे पन्त्रियों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अधिकृत:—

(1) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री हरचन्द सिंह
निवासी गांव व डाकखाना राधोमाजरा, नया बस्ती
गली नं० 3, पटियाला द्वारा श्री डरि प्रकाश खाना
पुत्र श्री निरंजन द्वास निवासी गांव मोहना, पोस्ट
आफिस तिथोया जिला कुरुक्षेत्र (हरियाणा)
भारकत मकान नं० 9, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री मुलख राज धावा पुत्री श्री एम० आर०
धावा निवासी मकान नं० 3870, सेक्टर 32-डी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी ग्राहण।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूरोक्त अविक्तियों में से किसी
अविक्त द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों मोट पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3510, सेक्टर 32-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के लिए संख्या नं० 1021, जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रकाश प्राप्ति संख. २५० पृष्ठ.

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-वा (1) के प्रत्येक सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना।

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/102/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सत्त्वन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 58 (358 चर्ग गज) है तथा जो रख बाग, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातेशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश सउकूट अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरे किसी बाय की बाबू, उन्हें नाभिनियम के वृत्ति का दर्शन के अन्तरक के विवरण में किसी कर्त्तव्य या उसके बचने वाले सुविधा का दिया जाएगा।

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सूचित के सिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी—

(1) श्रीमती सावित्री देवी विधवा पत्नी श्री राम रखा बाबा एडवोकेट, उसकी अपनी तथा उसके पुत्रों की जनरल आटारनी श्री अरुण कुमार, रामेश चन्द्र, निवासी सन्त कोटेज, विन्दरावन रोड, सिविल लाईन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) डा० रीटा टक्कर पत्नी डा० वेद प्रकाश टक्कर निवासी 82, क्लब रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेष;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 58 (क्षेत्रफल 358 चर्ग गज) रखबाग लुधियाना (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2034, जुलाई, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सहम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक १३ मार्च १९८१

निदेश सं० जगराओं/८/८०-८१—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो मुहल्ला गुरु तेग
बहादुर, मलिक रोड, जगराओं में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जगराओं में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख जुलाई, १९८०
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (११)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--

- (१) श्रीमती हरनाम कौर विधवा पत्नी श्री सरदारा
सिंह, निवासी मुहल्ला गुरु तेग बहादुर (अशावर
गुजरात) जगराओं, जिला लुधियाना।
(अन्तरक)
- (२) श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह,
निवासी गांव हाथुर, तहसील जगराओं।
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान, मुहल्ला गुरु तेग बहादुर (अशावर गुजरात)
तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगराओं
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० ३२६४ जुलाई १९८०
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: १३-३-१९८१

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/156/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या प्लाट नं० 1282 है तथा जो सेक्टर 34-सी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भव्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तथ याया याया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थाद्:—

(1) श्री जे० एन० डोगरा (रिटायर्ड) पुत्र श्री विश्वन
दास डोगरा, बी० आर०-10/सी० डी० डी० ए०
फ्लैट्स मनेरका, नई चिल्सी।
(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र चौपड़ा पुत्र श्री नन्द राम चौपड़ा
श्रीमती स्विश्वरां कुमारी पत्नी श्री सुभाष चन्द्र
चौपड़ा, मकान नं० 1285, सेक्टर
21 बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रृप्ति-
मृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1282, सेक्टर 34 सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० ९७६ जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/111/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 243½ वर्ग गज है तथा
जो गांव मुराद पुरा, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त समाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चतुर्भुज से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन हर देने के अन्तरक के वायिरण
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्ननिम्न व्यक्तियों, प्रयोगितः—

(1) श्रीमती राज कलसी पत्नी श्री गुरप्रसाद निवासी
576, फेज-1, मोहाली, जिला रोपड़।

(अन्तरक)

(2) श्री जनक राज पुत्र श्री गुरदयाल मल मार्फत
मैसर्ज गुह्यास वैकिंग स्ट्रोर, मृगफली मंडी, गिल
रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाप 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाप में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 243½ वर्ग गज, मुराद पुरा, लुधियाना
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2097 जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च 1981

मोहर :

प्रस्तुप पाई= टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/129/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन मत्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० बी-23-899/66 है तथा जो
शिवा जी नगर, समराला रोड, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है पौर मुझे यह विष्वास
करने का उत्तरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथक्षमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप में कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उसके बजाए में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रहण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (4)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यां, अवति:—

(1) श्रीमती दलजीत कोर पल्ली श्री दव दान सिंह
द्वारा श्री वरियाम सिंह पुत्र श्री भेवा सिंह
निवासी बी-23-898/36 प. शिवा जी नगर,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोगिन्दर कोर पत्नी श्री हरनाम सिंह
शिवाजी नगर, मकान नं० बी- XXII -899/66
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रखके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के
लिए कार्यकालिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या तत्सम्बन्धी अवित्यां पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य अवित्यां द्वारा अधिकारी के
पात्र विवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथकत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही पर्याप्त होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-23-899/66, शिवाजी नगर, समराला
रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2305, जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० लुधियाना/125/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्दआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी मूल्य प्लाट 290 वर्ग गज है तथा जो तरफ
हृसन रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाधि
ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—
19-36G1/81(1) श्री अमरजीत लाल पुत्र श्री परशोराम दास
12/23 पंजाब एमीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना।
(अन्तरक)(2) श्रीमती नज़्हतर कौर पत्नी श्री हरनेक सिंह, 1327/
4, महाराज नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)क्व मह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्सवंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इन्हें प्रदूषक सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ष होता जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

प्लाट क्षेत्रफल 290 वर्ग गज, तरफ हृसन रोड, लुधि-
याना।(जायशद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2260 जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियानातारीख: 13 मार्च, 1981
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं. लुधियाना/140/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं. 1/2 भाग मकान नं. बी-
1380/I है तथा जो फिरोजपुर रोड, बस स्टैण्ड, बाडेवाल
लुधियाना में स्थित है (आँर इससे उपावढ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सहाया
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान:—

(1) श्री बलराज कुमार पुत्र श्री शिवलाल मकान
नं. 913/4, टैगोर नगर स्थित लाईन लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) श्री राविन्द्र मलिक पुत्र श्री प्रबद्धियाल मलिक
4-बी, सराभा नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहो करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह्य भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
तिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं. बी- 1380/I,
फिरोजपुर रोड, बस स्टैण्ड बाडेवाल, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 2464 जुलाई, 1980,
में दर्ज है)।

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13-3-1981

मोहर:

प्रूफर बार्ड, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सुदूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/आर०/29/80-81—अतः मुझे
सुखदेव चन्द्रआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 107 कनाल 6 मरले हैं
तथा जो गांव छारीय तहसील व जिला लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—(1) श्री लछमन धास ओसवाल पुत्र श्री आसा राम
ओसवाल, ओसवाल भवन, बरहमपुरी, लुधियाना।
(अन्तरक)(2) मैसर्ज जैन, डेरी व एग्रीकल्चरल फार्म लुधियाना
द्वारा श्री देव राज, हिस्सेदार।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 107 कनाल 6 मरले, गांव कादीग्रा
तहसील व जिला लुधियाना।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3611 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/120/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन संशोधन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1139 है तथा जो सैक्टर
36 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण लिपि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(व) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेजर एम. एस० दत्ता पुत्र श्री जी० एस० दत्ता
मकान नं० 1224, सैक्टर 31, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री जी० के० भटनागर पुत्र श्री आई० के०
भटनागर, श्रीमती रीतू भटनागर पत्नी श्री जी०
के० भटनागर, मकान नं० 442 सैक्टर 35-ए,
चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1139 सैक्टर 36 सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 674 जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
संशोधन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप बाहर् टी. एन. एस.-----

(1) मिस भूपिन्दर कौर पुत्री श्री काला सिंह निवासी 372, जेल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राविन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री अमरीक सिंह निवासी गांव काको बाल, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/113/80-81—अतः सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम कहा गया है’), की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 9 मरले हैं तथा जो गांव मेहरबान जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्र) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का अधिकृति:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूना

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 9 मरले गांव मेहरबान लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2120 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा
26९-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/114/80-81—ग्रतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
26९-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल, 9 मरले हैं तथा
जो गांव मेहरबान जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घट या अन्य अनियतों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26९-ष की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अनियतों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी श्री आजिन्द्र सिंह
372 जैल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी
गांव काकोवाल, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अनियतों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अनियतों में से किसी अनियत द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्रृंग-
बद्ध किसी अन्य अनियत द्वारा, अधीक्षिताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मुझसूची

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 9 मरले गांव मेहरबान
लुधियाना।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2121 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्ररूप आइ॰टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० लुधियाना/115/80-81—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 3 मरले हैं तथा
जो गांव मेहरबान, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हर्दूर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृह था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--

(1) मिस अदर्शपाल कौर पुत्री श्री काला सिंह
निवासी 372, जेल रोड, लुधियाना।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री अमरीक सिंह,
निवासी गांव काकोवाल, तहसील लुधियाना।
(अन्तरिती)

करो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसदृश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी को पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रदृक्त व्यक्तियों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृदूसूची

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 3 मरले गांव मेहरबान
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विनेश संख्या नं० 2122 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/116/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल, 9 मरले हैं तथा
जो गांव मेहरबान लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रांतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मिस गुरुदीप कौर पुत्री श्री काला सिंह निवासी
372, जेल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री ईदरजीत सिंह पुत्र श्री अमरीक सिंह निवासी
गांव काकोवाल, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 9 मरले गांव मेहरबान
लुधियाना।

(जायकाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2123 जुलाई, 1980 में
दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्रस्तुत प्राइवेट टी.एम.एड.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेदा सं. के.ए.च.आर./12/80-81—अतः मुझे, सुखदेव अन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है
और जिसकी सं. सं. सं. 222 है तथा जो केज 7,
मोहाली खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के दूर्यमान प्रति-
फल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्त्रक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीड़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
20—36GI/81

(1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री भगत सिंह मकान
नं. 405, केज 7, मोहाली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीप खन्ना पत्नी श्री आर० डी० खन्ना
मकान नं. 222, केज 7, मोहाली।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके प्रवांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-
ब्रूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 222 केज 7, मोहाली तहसील खरड़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के
कार्यालय के विलेख संख्या नं. 2195 जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव अन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रकप आई० टी० एव० एस०----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भारत
कार्यालय, सदाचार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/125/80-81--अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1205 है तथा जो सैक्टर
33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करना द्या जाएगा है कि एथाए लाई संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ज्यादा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

(1) श्री सुभाष चन्द्र सिंगला पुत्र श्री मेहर चन्द्र
श्रीमती सरोज सिंगला पत्नी श्री सुभाष चन्द्र
सिंगला, मकान नं० 3565, सैक्टर 23 डी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री भजन सिंह पुत्र श्री सूरत सिंह श्रीमती
कमलजीत कौर पत्नी श्री भजन सिंह मकान नं०
58 सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवायः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1205 सैक्टर 33 सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 687 जुलाई, 1980
में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 13-3-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/121/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2264, है तथा जो सेक्टर
35-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ग्राही-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरजैव सिंह पुत्र अमरायो सिंह निवासी
गांव व डाकखाना रुड़की पुखता जिला रोड़
द्वारा उनकी अटारनी श्री गुलबन्त 378,
सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(प्रत्तरक)

(2) श्री दर्जन सिंह पुत्र श्री गुलबन्त सिंह निवासी
मकान नं० 378, सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सभापति होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2264, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ (जायदाद
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के
विलेख संख्या नं० 680 जुलाई, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/155/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-प(1) के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवेकास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1266 है तथा जो सेक्टर
34 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
आंतर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पांच ग्राम प्रतिहार, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसों ग्राम या किसी घटन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवकृत :—

(1) कैप्टन चरनजीत सिंह खानुजा द्वारा श्री रोशन
लाल मार्फत एस० सी० एफ० नं० 57, सेक्टर
30 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल कांता पत्नी श्री रोशन लाल
निवासी एस० सी० एफ० नं० 57 सेक्टर
30 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवड़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषित घटनों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1266, सेक्टर 34 सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 960 जुलाई, 1980 में
दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्ररूप अमृ० दी. एन. एस.-----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/160/80-81—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दर्शके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1136 है तथा जो सेक्टर
34 सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वह: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधृत् १--

- (1) श्री एल० के० अरोड़ा पुत्र श्री एन० आर०
अरोड़ा, 735, हरी नगर, रोहतक।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सतवंत कौर पल्ली श्री आतमा सिंह,
निवासी गांव बरबल जिला लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के बजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फूर्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों के, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो वर्ण होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 1136 सेक्टर 34 सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1002 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 13-3-1981

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/प्रार०/28/80-81—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 19 कनाल, 13 मरले हैं
तथा जो गांव खान पुर, जिला लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

के पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री भजना पुत्र श्री वरियाम निवासी खान पुर
डा० धवदी, तहसील व जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री गुरमेल सिंह
निवासी गाँव खानपुर डा० धवदी तहसील
व जिला, लुधियाना।
(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक संपत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 19 कनाल 13 मरले, गांव खानपुर,
तहसील जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3514 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

प्रकाशन आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/099/80-81—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी मकान नं० बी-17-295 है
तथा जो भारत नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल;
निम्नलिखित उक्त ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रतिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री करतार सिंह पुल श्री अला सिंह, निवासी
295, भारत नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री नारंजन सिंह पुल श्री चम्बा सिंह, 889,
कुचा नं० 12, फील्ड गंज, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उम्बल्य में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही प्रयोग होता, जो उन प्रधार में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० बी-17-295/पी, भारत नगर, लुधियाना।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1930, जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप प्राईंटी टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (नियोजन)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं. चण्डीगढ़/164/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 74 है तथा जो सैक्टर 33 ए.
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपार्थ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में घासदाक
रूप से की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आद की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जनरेल सिंह पुत्र श्री किशन सिंह मकान
नं. 74, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी श्री जसवंत सिंह
मकान नं. 74, सेक्टर 33 ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकेपें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

गनूरुच्छी

प्लाट नं. 74, सेक्टर 33 ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 1019 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर वायुक्त (नियोजन)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रक्षेप वार्षि० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

(1) श्रीमती विमला वर्मा पत्नी श्री विक्रम वर्मा,
निवासी सी-4/ए-58-सी/जनक पुरी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री के० एल० पसरीजा पुत्र श्री के० एस०
पसरीजा, निवासी 563, सेक्टर 16 डी, चण्डी-
गढ़।

(भन्तरिती)

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निवेद सं० चण्डीगढ़/141/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3092 है तथा जो सेक्टर 35
डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को
पूर्णक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्राक्तृप्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविकल्यां अर्थात् :—
21—36GI/81

को यह भूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविकल्यों पर
भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविकल्यों में ने किसी अविकल द्वारा;

(ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविकल द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में हिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथं होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3092, सेक्टर 35 डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 861 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुति नं. 269-ग (टी० एम० स्प०) —
श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ग (1) के प्रारंभिक सूचनाएँ

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० लुधियाना/112/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को श्रावा 269-ग के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है।

और जिसकी सं० मलेरकोटला हाऊस नं० बी-XIX-620 है, तथा जो सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्वृत्त प्रतिशत से अधिक है और पन्तरन (पन्तरों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए। और/या

(घ) ऐसी रियो ग्राम या किसी धर्म या धर्म प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धर्म, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रन्तरण में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतृत:—

(1) भी नव किशोर कथारी पुन श्री मेहरबंद निवासी मलेरकोटला हाऊस, सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला बन्ती विधवा श्री राम प्रसाद मकान नं० बी-XIX-620, मलेरकोटला हाऊस, सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XIX-620, मलेरकोटला हाऊस, सिविल लाईन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2115 जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सभाम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च, 1981
मोहर:

प्रकाश: बाइर्ड, टी. एन. एफ. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० डेरा बसी/26/80-81—अतः भुजे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 बीघे है तथा जो गांव किशन पुरा, तहसील डेरा बंसी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बंसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, भूमि के अधीन सूचना प्राप्तिकारी की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्रीमती अम्बित कौर किंवद्धा श्री मोहिन्दर सिंह भकान नं० 1011, सैक्टर 8 सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)
(2) श्री श्याम सुन्दर शर्मा पुल श्री किंवद्धर नाथ शर्मा (एच० य० एफ०) कोठी नं० 229, सैक्टर 9, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोइं भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कालान्तरी या तत्परतान्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

चन्द

भूमि क्षेत्रफल 16 बीघे गांव किशन पुरा तहसील देरा बंसी।

(आपदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बंसी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 827 अगस्त, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
संसाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीखः 13-3-1981.

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निवेश सं. डेरा बंसी/24/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे सहित में इमारत
है तथा जो गांव किशनपुरा, तहसील डेरा बंसी जिला पटि-
याला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध घनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
डेरा बंसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अनुसार:--

(1) श्रीमती अजीत कौर विष्वासा श्री मोहिन्दर सिंह
निवासी मकान नं. 1011 सैक्टर 8 सी, चण्डी-
गढ़।

(प्रस्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्वर शर्मा व विनोद कुमार शर्मा
पुत्र श्री किवार नाथ शर्मा पुत्र श्री माधोराम शर्मा
एवं यू. एफ. मकान नं. 229 सैक्टर 9,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धन
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे सहित में इमारत गांव किशन पुरा
तहसील डेरा बंसी।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बंसी के
कार्यालय के विलेख संख्या नं. 765 जुलाई, 1980 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० डेरा बंसी/24 ए०/८०-८१—अतः मुझे
सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि धोतफल 8 बीघे सहित में इमारत
है तथा जो किशन पुरा तहसील डेरा बंसी जिला पटियाला
में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रकृष्टत मंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त संस्तरण लिखित में वास्तविक
क्षण से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई जिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी जिसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित लकारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौरुष-

(1) श्रीमती अंजीत कौर विधवा श्री मोहिन्दर सिंह,
निवासी मकान नं० 1011, सैक्टर 8 सी, घण्डी-
गढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री किंदार नाथ शर्मा
(एच० पू० एफ०) कोठी नं० 229, सैक्टर 9,
घण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस नृधन के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूस्त्री

भूमि धोतफल 8 बीघे सहित में इमारत, गांव किशनपुरा
तहसील डेरा बंसी।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बंसी
के कार्यालय के विलोख संख्या नं० 767 अगस्त, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखः 13-3-1981

मोहरः

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

भारत सरकार

कार्बोसिल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निवेश सं० डेरा बसी/21/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्दआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 22 बीघा 1 बिसवा है तथा
जो गांव किशन पुरा, तहसील डेरा बंसी, जिला पटियाला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बंसी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिएअन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यहाँ पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के बिंदु तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
ठहरेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत उक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—(1) श्रीमती अजीत कौर विधवा श्री मोहिमद सिंह
निवासी मकान नं० 1011, सैक्टर 8 सी, चण्डी-
गढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर शर्मा युत श्री किवार नाथ शर्मा
एच. यू० एफ० निवासी कोठी नं० 229,
सैक्टर 9, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के द्वायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि से तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्तर
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्दुकी

भूमि क्षेत्रफल 22 बीघा 1 बिसवा गांव किशन पुरा,
तहसील डेरा बंसी, जिला पटियाला।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बंसी
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 701 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 भार्व, 1981

निदेश सं० डेरा बंसी/20/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-प के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिकार बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 20 बीघे, 15 विस्ते है तथा जो गांव किशन पुरा सब तहसील डेरा बंसी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंकित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बंसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिकोण का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मग, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अजीत कोर विधवा श्री मोहिन्दर सिंह महान नं० 1011 सैक्टर 8 सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री किदार नाथ शर्मा, एच० य० एफ० कोठी नं० 229, सैक्टर 9,
चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

भूमि क्षेत्रफल 20.15 बीघे गांव किशन पुरा, तहसील डेरा बंसी।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बंसी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 676, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सकारा प्राक्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेद सं० डीबीएस/23/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि भेत्रफल 22 बीघे है तथा जो गांव
किशन पुरा, भव तहसील डेरा बसी, जिला पटियाला में
स्थित है (और इसमें उपावद अनुमती में और पूर्ण क्षेत्र से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 7/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः--

(1) श्रीमती अंजीत कौर विधवा श्री मोहिन्दर सिंह
निवासी गांव मकान नं० 1011, सेक्टर 8 सी,
चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री किंदार नाथ
शर्मा, एच० य० एफ०, कोठी नं० 229, सेक्टर
9, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी आपेक्षित :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमि भेत्रफल 22 बीघे, गांव किशन पुरा, तहसील
डेरा बसी।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 740 जूलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 मार्च 1981

मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.:-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं. चण्डीगढ़/128/80-81—भ्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 113 है तथा जो सेक्टर
16-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अस्यमान प्रतिफल से, ऐसे अस्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित व्यापार प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

22-36 GI/81

- (1) 1. श्रीमती निर्मल शर्मा पत्नी श्री राज कुमार शर्मा
2. दीपक शर्मा पुत्र राज कुमार शर्मा,
3. प्रभात शर्मा पुत्र राज कुमार शर्मा,
4. श्रीमती नीरा शर्मा पुत्री राज कुमार,
5. के० के० शर्मा पुत्र श्री डी० सी० शर्मा,
6. मनमोहन शर्मा पुत्र डी० सी० शर्मा,
7. सरोज शर्मा पत्नी सतीश शर्मा,
8. मधुसूदन शर्मा पुत्र सतीश शर्मा,
9. शशीक शर्मा पुत्र डी० सी० शर्मा,
10. पुष्प दास पुत्री डी० सी० शर्मा
11. गीता तनेजा पुत्री सतीश शर्मा,
12. शान्ता तिवारी पुत्री डी० सी० शर्मा,
13. ऊषा कपिला पुत्री डी० सी० शर्मा,
द्वारा सतीश चन्द्र कपिला एडवोकेट पुत्र बालमुकुन्द
आनन्द भवन, होणियारपुर।

(अन्तरिती)

- (2) श्री ए० डी० वर्मा पुत्र श्री परस राम निवासी
मकान नं. 113, सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमेटिक:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है,
यही शब्द होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 113, सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 699, जुलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० छण्डीगढ़/167/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० सं० 25 है तथा जो सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पात्र गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्यारा सिंह पुत्र निक्का सिंह व श्रीमती स्वर्ण कौर पल्ली प्यारा सिंह और करनैल सिंह पुत्र प्यारा सिंह, निवासी गांव भुगरानी, तसील होशियारपुर अब 373 होल्स्टन रोड, बालबेसमपटन बेस्ट मिडिल लैण्ड, इंगलैण्ड, द्वारा श्री सुच्चा सिंह पुत्र नन्द लाल निवासी मकान नं० 3372, सेक्टर 15-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शना देवी पल्ली श्रीम प्रकाश अप्रबाल निवासी एस० सी० एफ० नं० 20, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ अब एस० सी० एफ० नं० 25, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री शेर सिंह पुत्र भगत सिंह, 2 श्री आत्मा सिंह बैड मास्टर, गुरदेव सिंह, जगदीश तिवाड़ी, चन्द भान, सागीर अहमद, अजय कुमार सारे निवासी एस० सी० एफ० नं० 25, सेक्टर 18 सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिग्रोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकांक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 25, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1026, जुलाई/अगस्त, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० खरड़/13/80-81—उक्त: मुझे, मुख्यदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2778 है तथा जो एस० ए० एस० नगर, मोहाली, तहसील खरड़, फेज 7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, एसे दूसरामात्र प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिरतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुग्रहण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रन्जीत सिंह पुत्र श्री बाणा सिंह, निवासी मकान नं० 71, सेक्टर 30-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार कपूर पुत्र श्री मुलख राज कपूर, निवासी मकान नं० 40, सेक्टर 15-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

(3) श्री एस० एल० पासी, एकाउंट्स आफिसर; डी० पी० आई० हरियाणा, निवासी मकान नं० 2778, एस० ए० एस० नगर, फेज 7, मोहाली।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

क्वो पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह्न भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौर्वाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2778, फेज 7, एस० ए० एस० नगर, मोहाली, तहसील खरड़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2356, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं. लुधियाना/141/80-91 अतः मुख्य सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. बी-VI-264 (नया) है तथा
जो माधोपुरी, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से [वर्णित है]), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप सं कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री मुकन्दी लाल पुत्र खीवा सिंह द्वारा श्री अमर
सिंह पुत्र मुकन्दी लाल, निवासी कुच्छा नं. 4,
मकान नं. 240/8, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल जैन पुत्र श्री बेली राम जैन
व श्रीमती आशा जैन पत्नी अशोक कुमार जैन व
श्रीमती कमलेश जैन, पत्नी तरसेम कुमार जैन
निवासी मकान नं. बी-6-264, कुच्छा नं. 3,
माधोपुरी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रौंच भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशनः—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-VI-264 (नया) माधोपुरी लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलोक्षण संख्या नं. 2473, जलाई, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत वार्द. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेदण सं० लुधियाना/121/80-81—अतः मुझे,
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहचात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 6 कनाल है तथा जो हेबोवाल
कला, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की भावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री लखबीर सिंह व अवतार सिंह पुत्र सरदार
सिंह, निवासी चुहड़पुरा, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती जानकी देवी पत्नी चुन्नी लाल निवासी
हेबोवाल कला, तहसील लुधियाना।
2. श्रो प्रीतम सिंह।
3. श्री बलवन्त सिंह पुत्र हुकम सिंह निवासी
201, माडल टाउन, लुधियाना।
4. श्री हरचन्द सिंह पुत्र श्री बौर सिंह निवासी
चुहड़पुरा, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
घास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

ननुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 कनाल गांव हेबोवाल, कला, तहसील
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख सं० नं० 2183, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रूप प्राईटी एनोएस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/168/80-81—अतः मुझे, मुख्यदेव
चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 557, है तथा जो सेक्टर
16-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायालिय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्याहार की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उनके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान
प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है)।

(क) अन्तरण से टुइं किसी आय को बाबन, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिगने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—(1) श्री भागवन्त सिंह पुल अत्तर सिंह निवासी गांव
टांगरा, जिना अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुहाम रानी पत्नी श्री प्रीतम देव व
जीवन भारद्वाज पुल स्वर्गीय प्रीतम देव भारद्वाज
निवासी 557, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवड़ किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा, भूतोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

महान नं० 557, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(जयशद जीता हि रजस्ट्रीर्टी प्रविधिकारी चण्डीगढ़
के कायालिय के विलेख मं० नं० 1032, जुलाई, 1980
में दर्ज है।)मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निमेश सं० लुधियाना/100/80-81—अतः मुझे, मुख्यदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० भाग कोठी नं० 576 है तथा जो माडल
टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपांगड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित वित्तियों, प्रर्षतः:—

(1) श्री डिप्टो सिंह पुत्र हरि सिंह निवासी 576,
माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्ष कुमार हींगरा पुत्र मोहन नाल निवासी
576, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति हारा अधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग कोठी नं० 576, माडल टाऊन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना के विसेख सं० नं० 1966, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री डिप्टी सिंह पृथि श्री हरि सिंह निवासी 576,
माडल टाउन, लूधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कमार ढींगरा पृथि श्री मोहन लाल निवासी
576, माडल टाउन, लूधियाना।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निक्षेप सं० LDH/109/80-81—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भाग कोठी नं० 576 है तथा जो माडल
टाउन, लूधियाना में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लूधियाना में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पांचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

यह यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भाग कोठी नं. 576, माडल टाउन, लूधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के
कार्यालय के विलेख सं. नं. 2081 जुलाई, 1980 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रस्तुत आई^१. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निवेश सं० एस आर० डी०/३४/८०-८१—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 4 बिस्ते है तथा
जो गांव अजवाली, तहसील सरहिंद में स्थित है (और
इससे उपाखड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिंद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए^२ किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवश्यकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि के उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—36GI/81

(1) श्री इन्द्र सिंह चरनजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम
सिंह, निवासी गांव अजनाली, तहसील सरहिंद।
(अन्तरक)

(2) श्री अमर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी
कुंकर भाजरा, तहसील नाभा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 4 बिस्ते गांव अजनाली, तहसील
सरहिंद।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिंद
के कार्यालय के विलेख नं० 1872 जुलाई, 1980 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रख्यु आइ०, टी०, एन०, एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० पटियाला/43/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 और 2 है तथा जो गऊ-
शाला रोड, नजदीक घेरे पंजाब मार्किट, पटियाला में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरकरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हार्यत्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

- (1) सर्वेश्वी सतवन्त सिंह, मनमोहन सिंह पुत्र डा०
सम्पूर्ण सिंह निवासी गऊशाला रोड, पटियाला।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती जसवीर कौर पत्नी हरमोहन जीत सिंह
निवासी घेरे पंजाब मार्किट, दुकान नं० 1 व 2
गऊशाला, रोड, पटियाला।
(अन्तरिती)
- (3) श्री जसवंत सिंह कबाड़ी गऊशाला रोड, पटियाला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1 और 2 गऊशाला रोड, नजदीक नई घेरे
पंजाब मार्किट, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2870, जुलाई, 1980
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981
मोहर :

प्रस्तुत आईटी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० एन बी ए/१७/८०-८१—ग्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी में० भूमि क्षेत्रफल 24 कनाल 11 मरले
है तथा जो नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे
उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मौतफल के लिए अन्तरित की गई है और मौके यह विद्वास्य
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तीरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्वश्री जगदीश चन्द, किशन चन्द, राम चन्द,
राम पाल, मदन लाल पुत्र श्री परमा नन्द निवासी
सिनेमा के पीछे नाभा।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र अवतार सिंह व धर्मपाल
पुत्र श्री राम स्वरूप मार्फत मैसर्स कृष्ण फ्लोर
व राइस मिल्स, नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 24 कनाल 11 मरले, नाभा जिला
पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय
के विलेख संख्या नं० 1296, जुलाई, 1980 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत बाहौद. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च, 1981

निवेद सं० एस आर डी/38/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 34 कनाल 16 मरले हैं तथा
जो गांव नावीपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में
स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रीतमहिन्द्र सिंह पुत्र मेजर महिन्द्र सिंह निवासी
गांव नावीपुर, तहसील सरहिन्द अब मकान नं०
158, सेक्टर 33, अण्डीगढ़।

(अंतरक)

(2) सर्वेश्वी मंगल सिंह, गुरुमुख सिंह व भूपिन्द्र सिंह पुत्र
श्री पूरन सिंह व श्री पूरन सिंह पुत्र श्री लाल सिंह
निवासी गांव मुगल माजरा, तहसील सरहिन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकौपः—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 34 कनाल 16 मरले, गांव नावीपुर,
तहसील सरहिन्द जिला पटियाला।

(जापदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2055, जुलाई, 1980
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० टी०पी०ए०/६/८०-८१—अतः, मुझे, मुख्यदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी अर्थे यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ० 21 कनाल 14 मरले हैं तथा जो
तापा, तहसील, बरनाला, जिला संग्रहर में स्थित है (और
इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तापा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
के पूर्वार्क सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वार्कत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगन्नाथ पुत्र श्री राम दास पुत्र श्री खुशिया
निवासी गांव तापा, तहसील बरनाला, जिला
संग्रहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंगरेज कौर पत्नी श्री तोता सिंह पुत्र
श्री बोगा सिंह, निवासी गांव तापा, तहसील
बरनाला, जिला संग्रहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आसी करके पूर्वार्कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहै भी आक्षणेः :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वार्कत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्युचूड़ी

भूमि शेत्रकत 21 कनाल 14 मरले गांव तापा, तहसील
बरनाला जिला संग्रहर।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तापा के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 839, जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ग्रामकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश मं० टी० पी० ए०/४८०-८१—ग्रतः, मुझे, सुखदेव
चन्द

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-प
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 14 मरले हैं तथा जो
तापा, तहसील बरनाला, संगठर में स्थित है (और इससे उपावद्वा
अनुसूची में और पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, तापा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया त्रै :—

(क) प्रभारण न हुई जिसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेश चन्द पुत्र श्री राम दास, निवासी तापा,
तहसील बरनाला, जिला संगठर।

(अन्तरक)

(2) श्री बीगा सिंह पुत्र श्री फुमन सिंह पुत्र श्री बुध सिंह,
निवासी तापा, तहसील बरनाला, जिला संगठर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथके सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 14 मरले तापा, तहसील बरनाला, जिला संगठर।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तापा के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 837, जुलाई, 1980 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 13-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० टी०पी०ए०/५/८०-८१—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 21 कनाल 14 मरले हैं तथा जो तापा,
तहसील बरनाला, जिला संग्रहर में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रो वेद प्रकाश पुत्र श्री गोरे लाल पुत्र श्री राम
दास निवासी तापा तहसील बरनाला, जिला
संग्रहर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती अंग्रेज कार पत्नि श्री तोता सिंह व श्री
भोगा सिंह पुत्र श्री फुमन सिंह, निवासी गांव तापा,
तहसील बरनाला, जिला संग्रहर।
(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसूची

भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 14 मरले, तापा, तहसील
बरनाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तापा के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 838, जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 13 मार्च 1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० पी०टी०आर०/30/80-81--अतः, मुझे,
सुखदेव, चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ० ३.६४.२३ हैक्टेयर है तथा जो
गांव गुलहाड़ा सब-तहसील पातड़ा, जिला पटियाला में स्थित है
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातड़ा,
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

करे पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
धौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम द्वारा घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अक्षियों, अस्तैः—

(1) श्री गोपाल सिंह, पुरनसिंह पुत्र श्री सल्ता सिंह,
निवासी गांव गुलहाड़ा, सब-तहसील पातड़ा, जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री अनुप सिंह पुत्र श्री जगत सिंह, निवासी
गांव गुलहाड़ा, सब-तहसील पातड़ा।
महिन्द्र सिंह पुत्र के सर सिंह और दर्शन सिंह, हजारा
सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी गांव निबागड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आदि में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में
से किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षियां द्वारा अध्योद्धत्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

भूमि क्षेत्रफल ३.६४.२३ हैक्टेयर, गांव गुलहाड़ा, सब-
तहसील पातड़ा।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सब-तहसील
पातड़ा के कार्यालय के विलख संख्या नं० 1008, जुलाई,
1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुप आइ॰टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

सुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1980

निदेश सं० डो०बी०एम०/19/80-81—अतः मुझे, मुख्देव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 22.10 बीघा है तथा जो
गांव किशनपुरा, सब तहसील, डेरावस्ती, जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्ती
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

24—36GT/81

(1) श्रीमन् अजीत कौर विधवा पति श्री महिन्द्र
मिह पुत्र श्री दलोप मिह, निवासी मकान नं०
1011, सैक्टर, 8-सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्र शाम सुन्दर शर्मा पुत्र श्री केदार नाथ
शर्मा व आदित्य नाथ शर्मा पुत्र श्री शाम सुन्दर
शर्मा निवासी मकान नं० 229, सैक्टर 9-सी०,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवारीहाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आक्षरेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से०
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से०
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 22.10 बीघा गांव किशनपुरा, सब तहसील
डेरा बस्ती, जिला पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्वा बस्ती
के कार्यालय के विलेव संख्या नं० 621 जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

मुख्देव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

दिनांक : 13 मार्च, 1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० ए०ए०ए०/६४/८०-८१—अतः मुझे, सुखदेव
चाहू,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 बीघा 15 बिस्ता है तथा जो
गांव जमरा, सब तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान:-

(1) श्री उजागर सिंह, महिन्द्र सिंह पुत्र श्री अनोख
पिंड, निवासी जमाराली, पोस्ट आफिम मण्ड;
गोविन्दगढ़, (पटियाला)

(अन्तर्गत)

(2) मर्वश्री नछत्तर सिंह, करनेल सिंह, पुत्र श्री बाबू
बलविन्दर सिंह, गुरदीप सिंह, पुत्र मलकीयत सिंह
राजिन्द्र सिंह, तिमल सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह
निवासी कुल्ह मालरा, पोस्ट आफिम, गोविन्द
गढ़।

(अन्तिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

भूमि अंतर्कान 6 बीघा 15 बिस्ता, गांव जमरां, तहसील
अमलोह।

(आयदात जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1107, जुलाई, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
मन्त्रम प्राधिकारी
महायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

दिनांक: 13 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुप आइ.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० पीटा.ए०/४ ए०/८०ब१—अतः मुझे, सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसको सं० मकान नं० 321/2 है तथा जो घेर सोटीयां,
पटियाला में स्थित (और इससे उपायद्वा अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्हुङ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:—

- (1) श्री अनूप सिंह सैनों पुत्र श्री प्रीतम सिंह सैनी,
निवासी मकान नं० 321/2, घेर सोटीयां, पटियाला
(अन्तरक)
- (2) श्री केशो राम गुप्ता व श्री जान चन्द गुप्ता
निवासी गलों शमशेर सिंह, पटियाला।
(अन्तरित)

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 321/2, घेर सोटीयां, पटियाला।

(ग्रामदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय, में विलेख संख्या नं० 3601, जुलाई 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव अम्ब

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 13 मार्च 1981

मोहर:

प्रश्न प्राइंटी टी० एन० एस० —————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 मार्च 1981

निर्देश सं० स० आ० आ० (नि०)/भी० ए०-०५/एस०
आर० कल्याण/श्रगाम्भ ४०/५१०/४०-८१—अतः मुझे ए० सी०
चन्द्रा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 23,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० स० स० 121 ए 1/2 सी० एस० स०
2337 ए और स० स० 119 सी० 2 सिं० स० नं० 2338-
ए/1 है तथा जो कल्याण गली नं० 34 घर नं० 42(1)
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दुर्यम
निवंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 29-८-१९८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
दिश्वाप करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरा से दुई किसी वार की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के प्रमु-
ख्य में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए
की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों
मध्यतः ।—

(1) श्री सोताराम एस० मानधने और
2. श्री पल्लवी एन्टरप्राइजेस,
कल्याण, जि० ठाणे।

(अन्तरक)

(2) श्री विधायक एन० जोशी, सचिव, मैसर्स पल्लवी
सहकारी ग्रहरघना संस्था मर्यादित, कल्याण,
आग्रा रोड, पल्लवी सहकारी ग्रहरघना संस्था मर्यादित
जिला ठाणे।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरंगदर्शी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पृष्ठा शब्दों द्वारा पर्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह और मकान जो कसबे कल्याण तारीख
कल्याण जिला ठाणे, स० स० 121 ए 1/2 न० स० स०
2337 ए वर्ग मीटर, 16.72 और स० स० 119 सी०
2 न० स० 2338 ए/1 वर्ग मी० 610.28 गली
संख्या 34, मकान नं० 42(1) में स्थित है।

(जहां कि रजिस्ट्रीकर विलेख क्रमांक 901 जो 29-
29-८-८० को दुर्यम निवंधक कल्याण के दफ्तर में पंजीकृत
किया गया है।)

ए० सी० चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 25-३-१९८१

मोहर:

कर्मचारी चयन आयोग

विज्ञाप्ति

ग्रेड ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा

1981

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1981

संख्या 3/5/81—समन्वय-आई.—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग की प्रबल सूची, भारतीय विदेश सेवा (स) के सब-काउर के आशुलिपिकों की श्रेणी 2, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक संवा के ग्रेड ग और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक संवा की श्रेणी 'ग' में वृद्धि करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 6.8.81 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश में स्थित कड़ छाने भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन गृह मंत्रालय में कार्यक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के 25.4.81 के भारतीय राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार होगा।

आयोग अपने निर्णय से उपर्युक्त परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जायेगा कि उन्हें कहाँ, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के आधार पर उपर दी गई सेवाओं में नियुक्तियों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है:-

- (1) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ग' -----
- (2) भारतीय विदेश सेवा (स) के सब काउर के आशुलिपिक ग्रेड-2-----
- (3) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग-----; और
- (4) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' -----

*बाद में निश्चित की जायेगी,

इन रिक्तियों के सम्बन्ध में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित आरक्षण किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, (उ.क्ष.) लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 23-5-81 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रुपये का मूल्य का पोस्टर आडर जो कर्मचारी चयन आयोग को देय है और 'केवल प्राप्त कर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हैं, डाक द्वारा भेज कर भी 23-5-81 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्रों पर परीक्षा का नाम "ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1981" स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आडर के साथ, उम्मीदवार को मोटे अक्षरों में अपने नाम तथा पते की दो पर्चियां भी भेजनी चाहिए। एक रुपये का पोस्टल आडर और उपर्युक्त दो पर्चियों की प्राप्ति पर आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण

विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत—Post certificate posting) उम्मीदवार को भेज दिये जायेंगे। पोस्टल आडर के स्थान पर मनीआडर तथा चैक या कर्टेसी नोट स्पीकार नहीं किए जायेंगे। एक रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापिस नहीं की जाएगी।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र के मूल्य के भारतीय पोस्टल आडर भेजने चाहिए अथवा एक रुपये की राशि, भारतीय उच्च आयुक्त/राजदूत/प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उक्त राशि को लेखा शीर्ष, "051-लोक सेवा आयोग—कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्तियां—आवेदन प्रपत्रों की बिक्री" (वैतन और लेखा अधिकारी कार्यक्रम तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा करने को कहे तथा उस कार्यालय से टी.आर. 5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त कर ले तथा उसे आयोग को भेज दें। पोस्टल आडर/रसीद के साथ उम्मीदवार को नाम तथा पते की मोटे अक्षरों में दो पर्चियां भी भेजनी चाहिए।

टिप्पणी:- आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 23-5-81 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जायेगी। विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 6-6-81 तक भी स्वीकार कर ली जायंगी।

4. भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, (उ.क्ष.) लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, के पास 23-5-81 को या उसके पूर्व, अन्वय में दी गई हिदायतों के अनुसार अवश्य पहुंच चाना चाहिए। निश्चित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायगा।

विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में 23-5-81 से पूर्व रहने वालों के आवेदन पत्र 6-6-81 तक भी ने लिए जायेंगे।

टिप्पणी-1:- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें अपने आवेदन ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित मूल्य प्रपत्र पहुंच ही प्रस्तुत करने चाहिए। ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर प्रस्तुत किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। "केवल शासकीय प्रयोग के लिए" चिन्हित प्रपत्रों पर भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

टिप्पणी-2:- आवेदन-पत्र की सांग से दोरी अथवा आवेदन-पत्र दोर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवार की ही होगी।

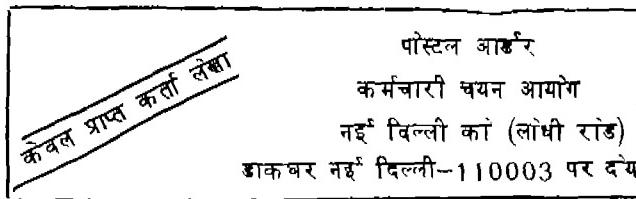
टिप्पणी-3:- जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर देवें, उन्हें उस लिपिक में जो आवेदन-पत्र प्राप्त करने जायेंगा, उसी समय पावती पत्र ले लेना चाहिए।

5. (1) **निर्धारित इक्स्ट्रा:**—नीचे के उप-पैरों (3) और (5) में आने वाले उम्मीदवारों के अतिरिक्त परीक्षा में प्रवेश के

इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन-पत्र के साथ आयोग को निम्नलिखित फीस देनी होगी:-

12.00 रुपये (3.00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जाति तथा आदित्र जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में)।

(2) पैरा 5(1) में दी गई फीस का भुगतान रैखिक भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा होना चाहिए जो कर्मचारी चयन आयोग को देय हो। यह भुगतान बैंक ड्रॉफ्ट, जो केवल स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली स्थित शास्त्र द्वारा कर्मचारी चयन आयोग को देय हो, तथा कम से कम छः मास के लिए बंध हो, के द्वारा भी किया जा सकता है। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा जाना चाहिए:-



आयोग फीस का भुगतान मनीआर्डर, चेक या करेंसी नोटों द्वारा स्वीकार नहीं करेगा।

(3) आयोग स्वेच्छा से निर्धारित फीस से मुक्त कर सकता है जबकि उसे इस बात की सन्तुष्टि हो जाए कि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है। अथवा बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात भारत में आया है और निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है।

(4) उम्मीदवार को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रैखिक किए बिना अथवा कर्मचारी चयन आयोग, लोधी रोड डाकघर, नई दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के स्तम्भ-2 में पोस्टल आर्डर के पूर्व ब्यारे भर देने चाहिए।

जिस आवेदन पत्र के साथ निर्धारित फीस का रैखिक भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रॉफ्ट नहीं होगा उसे सरसरी तौर पर देखकर ही अस्वीकृत कर दिया जाएगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को या इसके बाद (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा उसके पश्चात भारत में आए हैं और फीस न क्षे त सकते की स्थिति में होने के कारण उपर के पैरा 5(3) के अनुसार निर्धारित फीस से छूट चाहते हैं।

(5) भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई शुल्क नहीं होगा।

6. आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से सम्बद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। फीस वापिस तभी की जायेगी जबकि परीक्षा निरस्त हो जाएगी।

यदि उम्मीदवार को, उसका आवेदन-पत्र दरेर से पहुंचने के कारण आयोग द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट न किया गया, तो उम्मीदवार का आवेदन-पत्र उसके पोस्टल आर्डरों सहित उसे वापिस भेज दिया जायेगा।

7. आवेदन-पत्र के विषय में पत्र व्यवहार क्षेत्रीय निदेशक कर्मचारी चयन आयोग, (उ.क्षे.) लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल लान मार्किट, नई दिल्ली, 110003, को सम्बोधित करने चाहिए तथा निम्नलिखित विवरण देने चाहिए:-

- (1) परीक्षा का नाम,
- (2) परीक्षा का महीना तथा वर्ष,
- (3) रांग नं. या जन्म तिथि (यदि उम्मीदवार को रांग नं. न भेजा गया हो),
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में), तथा
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया ढाक पता।

इन विवरणों में रहित पत्राचार पर जीधू ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में कर्मचारी चयन आयोग के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार सबैव “श्रेणी-ग आशूलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1981” शब्दों का अवश्य प्रयोग करें।

रा. मलिलकार्जुन,
सचिव
कर्मचारी चयन आयोग

अनुबंध

उम्मीदवारों का अनुबंध

1. विज्ञप्ति के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से सम्बद्ध विज्ञप्ति, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग (उ.क्षे.) के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाव भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भरने से पहले उम्मीदवार को विज्ञप्ति के पैरा 1—में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुन हए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विवेश रिक्त भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहां वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी विकल्प केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। आयोग अपने नियम से उसके द्वारा बताए गए सीनों मिशनों में से किसी भी एक में अथवा किसी अन्य मिशन में उसे अपने सर्व परीक्षा देने के लिए कह सकता है।

जो उम्मीदवार विवेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है और नियमों के परिविष्ट के पैरा 3 के अनुसार (2) निबंध और (3) सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र और आशूलिपिक परीक्षा हिन्दी में देना चाहता है, उसे अपने सर्व परीक्षा देने के

एसे मिशन में उपस्थित होने के लिए कहा जा सकता है जहाँ पर ऐसी परीक्षा आयोजन के प्रबन्ध प्राप्त हों।

2. उम्मीदवार को आवेदन पत्र और अपने नाम तथा पते को 6 पर्चियों वाला कागज अपने हाथ से भरना चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, जैसे कि या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग (उ.क्ष.) , लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, लाल मार्किट, नई दिल्ली-110003, को, भजना चाहिए ताकि वह विज्ञप्ति में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

टिप्पणी:—परीक्षा नियमाली के परिविष्ट के पैरा 3 के अनुसार निबंध और मामान्य ज्ञान तथा आश-लिपि की परीक्षा हिन्दी में दर्जे के इच्छुक उम्मीदवार अपना विकल्प आवेदन पत्र के सम्म 6 में स्पष्ट रूप से लिखें। एक बार का विकल्प अन्तिम समझा जाएगा और उक्त सम्म में परिवर्तन करने का कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त सम्म में कोई प्रविष्ट नहीं की गई तो उसका अर्थ यह समझा जाएगा कि उम्मीदवार निर्धारित परीक्षा तथा आश-लिपि की परीक्षा अंतर्जी में दर्जे।

विज्ञप्ति में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष-द्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से यह आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह विजित के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपनी आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भरकर इस आयोग को भेज देंगे।

3. उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भी भूठा व्यौरा न दें और न किसी तथ्य की छिपाएं।

4. (1) उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्न-लिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए:—

(1) निर्धारित शूलक के लिए रेसांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को लाभी रोड डाकघर नई दिल्ली पर देय हों अथवा बैंक ड्रूफट जो केवल स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली स्थित शासा द्वारा कर्मचारी चयन आयोग, को देय हों, तथा कम से कम छ: मास के लिए बैंध हों।

(2) (क) आवेदन पत्र देते समय जहाँ वह काम कर रहा है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम), नागरिकता, अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, छासवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा अंक दोनों में) शैक्षणिक योग्यताएं, तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर को नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-8-1978 से आगे के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित नियुक्त पद तथा मौलिक, स्थानापन, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हआ हो।

(3) उम्मीदवार के आधुनिक कॉटों की पासपोर्ट साइज (तग-भग 5 सं. मी. × 7 सं. मी.) की दो समान प्रतियाँ।

(4) नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित प्रलेख (जहाँ उप-यूक्त हों)।

(2) उपर की मद्दों (1), (2), (3) तथा (4) में दिए गए कागजात आदि का व्यौरा निम्नलिखित है:—

(1) **निर्धारित शूलक के रेसांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रूफट**

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट भूहर रहनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर 'केवल प्राप्तकर्ता लेस' शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएः—'कर्मचारी चयन आयोग को लाभी रोड, डाकघर नई दिल्ली पर देय हों।'

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित शा कटे कटे या काल-तिरोहत पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सब बैंक ड्रूफट कर्मचारी चयन आयोग के नाम में होने चाहिए तथा स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली स्थित शासा द्वारा देय हों।

टिप्पणी:—जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजते समय विदेश

में रह रहे हों वे निर्धारित शूलक की राशि (12.00 रु. के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3.00 रु. के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयतकर्ता राज-धूत या प्रतिनिधि उस देश में जो भी हों—के कायलिय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को लेखा शीर्ष '051—लोक सेवा आयोग—कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्तियाँ—परीक्षा शूलक' (वेतन और लेखा अधिकारी, कार्मिक और प्रशासनिक सूधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-प्रपत्र के साथ भेजें।

(2) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अधिकारी विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम), नागरिकता, अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, छासवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा अंक दोनों में) शैक्षणिक योग्यताएं, तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर को नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-8-1978 से आगे के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित नियुक्त पद तथा मौलिक, स्थानापन, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हआ हो।

टिप्पणी:—आवश्यक होने पर आयोग सेवा पंजिका अथवा अन्य प्रमाणित प्रलेख मांग सकता है।

(3) फोटो की दो प्रतियाँ—उम्मीदवार को अपने आधुनिक फोटों की पासपोर्ट साइज़ (लगभग 5 सें.मी. \times 7 सें.मी.) की दो समान प्रतियाँ जिनमें से एक आवेदन-पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटों की प्रत्येक प्रति पर उम्मर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

(4) शूल्क की छूट और आयु छूट के दावे के पक्ष में नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत धार्यात्मक कागजात को प्रमाणित प्रतिलिपि (जहाँ उपर्युक्त हों), आवेदन-पत्र के साथ आवश्य ही प्रस्तुत करनी चाहिए, अन्यथा फीस मांफी अधिका आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ उपर पैरा 4 के अन्तर्गत कागजात आदि में से कोई एक भी न साथ लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों और उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दे दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बावशीध ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस आयोग के कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कभी भी कोई अशांतिध या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेरबदल करें, और न ही फेरबदल किए गए प्रमाण पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी अशांतिध हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (1) बंगला देश (भूतपर्व प्राची पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्तियों, जो नियम 4(ग) (2) या 4 (ग)(3) के अन्तर्गत आये हुए का इच्छक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी स्थापित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तृत करे कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी 1964 या उसके पश्चात् स्थापित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी 1964 या उसके पश्चात्, परन्तु 25 मार्च, 1971, से पहले भारत में प्रवेश किया है:-

- (1) दौड़कारण्य प्रयोजना के पारगमन केन्द्रों के केन्द्र कभी-डैट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट;
 - (2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मणिस्ट्रोट;
 - (3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से सम्बद्ध अतिरिक्त जिला मणिस्ट्रोट;
 - (4) सम्बन्धित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर; तथा
 - (5) परिचयी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयक्त/ कलकत्ता में निवेशक (पुनर्वास)

यदि वह विज्ञप्ति को पैरा 5(3) के अन्तर्गत शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रभाण-पत्र भी यह दिल्लीने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते हैं की स्थिति में नहीं है। यह प्रभाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(2) बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो विज़पित के पैरा 5(3) के अन्तर्गत फीस माफ़ी और/अथवा नियमों के पैरा 4(g) (4) या 4(g) (5) के अन्तर्गत आधा छूट का इच्छुक है वह श्रीलंका में भारतीय हाई कमीशन से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस में छूट चाहता है तो वह एक मूल-प्रमाण-पत्र जिला अधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(3) बर्मा से प्रत्यावर्तिय मूल भारतीय जो विश्वस्ति के पैरा 5
 (3) के अन्तर्गत फीस की छूट और/अथवा नियमों के पैरा 4(ग)
 (8) या 4(ग)(9) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता है वह रंगून
 में भारतीय दूतावास से मूल परिचय प्रमाण-पत्र की एक प्रमा-
 णित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह विख्याया गया हो कि
 वह एक भारतीय नागरिक है और 1 जून, 1963 को अथवा
 इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहां वह रहता
 है उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित
 प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह विख्याया गया हो कि वह बर्मा
 से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को
 अथवा उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस
 से छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिला अधिकारी,
 सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान
 सभा के सदस्य इसे प्रस्तुत करें जिसमें यह विख्याया गया हो कि
 निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र
 उपर्युक्त दस्तावेज़ से प्रत्यावर्तित वास्तविक व्यक्ति है।

(4) कीर्तिया, उगान्दा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूत-पूर्व तांगानिका तथा जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, जायरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित व्यक्ति जो नियम 4(ग)(6) या (7) के अधीन आये में छूट का दावा करे वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्तित बासविहारी की।

(5) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा मेवाओं में रहते हए विकलांग (अंगहीन) हो गया है और नियम 4(ग)(10) या 4(ग)(11) के अधीन आय में छट्ट चाहे वह महानिदेशक, प्रजाराम प्रतिरक्षा मंत्रालय से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्राप्ताणि प्रतिनिधि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करें जिसमें वह दिखाया गया हो कि वह विक्षेपी शब्द देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हए विकलांग हआ जिसके परिणाम-स्वरूप उसे मक्त कर दिया गया है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रभाण पत्र का फार्म

प्रभाणित किया जाता है कि श्री

यूनिट

रैक नं.

विदेशी देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे मुक्त किया गया।

हस्ताक्षर -----
नाम -----
पदनाम -----
दिनांक -----

*जो नाम न हों उसे काढ दें।

(6) नियम 4(g)(12) अथवा 4(g)(13) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार कों जो सीमा संरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ हैं, महीनदेशक, सीमा संरक्षा दल से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रभाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा संरक्षा दल में कार्य करते हुए, 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रभाण-पत्र का फार्म

प्रभाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैक नं.

श्री

सीमा संरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर -----
नाम -----
पदनाम -----
तारीख -----

7. उम्मीदवारों को उक्त पैरा 6 में लिलित अपने प्रभाण-पत्रों की प्रतियां किसी सरकारी राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित अथवा स्वयं द्वारा प्रभाणित करके, अपने आवेदन-पत्रों के साथ भेजनी हैं।

8. उम्मीदवारों को आहिए कि वे अपने आवेदन-पत्रों के आयोग में प्रस्तुत करने से पूर्व निम्नलिखित क्रमानुसार व्यवस्थित कर लें:—

(1) पोस्टल आडर्स/बैंक अफ़्ट;

(2) फोटो की एक अतिरिक्त प्रति (फोटोग्राफ की दस्ती प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर चिपकानी है);

(3) विधिवत भरा हुआ आवेदन-पत्र;

(4) आवेदन करते समय वह जिस विभाग अथवा कार्यालय में नियक्त हो उसके प्रभान द्वारा अपनी सेवा-पंजिका के प्रथम पृष्ठ की अधिप्रभाणित स्वच्छ प्रति;

25-36GI/81

(5) दादेशा कामे समय जिथे विभाग अथवा कार्यालय में काम कर रहा हो, उसके प्रधान द्वारा दिनांक 1-8-80 को भमात हुए तीव्र दर्शों के दौरान उसकी संवा-विवरणों की अधिप्रभाणित स्वच्छ प्रति;

(6) यह दिलाते हुए कि उम्मीदवार बर्मा, थीलंका, बंगला देश इत्यादि से प्रत्यावर्तित हैं—प्रभाण-पत्र की सत्यापित प्रति;

(7) यदि उम्मीदवार चाहे कि उसके सम्बन्ध में निर्धारित शुल्क साफ कर दिया जाए तो यह दिलाते हुए कि उम्मीदवार फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है—प्रभाण-पत्र;

(8) कोई अन्य प्रभाण-पत्र जो उम्मीदवार भेजना चाहता है।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत करने का यह शहना स्वीकार नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का फार्म ही अम्क तारीख को मिला। वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति से प्राप्तकर्ता परीक्षा में प्रवेश के योग्य नहीं बन जाता।

10. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपना आवेदन-पत्र छाक द्वारा भेजा हो, आवेदन-पत्र जमा करवाने की अन्तिम तारीख से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र का पावती पत्र न मिले तो उसे तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा में प्रविष्ट किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीथ दे दी जाएगी। परन्तु यह बताना संभव नहीं कि सूचना कब भेजी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार को परीक्षा आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में कर्मचारी चयन आयोग से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र आयोग से सम्पर्क करना चाहिए। इस उपबन्ध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जाएगा।

12. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कर्मचारी चयन आयोग से कोई भी गता भत्ता पाने के अधिकारी नहीं होगे।

13. सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध मंस्थान (परीक्षा स्कंध) /अधीनस्थ मंदा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग द्वारा गत-वर्षों में ली गई श्रेणी ग आशीर्वादित सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा के नियमों और प्रश्न पत्रों में संबद्ध पुस्तकालयों की प्रतियोगी की विकी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइनर, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से केवल मेल आडर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, स्टेट एम्पोरिया बिल्डिंग, बाबा लड्डू दिल्ली-110001, और (2) प्रकाशन शाला का विकी काउन्सल, नृपेन्द्र भवन, नृपेन्द्र दिल्ली-110011, और (3) गवर्नर्सेंट आफ हॉस्पिट डिपोर्ट, के.एस. राय मार्ग, कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा दंकर बरीदा जा सकता है। ये पुस्तकालय विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

14. पते में परिवर्तनः—उम्मीदवार को इस बात को व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में लिखित पते पर भेजे गए पत्र आविष्कारक होने पर उसको बदले हुए पते को भेज दिया जाया करे। पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को सूचना मोटे अक्षरों में रोल नम्बर

सहित छः पर्चियों पर लिखित नए पते के साथ विशेषज्ञ के पैरा 7 में उल्लिखित व्यारे के साथ यथाशीध्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एवं परिवर्तन पर ध्यान दने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 31st March 1981

No. F. 6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri B. S. Mehta, Permanent Private Secretary of Delhi High Court as an officiating Private Secretary to Hon'ble Judge in this Registry with effect from the forenoon of March 31, 1981, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Mrs. Vijay Laxmi Kapur, Offg. Stenographer as Offg. P.A. to Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of March 28, 1981 to April 11, 1981 vice Shri Shyam Lal Sharma, granted leave, until further orders.

The 6th April 1981

No. F. 6/81-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri R. D. Sharma, Offg. Stenographer as Offg. Court Master with effect from the forenoon of April 6, 1981 to April 30, 1981 vice Shri I. J. Sachdeva, Offg. Court Master granted leave, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also permitted Mrs. Krishna Bala Sood, Stenographer who is at present Offg. as Private Secretary to Hon'ble Judge upto 30-4-81 in the leave vacancy of Shri P. S. Sharma, Offg. Private Secretary, to continue to officiate as Court Master with effect from May 1, 1981 to May 8, 1981 in the leave vacancy of Shri I. J. Sachdeva, Offg. Court Master until further orders.

NIKO RAM
Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th March 1981

No. A. 32012/1/81-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appointed Shri K. R. P. Nair, a permanent Senior Research Officer of the office of Union Public Service Commission to officiate as Officer on Special Duty (Lang.) in the Commission's office on an *ad hoc* basis for the period from 19-2-1981 to 18-5-1981, or until further orders, whichever is earlier.

P. S. RANA
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 31st March 1981

No. M-83/67-Ad. V.—Consequent upon his permanent absorption in the National Textile Corp. Ltd., with the approval of Department of Personnel & Administrative Reforms vide letter No. 202/68/80-AVD-II dated 12-2-1981, the lien held by Shri M. P. Singh in the post of Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation is hereby terminated with effect from 1-11-1980.

No. N-2/69/AD-V.—In supersession of this Office Notification of even number dated 7-2-81 the President is pleased to extend the service of Sh. N. S. Mathur, Dy. Legal Adviser in the CBI who attained the age of 58 years on 31-1-1981 for a period of 3 months w.e.f. 1-2-1981 to 30-6-1981.

The 4th April 1981

No. S-1771-Ad. V.—The President is pleased to appoint Sh. S. R. Pande, Public Prosecutor, CBI/SPE on promotion as Sr. Public Prosecutor CBI/SPE on *ad hoc* basis for a period of three months with effect from the forenoon of

23-3-1981 or till a regular appointee becomes available, whichever is earlier.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110022, the 31st March 1981

No. F. 11/41/80-Estt(CRPF).—This Directorate General, CRPF Notification of even No. dated 27-1-1981 is hereby cancelled.

No. F. 11/24/80-Estt.(CRPF).—Shri Y. N. Saxena, IPS (UP : 1959), DIGP, CRPF, Hyderabad is appointed to hold additional charge of the post of DIGP, CRPF, Kohima from 5-5-1980 to 12-9-1980 (AN) in terms of the provisions of FR-49(iii).

No. F. 11/41/80-Estt(CRPF).—Shri T. Tripathy, DIGP, CRPF, Ajmer is appointed to hold additional charge of the post of DIGP, CRPF Gauhati w.e.f. 25/7/80 (AN) to 14-9-80.

The 4th April 1981

No. O. II-1572/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Sadanand Kumar as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from 18th March 1981 (FN) subject to his being Medically fit.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 31st March 1981

No. E-16013(1)/1/80-PERS.—On transfer from Durgapur, Shri V. P. KAPUR, IPS (UP : 61) assumed the charge of the post of Dy. Inspector-General (N&W Zone), CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 23rd March, 1981.

The 2nd April 1981

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Durgapur Shri G. D. Rai assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, Haldia Dock Complex, Haldia with effect from the forenoon of 27th January 1981.

No. E-38013(3)/12/80-PERS.—On transfer from Rourkela, Shri S. K. VERMA, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, HEC Ltd, Ranchi with effect from the forenoon of 11th March 1981.

No. E-38013(3)/12/80-PERS.—On transfer to Ranchi, Shri S. K. VERMA relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, RSP Rourkela with effect from the afternoon of 28th February 1981.

No. E-16013(1)/1/80-PERS.—On transfer on deputation, Shri R. K. NIGAM IPS (WB : 1962) assumed the charge of the post of Dy. IG & COS, CISF, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 11-3-81 vice Shri V. P. Kapur, IPS (UP : 1961) who on his transfer to New Delhi relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

Sd. ILLEGIBLE
Director General, CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
New Delhi, the 7th April 1981

No. 10/29/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned officers working in the office as mentioned against them, to the post of Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date(s) as mentioned against their names or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter :—

S. No.	Name of the officer	Designation	Office in which working	Date of appointment
1.	Shri G. C. Mishra . . .	Assistant Director of Census Operations (Technical) (<i>ad-hoc</i>)	Director of Census Operations, Bihar, Patna	24-2-81 (FN)
2.	Shri B. M. Patel . . .	Investigator	Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad	20-2-1981 (FN)
3.	Shri A. G. Oak . . .	Investigator	Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal.	22-2-1981 (FN)

2. The headquarters of S/Shri Mishra, Patel and Oak will be at Patna, Ahmedabad and Bhopal respectively.

3. The appointment, on deputation, of the above-mentioned officials to the posts of Assistant Director (Data Processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 1(1) E. 113/3/1 dated 7-11-1975.

No. 11/15/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri P. Vasudeva, an officer belonging to the Karnataka Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, on a purely temporary and *ad hoc* basis, with effect from the afternoon of the 3rd March, 1981, for a period not exceeding one year or till

the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Vasudeva will be at Hassan.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 14th April 1981

No. D(47)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Vinod Dhavan to officiate as Assistant Manager (Admn.), in the Govt. of India Press, Aligarh in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 24th March, 1981 until further orders.

H. C. SHARMA, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 27th March 1981

No. 7(48)/124.—In continuation of this office Notification No. 7(48)/789 dated 15-4-1980 the *ad hoc* promotion of Shri G. R. Bilgotra as Administrative Officer is hereby extended up to 14-4-1981 or till regular appointment thereto is made, whichever is earlier.

O. P. SHARMA
Project Officer

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
COMMERCE WORKS & MISC. NEW DELHI

New Delhi, the 19th March 1981

No. Admn. I/2(1)/VI/269.—The Director of Audit, CW&M, New Delhi has ordered the promotion of the following Section Officers as temporary Audit Officers on provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the date indicated against each :—

Name & Date from which promoted.

S/Shri

1. G. S. Minhas—17-11-1980 (FN)
2. K. N. Ramamurthy—31-12-1980 (FN)
3. K. S. Nirwan—31-12-1980 (FN)
4. H. L. Talwar—15-1-1981 (FN)
5. M. K. Bhattacharya—7-1-1981 (FN)
6. M. L. Lamba—26-2-1981 (FN)

A. THAPAN
Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 4th April 1981

No. Admn. I/8-132/80-81/5.—The Accountant General Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri A. Narayana Rao I, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 25-3-1981 (AN) until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors and is also subject to the result of writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn. I/8-132/80-81/5.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri Ch. V. Cholapathi, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 25-3-1981 (AN) until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

Sd./ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 1st April 1981

No. Admn. I/PF-JKA/581.—Shri J. K. A. Choudhary (01/0066) a permanent Accounts Officer is retired from Government Service with effect from 31-3-1981 (afternoon) on attaining the age of superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 30th March 1981

No. 14/81/G.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Munni Lal, Offg. Deputy Manager (Permit. & Subst. Assistant Manager) with effect from 26th June, 1979.

V. K. MEHTA
Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 31st March 1981

IMPORT AND EXPORT CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1161/76-Admn(G)/2172.—The President is pleased to appoint Shri Mahendra Prasad Singh, an officer of the Uttar Pradesh (Civil) Judicial Service, and Deputy Legal Adviser in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi as Legal Adviser in the same office on *ad hoc* basis for a further period of one year with effect from 15th November, 1980 to 14th November, 1981 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

MANI NARAYAN SWAMI
Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 10th April 1981

CORRIGENDA

No. CLBI/4/12-B/1980/Vol. VIII/411.—In this Office notification No. CER/3/80 dated the 23rd Dec. 1980, published in the Gazette of India Part III-Sec. I on page 671, weekending January 17, 1981, the Corrections occurring therein are rectified as under:—

In 2nd line of 1st para:—

for 'controller' read 'control'

In 4th line of 2nd para:—

for 'IID' read 'TID'

M. M. GANDHI
Assistant Director

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 30th March 1981

No. 12/97/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. N. Ghosh, Director (Gr. I) (Electrical) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Industrial Adviser (Ancillary) in the same office with effect from the forenoon of 18th March, 1981 until further orders.

The 3rd April 1981

No. A-19018(475)/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Asim Kumar Sankar as Assistant Director (Gr. I) (Industrial Management & Training) at

Small Industries Service Institute, Patna with effect from the forenoon of 11th March, 1981, until further orders.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 1st April 1981

No. A-1/1(291).—Shri S. K. Roy, permanent Director of Supplies and officiating as Deputy Director General in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1981 on attaining the age of superannuation.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 31st March 1981

No. A-1/1(1168).—The President is pleased to appoint Shri Yogendra Kumar, a candidate nominated by the Union Public Service Commission on the results of the Engineering Services Examination, 1979, on probation for a period of two years in Grade III of Indian Supply Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 2nd March, 1981 and until further orders.

2. Shri Yogendra Kumar assumed charge of the post of Asstt. Director (Grade I) (Trainee) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 2nd March, 1981.

The 1st April 1981

No. A-1/1(1165).—The President is pleased to appoint Shri Vinod Kumar Bhasin, a candidate recommended by the Union Public Service Commission, on probation for two years to the post of Assistant Director (Sales Tax) (Grade I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 11th March, 1981 and until further orders.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES

DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 4th April 1981

No. EI-2(3)/75.—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Deb Prasad Roy, Superintendent on promotion to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this Office w.e.f. 1-4-1981 (F.N.).

S. N. BISWAS
Joint Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 31st March 1981

No. 1754B/A-19012C3-AKG)/80-19B.—Dr. Anindya Kumar Gupta is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27-1-1981 until further orders.

No. 1780B/A-19012(3-VNP)/80-19B.—Shri V. N. Pracheta, STA(Chem.) is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a

temporary capacity with effect from the forenoon of the 28-1-81 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

NEWS SERVICES DIVISION : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th January 1981

No. 21(T-41)/79-S (Part-II).—In accordance with para 3 of this office order No. 1(10)77-S dated 23-6-1977, I, Shri B. N. Srivastava, Deputy Director of Administration, News Services Division, All India Radio, New Delhi hereby give one month's notice of termination of service of Shri Mangey Lal, Motor Driver from today the 15th December, 1980. On the expiry of this notice his service stands terminated w.e.f. the afternoon of 14th January, 1981.

He should deposit all Govt. articles in his possession to the office on or before 14-1-1981.

B. N. SRIVASTAVA
Deputy Director of Administration
for Director of News Services, AIR

Shri Mangey Lal,
Motor Driver,
NSD : AIR : New Delhi

Home Address :
5 A Gali No. 9
H. No. 11038,
WEA Satnagar, Karol Bagh,
New Delhi-110005

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi, the 3rd April 1981

No. A. 12025/2/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Madhusudan Kushary as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28th March, 1981, until further orders.

No. A. 12034/7/81-Est.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri G. R. Verma, Section Officer of this Directorate retired from Government service on the afternoon of 31st March, 1981.

The 6th April 1981

No. A. 12026/21/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri U. C. Satyawadi, Accounts Officer of the office of the Chief Controller of Accounts, Ministry of Finance (Department of Expenditure), as Accounts Officer in the Directorate of Advertising & Visual Publicity on deputation terms with effect from the forenoon of 1st April 1981, until further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st March 1981

No. A. 19019/25/80-Admn. I.—Consequent on her proceeding on foreign assignment with the Government of Iraq, Dr. (Smt.) Daya V. Sangal, relinquished charge of the post of Lecturer in Dentistry at Lady Hardinge Medical College & Smt. Sucheta Kriplani Hospital, New Delhi on the afternoon of 23rd February, 1981.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration (E)
Directorate General of Health Services

New Delhi, the 4th April 1981

No. A. 19018/23/80-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mrs. Raj Rani

Grover to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 9-3-1981.

No. A. 19018/26/80-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mrs. Raj Luxmi Raheja to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 9-3-1981.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. I (CGHS)

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-85, the 27th March 1981

No. PA/76(2)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri T. K. Ramamurthy, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on *ad hoc* basis for the period from December 29, 1980 (F.N.) to February 6, 1981 (AN).

The 30th March 1981

No. PA/19(1)/80-R-IV(II).—On relief from the office of the Executive Engineer (Electrical), Indore Central Electrical Division, Central Public Works Department, Indore, Shri L. S. Narvekar, quasi-permanent Junior Engineer (Electrical) has assumed charge of the post of Scientific Officer/Engineer Gr. SB in Technical Services Division of BARC in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 17, 1981 until further orders. Appointment of Shri Narvekar in BARC has the approval of Director, BARC.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 1st April 1981

No. RAPP/Rectt./7(9)/81/S/3.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri G. S. Rathore, a permanent Lower Division Clerk of Central Pool of Power Projects Engineering Division and Officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 10-3-1981 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

Anushakti-323303, the 31st March 1981

No. RAPP/04627/1(413)/81/S/Admn/632.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation Shri L. J. Taylor, a permanent Foreman in Bhabha Atomic Research Centre and officiating as Scientific Officer/Engineer Grade SB in this Project relinquished charge of his post on March 31, 1981 (afternoon).

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 2nd April 1981

No. AMD-1/38/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Arun Kumar Singh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 2, 1981 until further orders.

The 3rd April 1981

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri

Rajan Babu Jain as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 24, 1981 until further orders.

The 6th April 1981

No. AMD-1/38/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Devendra Pal Singh Rathore as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1981 until further orders.

No. AMD-1/38/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. Premadas as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1981 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 2nd April 1981

No. 05052/81/1529.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vasant Krishna Mahagaonkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer, w.e.f. March 7, 1981 (FN) in the same office, in a temporary capacity until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 18th March 1981

No. A. 32014/2/81/3153.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the under mentioned officials of this Centre as temporary Scientific Officers/Engineers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from February 1, 1981 until further orders :—

Sl. No. Name and Present Status

1. Shri K. K. Bhaskaran—Permanent SA/B and Officiating SA/C.
2. Shri P. V. Thomas—QP SA/B and Officiating SA/C.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th March 1981

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri Harsaran Singh, Aerodrome Officer, Delhi Airport, Palam, retired from Government Service on the 30th November, 1980 (AN) on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri Kavi Lal Singh, Air Safety Officer, Office of the Director General of Civil Aviation, retired from Government service on the 28th February, 1981 (AN) on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 3rd April 1981

No. A.32013/11/79-FC.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Seshadri, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from 17-2-81 (FN) and to post him in the same office.

No. A.32013/3/80-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/3/80-EC, dated 16th October 1980, the President is pleased to sanction the continuance of *ad-hoc* appointment of the following two officers in the grade of Communication Officer for a further period upto 31st March 1981 beyond the dates mentioned against each or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Present Station of posting	Beyond the date
1.	Shri S.R. Sethi	Aero. Comm. Station Nagpur	30-9-80
2.	Shri V.N. Iyer	Aero. Comm. Station, Madras	30-9-80

2. The President is also pleased to sanction the continuance of *ad-hoc* appointment of Shri M. P. K. Pillai, Assistant Communication Officer to the grade of Communication Officer A.C.S. Bangalore beyond 30th September 1980 and upto 30th November 1980 (AN), the date when he retired from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.38015/21/80-EC.—Shri D. S. Shrivastava, Technical Officer in the office of the Aeronautical Communication Station, Palam relinquished charge of office on retirement on 31st July 1980 under the provisions of F.R. 56(k).

The 6th April 1981

No. A.32013/1/80-ES.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/1/80-ES, dated 25th August 1980, the President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of S/Shri L. N. Lall and M. L. Nagar in the grade of Assistant Director of Air Safety/St. Air Safety Officer (Engg.) beyond 9th December 1980 and upto 31st May 1981 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

V. JAYACHANDRAN
Asstt. Director of Administration

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 4th April 1981

No. II(7)2-ET/79/2929.—The following Confirmed/ Officiating Superintendent, Group 'B' of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each :—

S. No.	Name of Officer	Designation	Date of supera-nnuation
1	2	3	4
<i>S/Shri</i>			
1.	A. K. Ganguli	Superintend, Group 'B'	30-9-80 (A.N.)
2.	Ahmad Basir	Superintendent, Group 'B'	30-11-80 (A.N.)
3.	Nathun Pandey	Superintendent, Group 'B'	31-12-80 (A.N.)
4.	Jawala Pd. Singh	Superintendent, Group 'B'	31-1-81 (A.N.)
5.	U. S. Dubey	Superintendent, Group 'B'	31-1-81 (A.N.)
6.	C. M. Saffiullah	Superintendent, Group 'B'	31-1-81 (A.N.)
7.	Md. E. Haque	Superintendent, Group 'B'	31-1-81
8.	C. S. Jha	Superintendent, Group 'B'	(A.N.)

1	2	3	4
9.	Ram Janam Mishra	Superintendent, Group 'B'	31-1-81 (A.N.)
10.	Babuaji Jha	Superintendent, Group 'B'	28-2-81 (A.N.)
11.	C. S. Sinha	Superintendent, Group 'B'	28-2-81 (A.N.)

SURJIT SINGH
Collector
Central Excise, Patna

**MJNISTRY OF ENERGY
DEPARTMENT OF COAL
COAL MINES WELFARE ORGANISATION**

Dhanbad, the 1st April 1981

S.O. No. B.8(2)/75.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints the General Manager, Area VI, Ukhra Area, P.O. Ukhra, Dist. Burdwan, Addl. Chief Engineer (Civil), Eastern Coalfields Ltd., Sanctoria, P.O. Disergarh, Burdwan, General Manager, Area No. XII, P.O. Barakar, Dist. Burdwan and Chief Engineer, Public Health Engineering Directorate, Government of West Bengal, Calcutta, as persons nominated by the Department of Coal, Ministry of Energy, New Delhi and by the Government of West Bengal, Public Health Engineering Directorate, to be members representing the Employers and Co-opted member on the West Bengal Coalfield Sub-Committee constituted with this office Notification No. P.8(6)/75, dated 13th February 1973 and subsequent amendments made therein vice Sub-Area Manager, Bharat Coking Coal Ltd., Chanch Group, P.O. Barakar, Burdwan, Shri N. Mitra, Shri Asha Singh of C.H.A. Ltd. and Dr. G. C. Sen and further makes the following amendment in the said notification namely:—

2. In the said Notification Under Column 1 against Serial Numbers 4, 5, 6 and 10 and for the entries "The Sub-Area Manager, Bharat Coking Coal Ltd., Chanch Victoria Group, Shri N. R. Mitra, Shri Asha Singh and Dr. G. C. Sen", "General Manager, Area VI, Ukhra Area, Addl. Chief Engineer (Civil), Eastern Coalfields Ltd., Sanctoria, General Manager, Area No. XII, P.O. Barakar, Burdwan, Chief Engineer, Public Health Engineering Directorate, Government of West Bengal, Calcutta" shall be substituted.

S.O.P. 8(5)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints the Dy. Labour Commissioner, Bokaro Steel City, Bokaro, (ii) Addl. Chief Engineer (C), Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad, (iii) Personnel Manager (Legal), Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad and (iv) General Manager, Area No. VIII, Eastern Coalfields Ltd., P.O. Mugma, Dist. Dhanbad as persons nominated by the State Government of Bihar and Department of Coal, Ministry of Energy, New Delhi as members of the Jharia & Mugma Coalfield Sub-Committee constituted in this office Notification No. P.8(5)/67 dated 28th November 1973 vice Dy. Commissioner of Labour (Welfare), Bihar, Patna, and S/Shri T. Ghosh and S. N. Basu, Bharat Coking Coal Ltd., and the General Manager, Area No. VIII, Eastern Coalfields Ltd., Mugma and further makes the following amendment in the said Notification namely:—

In the said Notification under Column 1 against Serial Numbers 2, 4, 5 & 6 for the entries "The Dy. Commissioner of Labour (Welfare), Bihar, Patna, the General Manager, Area No. VIII, Eastern Coalfields Ltd., Mugma, S/Shri T. Ghosh and S. N. Basu, Bharat Coking Coal Ltd." the words "the Dy. Labour Commissioner, Bokaro Steel City, Addl. Chief Engineer (C), Bharat Coking Coal Ltd., Personnel Manager (Legal), Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad and the General Manager, Area No. VIII, Eastern Coalfields Ltd., Mugma" shall be substituted.

D. PANDA
Commissioner
Coal Mines Welfare Organisation

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 1st April 1981

No. A-19012/908/81-E-V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grades of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Eng.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

Sl. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE	Where posted
1.	S/Shri C. S. Seshadri Supervisor	10-11-1980 (AN)	Jagdalpur Gauging Sub-division, Jagdalpur.
2.	V. A. Sathiarajan Design Assistant	22-12-1980 (AN)	(R.D. (JRC) Investigation Circle, New Delhi.
3.	P. Prabhakaran Supervisor	25-1-1981 (FN)	M.O.T. Sub-division CWC, Kolhapur under Poona Gauging division, Poona.
4.	O. P. Singh Supervisor	2-2-1981 (FN)	W.R. & F.F. Sub-division, Varanasi.
5.	M. K. Nair Supervisor	10-3-1981 (FN)	P&P Directorate Sewa Bhawan.
6.	M. K. Dhar Supervisor	13-3-1981 (FN)	Irrigation Directorate, Sewa Bhawan.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.,
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st April 1981

No. 27-S/M(6)/70-EC.II.—The President is pleased to accept the notice dated 1st October 1980 given by Shri K. K. Mohan Babu, Superintending Engineer, C.P.W.D., to retire voluntarily from service with effect from the date of issue of this notification.

JAGDISH PARSHAD
Dy. Director of Admn.
for Director General of Works

New Delhi, the 1st April 1981

No. 33/1/78-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Meshram a nominee of the Union Public Service Commission against the temporary post of Deputy Architect (C.C.S. Group A) in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 20th March 1981 (AN) on the usual terms and conditions. His pay will be refixed accordingly to rules shortly.

Shri Meshram is placed on probation for a period of two years with effect from 20th March 1981 (AN).

MRS. NEENA GARG
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and
M/s. Abu Road Railway Co-operative Association Ltd.
(In Liquidation)*

Jaipur-6, the 6th April 1981

No. Lqn/22.—Whereas M/s. Abu Road Railway Co-operative Association Limited, (In Lqn.) having its registered office at Abu Road (Rajasthan).

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the Liquidator's statement of account required to be made by Liquidator has not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of provisions of Sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notices hereby given that on expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Abu-Road Railway Co-operative Association Ltd. (In Lqn.) unless cause is shown to contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

S. P. DIXIT
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Shahjahanpur Sugar Pvt. Limited*

Kanpur, the 30th March 1981

No. 5552/3718 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Shahjahanpur Sugar Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

V. P. KAPOOR
Registrar of Companies, U.P., Kanpur

26—36GT/81

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
S.A. Misri & Company Private Limited*

Bombay, the 30th March 1981

No. 1359/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. S. A. Misri & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Shamrock Products Private Limited*

Bombay-2, the 30th March 1981

No. 469-5472/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Shamrock Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Beeta Chem Private Limited*

Bombay-2, the 30th March 1981

No. 617-12141/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Beeta Chem Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Swastik Properties Private Limited*

Bombay-2, the 2nd April 1981

No. 15302/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Universal Nuts and Bolts Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Universal Nuts and Bolts Private Limited*

Bombay-2, the 2nd April 1981

No. 15458/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Universal Nuts and Bolts Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Handy Angle (India) Private Limited*

Bombay-2, the 4th April 1981

No. 605/12298/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Handy Angle (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the Matter of the Companies Act, 1956 and of
Baruipore Kachari Bazar Private Limited*

Calcutta, the 31st March 1981

No. 28071/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Baruipore Kachari Bazar Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Hable Construction Private Limited*

Calcutta, the 31st March 1981

No. 31437/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hable Construction Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. B. BISWAS
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX
(CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 31st March 1981

ORDER

Establishment—Central Services-Group 'B'—Gazetted Income-tax Officer—Promotion Transfer and Posting of—

No. 144.—The following Inspector of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from his taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointment have been made in excess of the vacancies available. His service, on promotion is placed at the disposal of the Commissioner of Income-tax indicated against him :—

Sl. No., Name of the official and Services placed at the disposal of C.I.T.

1. Shri M. L. Keral, Mainpuri—AGRA.

The Commissioner of Income-tax, Agra will please issue his posting order.

B. GUPTA
Commissioner of Income-tax
(Cadre Control Authority) Kanpur

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th March 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR. Kalyan/Aug. 80/510/80-81—
 Whereas I, SHRI A. C. CHANDRA,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 21A 1/2—C. S. No. 2337A & S. No. 119 C/2
 C.S. No. 2338 A/1 situated at Ali No. 34 N. No. 42(1)
 Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer
 at Kalyan Dist. Thane 29-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of :—

(1) 1. Shri Sitaram S. Mandhane &
 2. Shri Pallavi Enterprises
 At Kalyan;
 Distt. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Vina yak N. Joshi
 Secretary
 M/s Pallavi Co-op. Housing Society Ltd.
 At Kalyan
 Agra Road
 Pallavi Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
 Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Kasbe Kalyan Tal. Kalyan (1) Out of S. No.
 121A 1/2—C.S. No. 2337A area 16.72 sq. mts. (2) Out
 of S. No. 119C/2—C.S. No. 2338A/1 area 610.28 sq. mts. Ali
 No. 34 H. No. 42 (1) with a building thereon Dist. Thane,

(Property as described in the sale-deed register under document
 No. 90 dt. 29-8-1980 in the office of the Sub-Registrar
 Kalyan).

A. C. CHANDRA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Poona

Date : 25-3-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BLDGS.,
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016
Cochin-682016, the 19th March 1981

No. R.E.F. L. C 499/80-81—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy No. at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 28-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Narayana Iyer,
S/o. Appukrishna Iyer,
Bhagavan Nivas,
Ganesh Kingway,
Pune. (Maharashtra State).
By Agent Sri Ramamurthy,
S/o. Krishnapadigal.
Retd. Stenographer,
38/548, Near M. G. Road,
Karithala, Ernakulam Village.

(Transferors)

(2) Sri P. M. Mathew
S/o. Parayanthara Mathappan,
Tailor,
Ponnurunni Desom,
Poonithura Village,
Kanayannur Taluk,
Ernakulam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3. 85 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 2562/80 dated 28-7-1980.

V. HOHNLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 19-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Uday Ratan Banerjee

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh Kumar Chaubey

(Transferee)

(3) Above transferee and

Shri Narain Das (Tenant)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1981

G.I.R. No. K-96/Acq—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. D-39/1-4 and D-39/1-5 situated at Mohalla-Kodai-Ki-Chowki, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. D-39/1-4 and D-39/1-5 situated at Mohalla-Kodai-Ki-Chowki, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 12142, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 29-11-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date 10-2-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 23rd March 1981

No. G.I.R. No. S-201/Acq.—Whereas J. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th part of plot Nos. 403 to 407 situated at Mauza-Uttar Dhauna, Distt. Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 9-9-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Devi Vaid
W/o. Shri Jugal Kishore Vaid
R/o. Industrial Area,
Aishbagh, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Bora,
W/o Shri Devi Prasad Bora,
R/o. House No. M-1/52,
Aliganj Scheme,
Lucknow.

(Transferee)

(3) Above seller
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th part of plot Nos. 403 to 407, measuring 5 Bigha 13 Biswa and 16 Biswansi, situated at Mauza-Uttar Dhauna, District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5605/81 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 9-9-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date : 23-3-1981.

Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Ila Debi

(Transferor)

2. Shri Srikanta Mallick

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Calcutta, the 19th March 1981

Ref. No AC-82/R-II/Cal/80-81—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-191/1, situated at Block 'B', Bangur Avenue, Calcutta-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, on 16-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 10-chittaks & 14-sq. ft. at Krishnapur, C.S. Plot No. 2524 & 2525. Premises No. 191/1, Block-B, Bangur Avenue, Calcutta, more particularly described as per Deed No. 4215 of 1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
of Income Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd. (2nd floor),
Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-3-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQ. R.-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1981

Ref. No. 890/Acq. R-III/80-81—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 102 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (S.E. Flat)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Lake Apartment Co-operative housing Society Ltd.
(Transferor)

2. Mr. K.K. Banerjee
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Flat on 12th floor, South East Flat, being premises No. at 102 Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
4 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 21-3-1981

Seal :

FORM ITNS

1. Lake Apartment Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

2. A. G. Krishnan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQ. R.-III, CALCUTTA
Calcutta, the 21th March 1981

Ref. No. 891/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 102 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (N. E. Flat)
(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat on 11th floor, North East Flat, being premises No. at 102 Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 21-3-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—36GI/81

FORM ITNS—

1. Lake Apartment Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)
2. Mrs. Madhusraba Das Gupta
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
Calcutta, the 21st March 1981

Ref. No. 892/Acq. R-III/80-81—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (M.W. Flat) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on 10th floor, Middle West Flat, being premises No. at 102, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70016.

Date : 21-3-1981.

Seals :

FORM ITNS

- (1) Om Prokash Mull. (Transferor)
(2) M/s. Wind Cliff Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th March 1981

Ref. No. AC-84/R-II/Cal/80-81—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 K. situated at Alipore Avenue, P. S. Alipore, Calcutta-
27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta; on 25-7-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring—8 K 14ch. 20 sq. ft. at 2 K Alipore Avenue, P.S. Alipore, Calcutta. More particularly described in deed No. 4449 dt. 25-7-80 of R. A. Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. SINHA
Competent Authority

Date : 27-3-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th March 1981

Cr. No. 62/27801/80-81/Acq./B.—Whereas I, R.

THOTHATHRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 1053/1, T. S. No. 435/3, and now 435/1 and Door No. 16-180 situated at Attawar Village, Balmatta Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City Document No. 484/80-81 on 18-7-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bonaventure
S/o. Jerome D'Souza,
"Mangala", 12,
1st floor, Wilson Garden,
Lakkasandra,
Bangalore-30.

(Transferor)

(2) Shri M. Mohammed Hussain,
S/o M. Ismail,
"Kalpana", Balmatta,
Mangalore-2.

(Transferee)

(3) Transferor.

[Person(s) In occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 484/80-81 Dated 18-7-1980.]

All that property bearing R. S. No. 1053/1 and T. S. No. 435/3 and now 435/1 situated in Attawar Village, Mangalore Town along with house bearing old No. 16-180 Bounded by

On North—Sy. No. 434
On South—Lane
On East—Sy. No. 436
On West—435 1

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 11-3-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th March 1981

C. R. No. 62/27552 /80-81/ACQ/B.—Whereas I, R.

THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/1, situated at Kensington Road, Civil Station, B'llore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar B'llore, Doc. No. 1163/80-81 on 4-7-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Andal S.
D/o, Sri V. Arunachala Mudaliar,
No. 6,
Brunton Road,
Civil Station,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Master D. Naveen,
minor by guardian Mother
Smt. D. Radhika,
No. 43/28,
Promanade Road,
B'llore-42.

(Transferees)

(3) M/s. Siemens India Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1163/80-81 Dated 4-7-81].

Portion of the premises bearing No. 2/1, consisting of Ground Floor & Ist Floor, measuring a site area of 566.00 Sq. metres situated at Kensington Road, Civil Station, Divn. No. 53, B'llore.

Bounded on : East by Kensington Road,
West by Remaining portion of property
No. 2/1,
North by Private property
South by Do.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001**
Patna-800 001, the 11th March 1981

Ref. No. III-468/Acq/80-81.—Whereas I, H. NARAIN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5601 Khata No. 726 Khesara No. 984 situated at Mainpura, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 18-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1 Shri Kuldeep Rai
S/o Ram Khelawan Rai Self and on behalf of minor
Dina Nath Rai,

2 Shri Gopal Rai
S/o Ram Khelawan Rai,
self and on behalf of
Shri Jai Ram Lala Rai.

3 Shri Chandradeep Rai
son of Shri Ram Khelawan Rai self and on behalf of
Shri Sunil Rai.

4 Bijoy Rai
S/o Shri Gopal Rai

5 Ram Khelawan Rai
S/o Kewal Raut

All resident of Mainpura, P. S. Patliputra, P. O.
G.P.O. Dist. Patna

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Sinha
W/o Shri Bhubneshwar Prasad Sinha,
Village Chainpur Baghel,
Post Mahdei P. S. Delhi,
District Vaishali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kathas at Mouja Mainpura, P. S. Patliputra District Patna more fully described in deed No. 5540 dated 18-7-80 registered with the D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 11-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001
Patna-800 001 the 11th March 1981

Ref. No. III-649 /Acq/80-81.—Whereas I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey Plot No. 725, Ward No. 33 Circle No. 244, Khata No. 66, Touzi No. 5453 Thana No. 3 situated at Rajapur Hassan, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Akhileshwari Prasad Singh alias Akhileshwar Pd. Singh
S/o Late Mahabir Prasad Singh,
Village-Lakhangchand,
P. S. Mokama,
Dist. Patna
A/P. Village Danara,
P. O. & P. S. Bikram,
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Rastogi
W/o Sri Nihalchand Rastogi,
(Present) Sri Nihalchand Rastogi
S/o Late Babu Ragholal of Mohalla Chowk Bazar,
Biharsarif,
Thana Bihar,
Dist. Nalanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas 18 dhurs at Mauza Rajapur Hassan Thana No. 3 Tauzi No. 5453 Khata No. 66, Khesara Survey plot No. 725 Ward No. 33 Circle No. 244 Distt. Patna more fully described in deed No. 5721 dated 24-7-80 registered with the D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 11-3-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001 the 17th March 1981

Ref. No. III-473/Acq/80-81.—Whereas I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of plot No. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 2-7-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinay Kumar Pathak
S/o Shri Manishankar Pathak resident of Prabhu Kunj,
Katras Road,
Dhanbad
P. O. & P. S. Dhanbad Chowki,
Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) M/s. Good Will properties a partnership firm having its office at Katras Road, Dhanbad, P.O. & P.S. Dhabad Chowki Sadar Sub-registry office Dhanbad, Dist. Dhanbad presently comprising of

1. Smt. Kamelesh Jindal
W/o Shri Suraj Jindal
2. Sardar Rewal Singh Sethi
S/o Sardar Gurdit Singh Sethi
3. Lakhmir Singh Sabarwal

S/o Late Sardar Jaswant Singh Sabarwal as partners.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of homestead land with all pucca and Khaprashphosh building structures etc, measuring 5 Kathas and a half being part of Plot No. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road more fully described in deed No. 5470 dated 2-7-80 registered with D.S.R. Dhanbad.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 17-3-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 17th March 1981

Ref. No. III-475/Acq/80-81.—Whereas I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of plot no. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 2-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Pushpa Gouri Pathak
W/o Shri Manishanker Pathak resident of Prabhu Kunj, Katras Road,
Dhanbad,
P. O. & P. S. Dhanbad Chowki,
Distt. Dhanbad.

(Transferor)

- (2) M/s Good Will properties a partnership firm having its office at Katras Road, Dhanbad P. O. & P. S. Dhanbad Sadar Sd-registry office, Dhanbad, Distt. Dhanbad presently Comprising of
1. Smt. Kamelesh Jindal
W/o Shri Suraj Jindal.
2. Sardar Rewal Singh Sethi
S/o Sardar Gurdit Singh Sethi
3. Lakhmir Singh Sabarwal
S/o Late Sardar Jaswant Singh Sabarwal as partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A portion of homestead land with all pucca and Khaprash buildings structures etc. measuring 6 Kathas approximately being part of plot No. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road, Dhanbad more fully described in deed no. 5472 dated 2-7-80 registered with D.S.R. Dhanbad.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 17-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—36 GI/81

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 17th March 1981

Ref. No III-476/Acq/80-81.—Whereas I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 282, Khata No. 163, Mouza No. 51 situated at Mithoo Road, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 21-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohanlal Devji Chawda
S/o Shri Devji Gove Bhai Chawda resident of Mithoo Road, Dhanbad,
P. S. Dhanbad,
District Dhanbad.
At present residing at 61/29 Sidgiri Bagh,
Varanasi,
District Varanasi.

(Transferor)

(2) Smt. Damyanti Bai Liladhar Chauhan
W/o Sri Liladhar Hirji Chauhan resident of Mithoo Road, Dhanbad.
At present residing at C/o Sri Liladhar Hirji Chauhan, Deputy Chief Mining Adviser, Railway Board, Bekar Band Colony, Dhanbad.

(Transferee)

- (3) (i) Shri S. N. Poddar,
Mithoo Road,
Dhanbad.
(ii) Shri Harihar Sao,
Mithoo Road,
Dhanbad.
(iii) Shri Jagjivan Vyas,
Mithoo Road,
Dhanbad.
(iv) Shri Amar Singh
Mithoo Road,
Dhanbad.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 2 Kathas 8 Chattaks with double storied building situated at Mithoo Road, Dhanbad more fully described in deed No. 6037 dated 21-7-80 registered with D.S.R., Dhanbad.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 17-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 17th March 1981

Ref. No. III-477 Acq/80-81—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 508, Holding No. 81 situated at Village Sarley, P.S. & District Hazaribagh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 1-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Eric Morris and Mery Teresa Morris
S/o and daughter of Late
M. Morris of Hazaribagh,
District Hazaribagh.

(Transferor)

(2) Shri Rev. Father George Victor Saupin
S/o Late Alfred Joseph, The Bishop of Daltanganj
Catholic Diocese,
Daltanganj.

(Transferee)

(3) 1. Eric Morris.
2. Girl's Hostel in the Supervision of Sister Chandradipa.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

5.66 acres of land alongwith tiled Bungalow known as Sylvan Lodge situated at Village Sarley, District Hazaribagh more fully described in deed No. 8302 dated 1-7-80 registered with D.S.R. Hazaribagh.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 23rd March 1981

Ref. No. III 478/Acq/80-81—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 8, Khesra No. 84, new holding No. 5 new Tauzi No. 11086 Ward No. 10 old and 28 new, situated at Mohalla Mohammadpur Kazi, Muzaffarpur Town District Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 29-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Abha Rai Chaudhary
W/o Shri Sudhir Chandra Rai Chaudhary.
(2) Shri Sudhirchandra Rai Chaudhary
S/o Lato Pramod Chandra Rai Chaudhary,
Amla Toli,
Katihar Town,
Dist. Purnea at Present Mohalla Mohammadpur Kazi,
Town & District Muzaffarpur.

(Transferer)

2. Shri Ram Ayodhya Pathak
S/o Ram Aaj Pathak of Mauza Dharphari,
P. S. & District Muzaffarpur,
At present Mohalla Mandipur Town & Dist. Muzaffarpur.
(Transferee)
3. Transferee as mentioned above.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 dhurs 6 Kanwa with pucca building situated in Mohalla Mohammadpur Kazi, Town & District Muzaffarpur bearing Touzi No. 11086 Thana No. 344 Ward No. 10 old & 28 new more fully described in deed No. 10352 dated 29-7-80 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-3-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 23rd March 1981

Ref. No. III-479/Acq/80-81—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khewat No. 1 Survey Khatian No. 285, Plot No. 1306, Ward No. 9 old and 11 new, holding No. 261 old and 6/365 new situated at Kutchary Mohalla Naya Bazar, Jugsalai, P. S. Town, Jamshedpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kamleshwar Nath Chaturvedi
S/o Late Ram Sewak Chaubey of Ranchi Road,
District Singhbhum.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shrichand Kasera
S/o Late Mathura Pd. Kasera.
2. Gulab chand Kasera,
Residents of Station Road,
Jugsalai town,
Jamshedpur,
Dist. Singhbhum

(Transferee)

(3) S. G. Metal Industries,
Jugsalai,
Station Road,
Jamshedpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold land measuring 312 decimals i.e. 18 Kathas 17 1/2 Dhurs situated on Kutchary Mohalla Naya Bazar, Jugsalai, P.S. Town Jamshedpur, Khewat No. 1 Survey Khatian No. 285 Plot No. 1306 towards West Jugsalai old Ward No. 9, holding No. 261 old New Holding No. 6/365 in new Ward No. 11 more fully described in deed No. 3977 dated 4-7-80 registered with D.S.R., Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-3-81
Seals :

FORM ITNS

(1) Shri Kripa Shanker
S/o Srikishan Yadav,
64/3, Ramganj, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Rani
W/o Shri, Bansilal,
House No. 97,
Vidya Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 16th March 1981

Ref. No. IAQ/ACO/BPL/80-81/1879.—Whereas I,
VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 97 on plot No. 97 situated at Vidya Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 24-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 97 situated on plot No. 97 at Vidya Nagar, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-3-1981

Seals :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.
Bhopal, the 16th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1880—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 522 situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Shri Ratankumar Sachhar
S/o Shri Uzomal Sachhar,
R/o H. No. 522,
Scheme No. 44,
Indore Development Plan,
Khatiwala Tank,
Indore.

(Transferor)

2. (i) Shri Gopichand
(ii) Shri Swarupchand
(iii) Hukumchand,
All sons of Shri Chandiram,
R/o House No. 522,
Scheme No. 44,
Development Plan,
Khatiwala, Tank,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 522, situated at Khatiwala Tank, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1881—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 4, situated at Chippa Bhakhal, Shantinagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on 1-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Shri Sobhagchand
S/o Shri Ratanlalji,
Shantinagar,
Indore.

(Transferor)

2. (i) Shri Inderchand
S/o Shri Somachand,
(ii) Smt. Leribai
W/o Shri Somachand,
H. No. 4, chippa Bhakhal,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 4, situated at Chippa Bhakhal, Shantinagar, Jain Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 16-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th March 1971

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1882—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 21, Kh. No. 112 situated at Sadar Korba (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 17-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shri Amritlal Chabda
S/o Shri Khemji Chabda
Vill. Tikrapara,
Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Lala Ganeshdas
S/o Guramdharamal Punjabi,
Civil Lines
Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21 situated at Sada, Korba.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 16-3-81.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—36GI/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1883—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 833 & 833/1 at plot No. 144 situated at Lordganj, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Santosh Kumar
S/o Shri, Ghasiram Samiya
(2) Smt. Kapor, W/o Shri Ghasiram
(3) Pushpa Devi W/o Virendra Kumar Samiya
(4) Kiran Devi W/o Arvind Kumar,
All R/o 528 Sukruwari Bajariya,
Hanumantal,
Jabalpur.

(Transferors)

2. Shri Pawan Kumar
S/o Shri Bajranglal,
833, Lordganj,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 833 on plot No. 144, situated at Lordganj, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 16-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal the 16th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1885—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house No. 587 & 588 situated at Sarafa Road, Mudwara, Katni, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Trilockehand Shiybux Raj, Through Partner Sanmathkumar S/o Durgaprasad, Teh; Mudwara Jabalpur.

(Transferor)

(2) Kur Pramod Kumar Suhane S/o Shri, Shambhu Suhene, R/o Shivaji Ward, Mudwara, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 587 & 588 situated at Sarafa Road, Raghunathganj, Mudwara.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date 16-3-1981.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.
Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL/80-81/1886— Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. One property situated at
No. Agricultural land situated at Village: Khebi Parashar Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Dabra on 25-7-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Bhagwal S/o S/o Raghunath
- (2) Maheshkumar S/o Pannalal—Caste-Brahmin,
R/o Khebi Parashar
Teh. Dabra,
Distt. Gwalior.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Dharam Kaur W/o Charan Singh
- (2) Karam Kaur W/o Soorat Singh,
- (3) Jugander Kaur W/o Soorat Singh
- (4) Prem Kaur W/o Girdhara Singh
- (5) Milkit Kaur W/o Bachan Singh,
R/o Khebi Parashar,
Tah. Dabra,
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 404, Rehba 6/371 Hector situated at Village Khabi Prashar Dabra, Gwalior

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 19-3-81.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 19th March 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1887—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agril. Ind situated at Khebi Parashar, Dabra, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabra on 25-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Bhagwanlal
S/o Raghunath
- (2) Mahesh Kumar
S/o Pannalal
- (3) Harswaroop
S/o Radhakrishnna,
Khebi Parashar,
Dabra, Gwalior

(Transferor)

2. (1) Shri Charan Singh
S/o Magar Singh
- (2) Surath Singh
S/o Mehar Singh
- (3) Girdharasingh
Guru Bachan Singh
S/o Basant Singh,
R/o Khebi Parashar,
Dabra, Gwalior

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 408/9/935 situated at Vill. Kheri Parashar, Dabra, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax), Acquisition Range
4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Date : 19-3-1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1888—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One double storied house situated at Chhola Road, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 1-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lalaram
S/o Deviramji Kacharaya,
R/o Chhola Road,
Near Sardar Patel School,
Bhopal.

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Atam Prakas Sharma
(2) Avadhesu Kumar Sharma
(3) Avdh Kishorji Sharma,
All S/o Deenji Sharma,
R/o Chhola Road,
Near Sardar Patel School,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storied house situated at Chhola Road, Near Sardar Patel School, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date : 19-3-81

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1889—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jahangirabad, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dharam Vir Sood
S/o Shri, Telumal,
R/o E-4/344, Arora Colony,
Bhopal.

(2) Shri Committee Deoni School &
Masjid Etc.
Neem Wali Sadak,
through Baboo Khan
S/o Yakoob Khan,
Sadar of the Committee,
Jinsi, Jahangirabad,
Bhopal.

(Transferor)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 6 situated at Jahangirabad, Jinsi Chowk, Bhopal

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Dated : 19-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1890—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of double storied house situated at in front of Alankar Talkies, Gujarathi Bazar, Sagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 25-7-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Vitthal Bhai
S/o Mathuradas Patel
(2) Shri. Maghuradas
S/o Madhardas,
R/o Gujarati Bazar,
Sagar.

(Transferor)

2. Smt. Saraswati Bai
W/o Shri, C. Rajaran Jain,
R/o Katra Bazar,
Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storied house situated in front of Alankar Talkies, Gujarathi Bazar, Sagar.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 19-3-81.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1981—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of double storied house situated at Gujarathi Bazar, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 25-7-80.

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kanhaiyalal
S/o Shri Maturadas Patel.
R/o Gujarati Bazar,
Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Jaikumar
S/o Rajaran Jain,
R/o Katra Bazar,
Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

Part of double storied house situated at Gujarati Bazar, In front of Alankar Talkies, Sagar.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

30—36GI/81

Date : 19-3-81.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1892—Whereas I, VIJAY MATHUR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Part of double storied house situated at Gujarathi Bazar, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 25-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Vithal Bhai
S/o Shri Mathuradas Patel
(ii) Mathuradas
S/o Madhardas Patel,
R/o Gujarat Bazar, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Kumar Jain
R/o Katra Bazar,
Sagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storied house situated at Jawahar Bazar, in front of Alankar Talkies, Sagar.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 19-3-81.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kirodimal Charity Trust,
Raigara

(Transferor)

(2) Shri Rajendrakumar Jaidia,
Gurumukhrai Marg,
Bilaspur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1893—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, Gedown & Office building situated at Vill. Kharsia, Tah. Raigarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2.06 Acres, Godown and office building there on-Kh. No. 526/1K 526/2K 526/3K situated at Station Road, Kharsia, Raigarh.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 24-3-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Kridjimal Charity Trust, Raigarh
(Transferor)
- (2) Shri Rakeshkumar Jajodia,
Gurumukhrai Marg,
Bilaspur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.
Bhopal, the 24th March, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1894—Wheres I,
VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land, Godown & Shades, situated at Vill, Kharsia, Teh; Raigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1.74 acres and godown and Sheds thereon. Kh. No. 526/1K 526/2K 526/3K situated at Vill : Kharaisa, Tah; Raigarh.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 24-3-81.
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Surajmal S/o Musaddil Agrawal,
R/o Ramadhin Marg,
Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Beantkaur
W/o Sardar Surjit Singh Bhatia,
Kailash Nagar
(Bus Stand)
Rajnandgaon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1895—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and house thereon situated at Near Bus Stand, Rajnandgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 18-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 7200 Sqft. and house thereon situated at Kailash Nagar (Motor Stand), Rajnandgaon.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 24-3-1981.
Seal :

FORM ITNS

1. Shri S. M. H. Rizai,
Advocate, Raipur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1)
OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

2. S/Shri (1) Hasan
(2) Hussain
(3) Nadir &
(4) Haider,

All S/o Haji Mohammad,
C/o Chariwala & Co., M. G. Road,
Raipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1896—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 15/616 situated at M.G. Road, Jawahar Nagar, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 22-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15/616, situated at M.G. Road Jawahar Nagar, Raipur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 24-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri SobhaRam

S/o Nathu

(2) Harichand

S/o Shri, Nathu,

Guljhara Dhar.

(Transferor)

(2) Shri Satnamsingh

S/o Chandoolal Cnnabra,

R/o Dhamnod,

Distt: Dhar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1897—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 92 situated at Vill : Guljhara, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharampuri on 17-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 92, situated at Village : Guljhara, Dhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1898—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1275 situated at Premnagar, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 15-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pt. Shankerlal Mishra

(2) Pt. Ramnarayan Mishra
S/o Pt. Sital Prasadji Mishra,
R/o Madan Mahal Ward,
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Pt. Ranbadan Tripathi,
S/o Sheoprasad Tripathi,
R/o 1275,
Premnagar,
Jabalpur (Madan Mahal Ward)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot and House No. 1275, situated at Prem Nagar, Jabalpur.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 24-3-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surendra Singh Surat Singh Sodhi,
R/o Cantonment,
Sagar

(Transferor)

(2) Smt. Brijrani
W/o Shri, Saligram Beri,
R/o Bungalow No. 4
Cantonment,
Sagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1899—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing :

No. Part of Bungalow No. 4 situated at Cantonment Area, Sagar (and

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sagar on 15-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Bungalow No. 4, situated in Cantonment, Sagar.
(Area of plot-2.30 Acres)

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81.

Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—36GI/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1900—Whereas I,
VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Bunglow No. 4 situated at Cantonment Area, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 8-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahindersingh
S/o Suratsingh Sodhi,
R/o Cantonment,
Sagar

(Transferor)

(2) Smt. Brijrani
W/o Saligram, Beri,
Bungalow No. 4,
Cantonment,
Sagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Bunglow No. 4, situated in Cantonment, Sagar.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1901—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 3, 4 & 5, building Block No. 2, situated Hamidia Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 9-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Nade Ali
- (2) Maziar Hussain
- (3) Abdul Hussain
- (4) Md. Iqbal & (5) Zanid Hussain,
All partners of
M/s Huassaini Trading
Company,
Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shri (1) Haji Sajjad Hussain
- (2) Shabbar Hussain Shafi,
- (3) Hakim Hussain,
- (4) Abid Hussain
- (5) Fazal Hussain S/o Shri
Haji Mukhtar Hussain,
Sahib, R/o Beldarpura,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, 4 & 5 building block No. 2, situated near Alpna Talkies, Hamidia Road, Bhopal.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 19-3-81.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri

- (1) Nade Ali
- (2) Maziar Hussain
- (3) Abdul Hussain
- (4) Md. Iqbal
- (5) Zahid Hussain —All partners of
M/s Hussini Trading Company,
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri (1) Haji Sajjad Hussain

- (2) Snabar Hussain
S/o Haji Mukhtar Hussain,
R/o Beldarpura,
Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL
Bhopal, the 19th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1902—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop. No. 1 & 2 Bldg.
Block No. 2 situated at Hamidia Road,
Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 9-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri

- (1) Nade Ali
- (2) Maziar Hussain
- (3) Abdul Hussain
- (4) Md. Iqbal
- (5) Zahid Hussain —All partners of
M/s Hussini Trading Company,
Bhopal.

(2) Shri (1) Haji Sajjad Hussain

- (2) Snabar Hussain
S/o Haji Mukhtar Hussain,
R/o Beldarpura,
Bhopal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 & 2, building block No. 2, situated near Alpna Talkies, Hamidia Road, Bhopal.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 19-3-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Navneethlal,
S/o Shri Natwarlal Mahajan,
R/o Khargone.

(Transferor)

(2) Shri Ramakrishna Nagar Griha Nirman Sahakari
Samithi Ltd.,
Khargone-Through
Chairman Shri Tikamdas,
Khargone.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL,

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1903.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land Kh. No. 191/2 & 157/2 situated at Khargone (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargone on 22-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kb. No. 191/2 & 157/2, situated at Kasba, Khargoni

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Shama Bai,
W/o Shri Natwarlal Mahajan,
R/o Khargon.

(Transferor)

(2) Ramakrishna Nagar Griha Nirman Sahakari Samithi Ltd.,
Through—Chairman—Shri Tikamdas,
Khargon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1904.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land Kh. No. 191/4 & 157/4 situated at Khargon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khargon on 22-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 191/4 & 157/4 situated at Khargon.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 24-3-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1905.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. Land Kh. No. 191/3 & 157/3 situated at Kasba, Khargon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargon on 22-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Ratan Singh S/o Lalsingh,
(2) Parskumar S/o Manaklal,
(3) Brindavan S/o Ranchhod das
(4) Shri Ramakrishna S/o Kisanlal Verma,
R/o Khargon.

(Transferor)

- (2) Shri Ramkrishna Nagar Griha Nirman Sahakari Samithi Ltd.,
Through—Chairman Shri Tikamdas,
S/o Balkrishna, Khargon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 191/3 & 156/3, situated at Kasba, Khargon.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1906.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 186 & 187 situated at Tala Vali, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 18-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Rameshchandra S/o Basant Lalji ,
 (2) Hemantkumar
 (3) Ashok Kumar,
 (4) Pradeep Kumar S/o Rameshchandji,
 146, Ravindranath Tagore Marg,
 Indore.

(Transferor)

- (2) Etnic Pharma Laboratories of Engineers Pvt. Ltd.,
 9, Manik Bag,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 186 & 187 situated at Vill. Tala Vali, Indore.

VIJAY MATHUR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1907.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land Survey No. 186 & 187 situated at Vill. Tala Vali Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 17-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—36GI/81

(1) Shri Ramesh Chandra S/o Basantilalji,
(2) Hemant Kumar
(7) Ashok Kumar
(4) Pradeep Kumar
146, Ravindra Nath Tagore Marg,
Indore.

(Transferor)

(2) Perfect Pharmacist Pvt. Ltd.,
9, Manik Bag Road,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and Survey No. 184 & 187 situated at Vill. Tala Vali, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 24-3-81

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1908.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 262 situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 14-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Sumersingh,
(2) Bhai Chandrapal Singh
Both S/o Narainsingh Rajpur,
Sindhipura, Burhanpur.

(Transferor)

- (2) Shree Ansar Cooperative Housing Society Ltd.,
Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 262, Kh. No. 280 situated at Vill. Omagird, Burhanpur.

VIJAY MATHUR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range, Bhopal

Date : 24-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ashok S/o Govind Bhai Mahjan,
Khethiya, Khargon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1909.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Kh. No. 32/1 situated at Vill: Nisarpur, Khargon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pansomal on 17-7-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Sudama S/o Shri Babu Gujar Patel,
Khethiya, Khargon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 32/1, situated at Vill: Nisarpur, Khethiya, Khargon.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1910.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 117, 118 & 119 situated at Vill: Tala Vali, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 10-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Prahlad S/o Shri Hirralal Goyal,
49, Janki Nagar,
Indore.

(Transferor)

(2) M/s Indore Automatic Products,
62-Vishnupuri,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Survey No. 117, 118 & 119 situated at Village: Tala Vali, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81
Seal :

FORM ITNS

Kailashchand,
S/o Shri Hiralal Goyal,
49, Janki Nagar,
Indore

(Transferor)

(2) Indian Organic and Pharmaceuticals, P Ltd,
21/2, South Tukoganj,
A B Road,
Indore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 24th March 1981

Ref No IAC/ACQ/BPL/80-81/1911 —Whereas I VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land Survey No 116, 123 & 115 situated at Vill: Tala Vali, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Survey No 116, 123 & 115 situated at Vill: Tala Vali, Indore

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal, the 24th March, 1981

Ref No IAC/ACQ/BPL/80-81/1912—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Sand Survey No 116, 123 & 115 situated at Vill: Tala Vali, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Kusum Lata,
W/o Dhannalal Goyal,
R/o 50, Janki Nagar,
Indore

(Transferor)

(2) Indian Organic and Pharmaceutical (P) Ltd.,
21/2, South Tukoganj,
A B Road, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No 116, 123 & 115 situated at Vill: Tala Vali, Indore

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1913.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5/21 & 5/22 situated at Yeshwant Niwas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shar
S/o Sop
Kharche,
R/o Pachampura House, Ajmer Road,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Rangati Ji Sewa Kendra,
5 Yeshwant Niwas Road,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Plot Nos. 5/21 & 5/22 situated at Yashwant Niwas Road, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.**

Bhopal the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1914.—Whereas I VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 848 situated at Khati Wala Tank Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Indore on 23-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kanahiyalal
S/o Naraindas
R/o Bhagat Kanwar Ram Sindhi Colony
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Prahladrai
S/o Khanchand
R/o H. No. 34
Bairath Colony No. 2
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 848 situated at Khatiwala Tank Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range Bhopal,

Date : 24-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1915.—Whereas I VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. Mucl. H. No. 7 situated at South Tukoganj Indore (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 23-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Suvalal S/o Seduram
- (2) Nathulal
- (3) Omprakash
- (4) Virendrakumar
- (5) Hemantkumar Sharma
7/2 South Tukoganj
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Ramendramohan Joshi
S/o Shri Mukundramji Joshi
7/2 South Tukoganj Indore.
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 7, situated at South Tukoganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—36GI/81

Date : 24-3-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1916.—Whereas I VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 1520 Sq. ft. situated at in front of Krishna Talkies, Rajnandgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 14-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mangilal Tatiya,
R/o Ganj Line,
Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) (1) Shri Dhanraj S/o Bilanda Rai
(2) Ashokkumar S/o Dhanraj
(3) Kishore Kumar
(4) Maheshkumar S/o Danraj
R/o Gali No. 6
Sindhi Colony
Lal Bag
Rajnandgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 1520 Sq. ft. situated at Rajnandgaon. (In front of Krishna Talkies).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri M. V. Pillai
 S/o Shri R. M. Pillai
 R/o 91/64, Tulsi Nagar, 1250 Quarters,
 Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Gumti Kameshwar Surya Narain Sharma
 S/o Shri G. V. Somaiya Julu
 R/o Section E-6, 18-A near 11-No. Bus Stop,
 Arora Colony
 Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1917.—Whereas I VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

[No. House No. E-6 18-A situated at Arora Colony Bhopal has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 16-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. E-6, 18-A situated at Arora Colony Bhopal.

VIJAY MATHUR
 Competent Authority
 (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.
Bhopal the 24th March 1981

Ref No IAC/ACA/BPL/80-81/1918—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House No 19 situated at Sakkar Colony Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 11-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (1) (1) Shri Shyamal
- (2) Lakhmichand Both S/o Shri Tekchand
- (3) Pitambar Das
- (4) Kishanchand Both S/o Tekchand
- (5) Shyamal S/o Tekchandji,
Shyamal Tekchand Cloth Stores,
Kalka Devi,
Mumbai-Bombay

(Transferor)

- (2) Shri Laxman Bhatia S/o Tarachandji,
R/o Sakkar Colony, Lashkar,
Gwalior

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House bearing No. 19, situated at Sakhar Colony, Behind Filmistar Theatre, Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Tulsi Ram S/o Mangilal Sharma,
R/o 11, Suman Niwas Navalakha,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Prakash S/o Mangilal Khandelwal,
R/o 12, Peddar Road, Flat No. 6,
Bombay-No. 6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1919.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land No. 3, Gali No. 1 situated at Chhoti Gwal Toli, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Indore on 24-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 3, Gali 1, situated at Chhoti Gwal Toli, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL,
Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1920.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of 1421 Sq. ft. situated at Tahipura, Gandhi Chowk, Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ratlam on 14-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Moiz S/o Haji Saraf Ali,
Malasiya Wala,
Ratlam.
Shri Saraf Ali S/o Ismailji Bohra,
Mohalla—Saifi Mohalla,
Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Athika Bai W/o Akbaraliji Bohra,
R/o Tahipura, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot at Tahipura, Chandni Chowk, Ratlam-measuring 1421 Sq. ft.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL,**

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1921.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land No. 170 situated at Village: Rehmanpura, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 21-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Asha Ram,
2. Shri Paparam S/o Petu Patel,
Gram Sindh Kheda,
Burhanpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Seikhlaal,
2. Bhai Gulam Ali S/o Umar Khan,
3. Daulat Khan S/o Umar Khan,
Dudhia,
Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Land No. 170 situated at Village: Rehmanpura, Burhanpur.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1922.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half portion of House No. 157 situated at Khatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Trilokchand S/o Sonarmaji,
2. Smt. Chandrakanta Jain W/o Manoharsingh Jain,
H. No. 157, Khatiwala Tank,
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Mohanlal S/o Jeewandas,
H. No. 30, North Raj Mohalla,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half portion of House No. 157 situated at Khatiwala Tank, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1923.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 274/1 situated at Village: Amona, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 23-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Prakashchandra S/o Lalchandji Madan,
R/o 14, Ware-house Road, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Badjatiya Brothers,
361, Jawahar Marg,
Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 274/1 situated at Village: Amona, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range, Bhopal

Date : 24-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34— 36GJ/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1924.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 274/1 situated at Village: Amona, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakashchandra S/o Lalchandji Madan, r/o 14-Warehouse Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kalyanmal S/o Late Mishrilal Bedjatiya, R/o 144-Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 274/1 situated at Village : Amona, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Salagram Natwarlal Neema & Co.,
435, M. G. Road,
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Rajal Jain W/o Kamdeo Jain,
R/o 31, Nalia Bakhal,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.
Bhopal, the 24th March 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1925.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Shiv Vilas Palace No. A-18 of H. No. 435 situated at M. G. Road, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Shiv Vilas Palace No. A-18 of House No. 435, situated at M. G. Road, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIC. OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.
Bhopal, the 24th March, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1926.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 157 situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Trliokchand S/o Sonrmanji
(2) Smt. Chandrakanta Jain W/o Manoharsingh Jain,
H. No. 157, Khatiwala, Tank,
Indore.

(2) (1) Shri Tikamdas S/o Jeewandas,
(2) Mohanlal S/o Jeewandas,
R/o H. No. 30, North Raj Mohalla,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two parts of House No. 157 situated at Khatiwala, Tank, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-81
Seal :

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 16th March, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1884.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 833 & 873/1 on plot No. 144 situated at Lordgan, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1-8-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (1) Santoshkumar S/o Shri Ghasiram,
(2) Smt. Kapoori Devi (3) Smt. Pushpa Devi
(3) Smt. Pushpa Devi,
(4) Smt. Kiran Devi W/o Arvind Kumar,
Sukruwari Bajaria, Hanumantal,
Jabalpur.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Chanda Bai W/o Shri Gyanchand
(2) Ravindra/Rajeev Rahool,
Jawahar Ganj,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Portion of House No. 833 on plot No. 144, situated at Lordganj, Jabalpur.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh Chandra,
S/o Chunnilal Kachhara,
R/o Charbhujia.

(Transferor)

(2) Shrimati Dakhu Bai,
W/o Babulal ji Jain,
R/o Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd March, 1981

Ref. No. 887.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Dewali, Fatehpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2426 dated 15-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-3-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 23rd March, 1981

Ref. No. 886.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ramesh Chand,
S/o Shri Chunnilal Kachhara,
R/o Charbhuj.

(2) Shrimati Sheela,
W/o Shri Mangl Lal Jain,
R/o Udaipur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Dewali, Fatehpura, Udaipur measuring 3240 Sq. ft. and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2427 dated 15-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23-7-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, 25th March, 1981

Ref. No. 896.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 191 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 24-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gamba Mal, Sadhu Ram, Mebal Das
S/o Pahumal Sindhi,
Niwasi Sindhi Colony,
Kota.

(Transferor)

(2) Shri Mathura Lal,
S/o Bhanwarlal Mahajan,
Prop. M/s Shiv Narain,
Poonam Chand,
Bhawani Mandi,
Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 191, Sindhi Colony, Vallabhnagar, Gumanpura, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R., Kota vide his No. 1305 dated 26-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-3-81
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd March, 1981

Ref. No. 888.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Udaipur on 16-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri Sattar Khan,
S/o Gafoor Khan Ji Pathan,
R/o Udaipur.

(2) Shri Babu Lal,
S/o Kastoor Chand Ji Jain,
Niwasji Bhinder.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 13, Hiran Magri, Sector No. 11, Udaipur & more-fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his No. 2464 dated 16-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—36 GI/81

Date : 23-3-81
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**
Jaipur, the 25th March, 1981

Ref. No. 895.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 773 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 25-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sharda Prashad Srivastava & Smt. Usha Rani, W/o Shri Sharda Prashad Srivastava, Niwasi 773, Dada Badi, Kota. (Transferee)
- (2) Narendra Saxena, Assistant Engineer, R.S.E.B., Jhalawar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 773 at Dada Badi, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R., Kota vide his No. 1318 dated 25-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-3-81
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th March, 1981

Ref. No. 894.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Factory situated at Jaipur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 7-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (1) M/s Power Plants Sales & Services Private Limited,
C/o Shri S. M. Lodha,
Ganguli Building,
Jaipur. (Transferor)
- (2) Shrimati Vijaya Kumari,
W/o Shri Arvind Kumar,
C-172, Bajaj Nagar,
Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said 'Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory shed situated at Plot No. 41 A/B/C/D, Sudershan-pura, Industrial area, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his No. 1523 dated 7-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-3-81
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd March, 1981

Ref. No. 893.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. C-16 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 5-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri B. L. Ajmera,
Plot No. C-16,
Raja Park,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Baldeo Singh,
Plot No. 460,
Raja Park,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Double storied residential building at Plot No. C-16, Raja Park, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his No. 1507 dated 5-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 23-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd March, 1981

Ref. No. 884.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ramesh Chandra,
S/o Chunnial Kachhara,
R/o Charbhuj.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh Kumar,
S/o Purshotam Lal Ji Maheshwari,
Dhanmandi,
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 2045 sq. ft. and situated at Fatehpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2578 dated 24-7-80,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-3-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd March, 1981

Ref. No. 885.—Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ramesh Chander,
S/o Chunnilal Kachhara,
Niwasi Charbhujia.

(Transferor)

(2) Shri Govind Singh,
S/o Dayalal Ji Bhatada
Niwasi Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 2070 sq. ft. and situated at Fatehpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2579 dated 24-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-3-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 25th March, 1981

Ref. No. 891.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot situated at Udaipur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 24-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Jiwan Lal,
S/o Lahori Lal Kachhara,
R/o Charbhujia.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Ram,
S/o Sohan Ram Lodha,
R/o Udaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 2520 sq. ft. and situated at Fatchpura, Udaipur and Morefully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his No. 2576 adted 24-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-3-81

Seal :

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, JAIPUR
 Jaipur, the 25th March 1981

Ref. No. 892.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jeewan Lal,
 S/o Lahari Lal Kachhara,
 Charbhuj.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand,
 S/o Shyam Lal Bhutada,
 Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot of land situated at Fatehpura, Udaipur and measuring 2583 sq. ft. & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his No. 2577 dated 24-7-80

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. CHAUHAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-3-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 27th March, 1981

Ref. No. 889.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 24-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Laxmi Lal,
S/o Bhanwar Lal Soni,
R/o Nathdwara.
- (2) Shri Ramesh Kumar,
S/o Sakhawat Rai Ji Virwani,
R/o Udaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot of land situated at Fatehpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2581 dated 24-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
36—36GI/81

Date : 23-3-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**
Jaipur, the 23rd March, 1981

Ref. No. 890.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-7-1180

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Laxmi Lal,
S/o Bhanwarlal Soni,
R/o Nathdwara.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal,
S/o Bansi Lal Deopura,
Kanod Ki haveli,
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Open plot of land measuring 2045 sq. ft. situated at Fatehpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his No. 2580 dated 24-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 23-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 28th March, 1981

Ref. No. 906.—Whereas, I M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Ajmer (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ajmer on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1)g Shrimati Phool Kanwar and others
Naya Bazar,
Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Jagraj
S/o Ramdayal,
Ghee Mandi,
Naya Bazar,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1681 sq. mtr. situated at Pushkar Road, Ajmer & more fully described in the sale deed registered by S.R., Ajmer vice his No. 2502 dated 15-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th March, 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58-B situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 7-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sampat Mal Mathur,
S/o Late Shri Moti Mal Mathur,
Niwas Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Ganeshi Bai,
W/o Bhawan Dass Sindhi,
R/o Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House property situated at 58 B, Vallabhnagar, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R. Kota on dated 3-7-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-3-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sampat Mal Mathur,
S/o Late Sh. Moti Mal Mathur,
R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Harish Chandra,
S/o Siru Mal Sindhi,
R/o Kota.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th March, 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 3-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of house property situated at 58 B Vallabhnagar, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R. Kota vide his No. 1133 dated 3-7-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-3-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati Phool Kanwar and others,
Naya Bazar,
Ajmer.

(Transferor)

(2) Shrimati Snehlata,
W/o Shri Satish Kumar,
Ghee Mandi, Naya Bazar,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 28th March, 1981

Ref. No. 907.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 28-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1455 sq. mtr. situated at Pushkar Road, Ajmer & more fully described in the sale deed registered by S. R., Ajmer vide has No. 2508 dated 28-7-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 28-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th March, 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 3-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sampat Mal Mathur,
S/o Late Shri Moti Mal Mathur,
R/o Kota.

(Transferor)

(2) Shri Bhawan Dass,
S/o Varand Mal Sindhi,
R/o Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House Property situated at 58 B, Vallabhnagar, Kota and more fully described in the sale deed registered S.R. Kota vide his No. 1132 dated 3-7-80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-3-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DHR/1/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 41 bighas 15 biswas situated at Village Gobindpura, Tehsil Dhuri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Rajinder Devi,
D/o Smt. Shanti Devi,
Wd/o Shri Amar Singh,
R/o Gobindpura,
Dhuri.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jasdev Singh, Sukhdev Singh,
S/o Shri Balwinder Singh,
R/o Gobindpura,
Dhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 41 bighas 15 biswas at Gobindpura, Dhuri.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2463 of July, 1980 of the Registering Authority, Dhuri).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.
Date : 13 March, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bhag Singh,
S/o Sh. Shahzad Singh,
R/o Sunam.

(Transferor)

(2) M/s. Malwa Modern Rice & General Mills,
Sunam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. SNM/4/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 32 Kanal 15 Marlas situated at Sunam 'A'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sunam in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanal 15 Marlas at Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1528 of July, 1980 of the Registering Authority, Sunam).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—36GI/81

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 March, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. MKL/27/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 27 bighas 7 biswas situated at V. Burz Baghel Singh, Teh. Malerkotla (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Malerkotla in July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Yadvinder Singh,
S/o Sh. Jagir Singh,
R/o Burz Baghel Singh Wala,
Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurmel Singh Jora Singh,
S/o Shri Jagan Nath,
Resident of V. Salar,
Tehsil Malerkotla,
Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 27 bighas 7 biswas at Burz Baghel Singh Wala, Teh. Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2518 of July, 80 of the Registering Authority, Maler Kotla).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 March, 1981

Seal :

FORM TTNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. AML/55/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 5 Bigha 1/2 Biswas situated at Vill. Jassran S. Teh. Amloh

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Ajaib Singh,
S/o Sh. Kundan Singh,
R/o V. Jassaran, S. Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) Sh. Karnail Singh,
S/o Sh. Babu Singh,
Gurdip Singh,
S/o Sh. Malkiat Singh,
Nirmal Singh,
S/o Sh. Surjit Singh,
R/o V. Kukar Majra,
S. Teh. Amloh.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5B $\frac{1}{2}$ b situated in Vill. Jassran S. Teh Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 979 of July, 1980 of the registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. AML/56/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 5B1/2B situated at Vill. Jassran S. Teh. Amloh

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (1) Sh. Gurmail Singh
S/o Sh. Kundan Singh,
R/o Vill. Jassran S. Teh. Amloh. (Transferor)
- (2) Sh. Nachhattar Singh,
S/o Babu Singh,
Balwinder Singh,
S/o Sh. Malkiat Singh and Rajinder Singh,
S/o Sh. Surjit Singh,
R/o Kukkar Majra S. Teh. Amloh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5B1/2B situated in Vill. Jassran S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 980 of July, 80 of the Registering Authority, Amloh.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.
Date : 13 March, 1981
Seal :

FORM I(TNS)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/22/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 10 bighas situated at V. Chhat, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Mohan Singh Darshan Singh Manjit Singh
S/o S. Labh Singh,
R/o Chamkaur Sahib,
Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) M/s Baba Ajit Singh Cold Storage (P) Ltd.,
Bus Stand Jhungia, P.O. Dayalpura,
Distt. Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas at V. Chhat, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 728 of July, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 March 1981

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/96/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. 52/4, situated at Bagh Nauhari Mal Jain, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Raj Rani,
W/o Sh. Radhey Kishan,
R/o 52/4, Bagh Nauhari Mal Jain,
Ludhiana.

(Tran)

(2) Shri Balbir Chand,
S/o Shri Hari Ram,
R/o 76, Bharat Nagar,
Ludhiana.

(Tran)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days after the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereunder are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-XVII-52/4, Bagh Nauhari Mal Jain, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1834 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/141A/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Plot measuring 355 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, (Tarf Karabara), Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kartar Kaur,
W/o Sh. Tara Singh,
1809/5, Miller Ganj,
Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar,
S/o Sh. Sohan Lal,
27B, Textile Colony,
Ludhiana.
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 355 sq. yds. at Tarf Karabara, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1914 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/147/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1333 (Measuring 1014 sq. yds.) situated at Sector 33C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Col. Jai Krishan Jindal,
S/o Sh. Babu Ram,
R/o A-77, Defence Colony
Meerut.

(2) S/Shri Subhash Kapoor, Ashok Kapoor & Deepak Kapoor,
S/o Shri K. L. Kapoor, S.C.O. No. 75,
Sector 17C,
Chandigarh.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1333 (Measuring 1014 sq. yds) Sec. 33C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 898 of July 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 March 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/135/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 204.7/12 sq. yds. situated at Mahal Bagat, near Ahsan Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Savitri Devi,
Wd/o Sh. Bal Krishan through Major General Manmohan Nath,
D-275, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charan Dass,
S/o Sh. Lal Chand,
B-III-776, Mohalla Saidan,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot 204.7/12 sq. yds. at Mahal Bagat, Ahsan Road, Civil Lines, Ldh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2431 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38—36GI/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/137/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 204.7/12 sq. yds. situated at Mahal Bagat, near Ahsan Road, Civil Lines, Ldh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Svitri Devi
W/o Balkishan through Brig. Pran Nath,
R/o M-142, Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Darshana Devi,
W/o Sh. Charan Dass,
B-III-776, Mohalla Saidan,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 204.7/12 sq. yds. at Mahal Bagat, near Ahsan Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2329 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bimla Duggal,
House No. 1157, Sec. 21B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sukh Versha Sargam,
SCF No. 15, Sector 22D,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/124/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3321, situated at Sector 32D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3321, Sector 32D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 685 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Naunihal Singh Bedi,
S/o Sh. Harnam Singh,
Shop No. 84, Sector 15D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri I. R. Trehan,
S/o L. Amar Nath,
Chemistry Department,
Punjab University,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/142/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1262-P situated at Sector 15B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1262-P, Sector 15B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 862 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Inder Singh, Charanjit Singh
S/o Sh. Harnam Singh,
R/o Vill. Anjali Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur,
W/o Sh. Amar Singh,
R/o Vill. Kukar Majra Teh. Nabha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. SRD/29/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6B-3B situated at V. Ajnali Teh Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 6B-3B situated in Vill. Ajnali Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1774 of July, 1980 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. SRD/27/80-81/- Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 74 Kanals situated at V. Raur Garh, Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pritam Singh,
S/o Sh. Tellu & Smt. Pyat Kaur,
W/o Sh. Pritam Singh,
V. Paur Garh,
Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur,
W/o Sh. Bhupinder Singh & Smt. Jaspal Kaur,
W/o Sh. Balbir Singh,
R/o V. Rohati,
Tehsil Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land measuring 74 Kanals at V. Raur Garh, Teh. Sirhind. (The property as mentioned in the sale deed No. 1746 of July 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Satyendra Singh,
S/o Sh. Amar Singh,
R/o A8/29, Vasant Vihar,
New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Harjinder Kaur,
W/o S. Badan Singh,
R/o 2510, Sector 35C,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/171/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No. 2510, situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2510, Sector 35C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1035 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/161/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2341, Sector 23-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Malook Chand,
S/o Sh. Mehtab Ram,
R/o 3404, Sector 23-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Singh Bhasin,
S/o Sh. Sant Singh,
R/o 1546, Sector 33-D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2341 situated in Sector 23-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1007, of July, 80 of the registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March 1981.
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/166/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3727, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Surjit Singh,
S/o Sh. Teja Singh,
R/o H. No. 3376, Sector 32-D,
Chandigarh
through Sh. Bakshish Singh,
S/o Sh. Waryam Singh,
R/o 1552, Sector 20-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh,
S/o Shri Waryam Singh,
R/o H. No. 1552, Sector 20-B,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3727 situated in Sector 32D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1020 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13th March 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—36GI/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/130/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 456, situated at Sector 35A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Charanjit Singh Gill,
S/o Col. Phuman Singh Gill,
C/o 56 A.P.O. through his attorney Sh. Sohan Singh
S/o Shri Sher Singh,
R/o House No. 456, Sec. 35A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurmail Singh,
S/o Sh. Narain Singh &
Shri Malkut Singh,
S/o Sh. Sohan Singh,
residents of 456, Sec. 35A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 456, Sector 35A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 701 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13th March 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. KNN/26/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 kanals situated at Alour, (Khanna) Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Cuhan Singh & Sh. Amar Singh,
S/o Shri Phaggu,
Residents of V. Alour (K. hanna),
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Ram Ji Dass & Sons,
G.T. Road, Alour (Khanna),
Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals at Alour (Khanna) Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1176 of July, 1980 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. LDH/173/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 114-H, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ranjit Kaur,
Wd/o Sh. Harchand Singh,
Amrik Singh,
Parmjit Kaur,
Charanjit Kaur,
D/o Sh. Gurbachan Singh,
R/o H. No. 7-H, Sarabha Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Daljit Singh,
S/o Sh. Gurdit Singh,
R/o 85-B, Sarabha Nagar,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 114-H measuring 250 sq. yds. situated in Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2939 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March 1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/170/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1181, situated at Sector 37B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Niranjan Dass Sharma,
S/o Sh. Hem Raj,
R/o 1512, Sector 7C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurpartap Singh Sodhi & Smt. Gurdeep Kaur Sodhi,
R/o 998A/Sector 7B,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1181, Sec. 37B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. of 1034 July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Hardev Singh Sarna,
S/o Sh. Kalyan Singh Sarna,
R/o H. No. 6, 76-Theatre Road,
Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Sh. Jasmer Singh,
S/o Sh. Tara Singh,
& Smt. Gurnam Kaur,
W/o Sh. Tara Singh,
C/o Hira Printing Press, Court Road, Moga Now
H. No. 75, Sector 27-A, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/126/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2101, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 2101 situated in Sector 35-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 688 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. SRD/39/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 37 Kanals 12 Marlas situated at Village Nabipur, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Kulwant Kaur,
Wd/o Major Mohinder Singh,
R/o V. Nabipur, Teh. Sirhind now at House No. 158,
Sec. 33, Chandigarh.
S. Sukhpreet Kaur
D/o Major Mohinder Singh,
H. No. 158, Sec. 33,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Puran Singh,
S/o Shri Lal Singh & S/Sh. Mangal Singh, Gurmukh Singh & Bhupinder Singh sons of Sh. Puran Singh,
R/o Nabipur, Teh. Sirhind,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 37 Kanals 12 Marlas at V. Nabipur, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2056 of July, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 13th March 1981

Ref. No. LDH/R/24/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. H. No. B-34-2272, situated at Joshi Nagar, Haibowal Kalan Teh. Ludhiana

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Sheela Vati
w/o Sh. Ram Parsad,
r/o 757, Patol Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)
(2) Smt. Manju Gian Sharma
w/o Sh. Gian Chand Sharma
r/o B-XXXIV/2272, Joshi Nagar,
Haibowal, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House B-XXXIV-2272 in Joshi Nagar, Haibowal Kala Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2979 of 7/80 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13 March 1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. AFML/47/80-81/—Wheresas I SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 Bigha situated at Kukkar Majra S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Amloh on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—36 GI/81

(1) Shri Malkiat Singh
s/o Sh. Ram Krishan
r/o Kukkar Majra
S. Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Amar Kant,
Ram Naresh
s/o Ganga Dien,
Om Rattan,
Subash Chand ss/o
Sh. Har Parshad
r/o Ward
No. 3,
Mandi Gebindgarh
S. Ten. Amloh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring Bigah situated in V. Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 888 of July, 1980 of the registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13th March 1981
Seals

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/150/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land measuring 4 Kanals 2 Marlas alongwith Poultry Sheds.
situated at Vill. Daria, U.T. Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Murari Lal Puri
s/o Sh. Hans Raj Puri,
r/o H. No. 1211, Sector 18-C,
Chandigarh,

(Transferor)

(2) Sh. Harmail Singh,
s/o Sh. Raja Singh
r/o Village Darua
U.T. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 46KM alongwith Poultry heds built over it situated in Vill. Darua U. T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 950 of July, 1980 of the Registering authority, Chandigarh)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13 March 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. LDH/133/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-XIX-423/B, situated at Sohi Street, College Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri Tirath Ram,
Parkash Chand,
Kanwar Lal,
Prem Sagar,
S/o Sh. Gujar Mal,
R/o B- 13-1369.
Kucha Hardial Sukhram Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Siri Ram
S/o Sh. Puran Chand
R/o House No. B-XIX/423/B,
Sohi Street,
College Road,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-XIX-423/B, Sohi Street, College Road, Civil Lines Ldh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2381 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-3-1981
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana-7, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/151/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3456 Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jaswant Kaur
wd/o Sh. Rajinder Singh
r/o VPO. Langroya Teh.
Nawan Shahar Distt.
Jullundur.

(2) Sh. Madanjit
s/o Shri Ishar Dass,
r/o H. No. 2862,
Sector 22-C,
Chandigarh.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3456, situated in Sector 35-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 952 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/132/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1506, Sector 33-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Lt. Col. B. S. Randhawa s/o Sh. Ujjagat Singh
r/o. H. No. 1623,
Sector 18-D,
Chandigarh.

(2) Mrs. Tajinder Kaur
w/o Sh. Joga Singh
H. No. 622, Sector 73-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1506 situated in Sector 33-B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 742 of July 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/138/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Plot No. 1807, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. Ram Pat Yadava (Retd)
s/o Thakur Singh,
r/o 27,
Sri Nagar Colony, Sikandrabad
(Andhra Pradesh)

(Transferor)

(2) Sh. R. K. Sehgal
s/o Shri Harbans Lal Sehgal and
Mrs. Sulakshana Sehgal
w/o Shri R. K. Sehgal,
r/o H. No. 697,
Sector 11-B,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1807 situated in Sector 34-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 854 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-3-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/146/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 2760, Sector 22-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Swarna Kanta
w/o Sh. Roshan Lal Sood
R/o H. 2760,
Sector 22-C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurmail Singh
(ii) Sh. Ilanjir Singh
ss/o Shri Gurdev Singh
s/o H. No. 2688,
Sector 22-C,
Chandigarh.

(Transferor)

(3) Shri Devi Davely Janak,
Sh. Amarjit
Sh. Satish Chander
Nisaramsi
r/o. H. No. 2760,
Sector 22-C,
Chandigarh.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2760 situated in Sector 22-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 897 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/140/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 269, Sector 33-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Amarjit Singh Sohal
s/o Sh. Malhara Singh Sohal
r/o Vill. Sol Khian
P. O. Patharizatan
Distt. Ropar through
Sh. Jitender Singh
s/o Sh. Charanjit Singh
r/o H. No. 202
Sector 19-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Harcharan Kaur
w/o Jitender Singh
r/o H. No. 1124,
Sector 20-B,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 269, situated in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 858 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-3-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMM. ONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/152/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1511, Sector 36-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Cap. Naresh Sehgal
s/o Sh. Jagdish Raj Sehgal
r/o 17239,
Fanando Mission B. L. V.D. Canda through
Sh. Jagmohan Singh Choudhry Advocate
s/o Sh. Achra Singh Advocate
r/o H. No. 74,
Sector 8-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Paramjit Kaur Grewal
w/o Sh. K.S. Grewal
r/o H. No. 1511,
Sector 36-D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1511, situated in Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 953 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-3-81
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. SRD/31/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing :

No. Land measuring 36K3M situated at Vill. Dera Meer Mera Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sardul Singh,
Jaswant Singh,
Lakhwant Singh,
Baljinder Singh
ss/o Sh. Malkiat Singh and
Smt. Gurdev Kaur
d/o Sh. Atma Singh
r/o Vill. Dera Meer Mera Teh.
Sirhind.

(Transferor)

(2) S/Shri Ajit Singh,
Joginder Singh
Mohinder Singh
ss/o Sh. Kesar Singh
r/o Vill. Dera Meer Mera Teh.
Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 36 K3M situated in Village Dera Meer Meera Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1815 of July, 1980 of the registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-3-1981
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Santokh Singh
s/o Sh. Nirmal Singh
r/o Vill. Hussanpur
Teh. Nabha.

(Transferor)

(2) S/Sh. Sewa Singh,
Sher Singh,
Ajmer Singh
ss/o Sh. Bachan Singh
r/o Bhadson
P. O. & Teh. Nabha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. AML/70-80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of Land measuring 142 Kanals 7 Marlas situated at Vill. Narain Garh S. Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4 share of land measuring 142 Kanala 7 Marlas situated in Vill. Naraingarh S. Tch. Amloh..

(The property as mentioned in the registered deed No. 1204 of August, 1980 of the registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13 March, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. AML/50/80-81—Wheresas 1, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4 share of Land Measuring 142 kanals 7 Marlas situated at V. Narain Garh S. Teh. Amloh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Santokh Singh
s/o Nirmal Singh
r/o Vill. Naraingarh Teh Nabha.

(Transferor)

(2) Smt. Chand Kaur
w/o Sh. Gurdial Singh,
Sh. Gurmail Singh,
Gurmit Singh
ss/o Sh. Gurdial Singh
r/o Haibat Pur
P.O. Narain Garh
S. Teh. Amloh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of land measuring 142 kanals 7 Marlas situated in Vill. Narain Garh S. Teh. Amloh)

(The property as mentioned in the registered deed No. 909 of July 80 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13 March, 1981
Saan :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. CHD/157/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 201, Sector 11-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sbhgg Rani
w/o Late Sh. Pritan Dev Bhardwaj,
r/o H. No. 557
Sector 16-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh Buttar
s/o Sh. Lachhman Singh
Buttar through
Sh. Kartar Singh Sumal,
r/o H. No. 606,
Sector 16-D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. N9. 201, situated in Sector 11-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 993 of July 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13 March 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 13th March 1981

Ref. No. CHD/133/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 637, Sector 36-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Gurding Singh
s/o Shri Ujjaggar Singh
r/o 17/1,
Sri Mountu Day Lane,
Calcutta-12.

(Transferor)

(2) Sh. Ajit Singh Chhatwal
s/o Sh. Sunder Singh, Chhatwal
Smt. Amarjit Chhatwal
w/o Sh. Ajit Singh, Chhatwal
r/o H. No. 148,
Zhandu Bagichi Raghumajra,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 637 situated in Sector 36B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 794 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March 1981
Seal □

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/134/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1737, Sector 33-D, situated at Chandigarh (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Maj. Pribhu Lokumal Sadarangani
s/o Lokumal Narain Dass Sadarangani
r/o 8, Seaglimper by Rangi Jiji Bai road,
Bandra Bombay-40050 through
Sh. Gujait Singh Advocate,
r/o H. No. 613,
Sector 16-D,
Chandigarh.

(2) Sh. Bachan Singh
s/o Sh. Hira Singh
r/o H. No. 613,
Sector 16-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1737 situated in Sector 33-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 796, of July, 1980 of the registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 13 March 1981

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/131/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1379, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer z* at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Avtar Singh Sidhu
s/o Sh. Balbir Singh,
r/o 3324, P
Power house Road,
Bhatinda through,
Sh. Krishan Dev Sharma
r/o 3032, Sector 19-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Shyam Sunder Sethi
s/o Sh. Chana Dass Sethi,
Smt. Anita Sethi
w/o Sh. Shyam Sunder Sethi,
r/o 206,
Sector 21-A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1379, Sector 34-D Chandigarh

(The property as mentioned in the registered deed No. 737 of July, 80 of the registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 13 March 1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/163/80-81—Whereas SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3029, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—36GI/81

(1) Shri Brij Bhushan Aggarwal
s/o Sh. Bansi Ram Aggarwal Supdt. of Police
(V.S.S.) Punjab State Electricity Board,
Patiala Punjab, through Shri Harbilas Rai
s/o Sh. Pyare La. Aggarwal
r/o SCF No. 28-29,
Sector 28-C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Singhla,
w/o Shri Sant Ram Singla
r/o SCF No. 28-29,
Sector 28-C,
Chandigarh Permanent
r/o Shahi Samadhan,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3029, Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1012 of July 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspectiong Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 13 March 1981
Deal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/115/80-81—Whereas SUKHDEV CHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 334, Sector 33-A, situated Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Agya Kaur Kochhar
wd/o Late Lt. Col.
Balwant Singh Kochhar &
Smt. Harmanjit Kaur
w/o Sh. S.K.B.S. Lamba
d/o Late Ltd. Col. Balwant Singh Kochhar
r/o 35-BDDA Flat Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Parkash K. Saini
w/o Sh. Vipin Kumar Saini,
r/o H. No. 114,
Sector 33-A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 334 situated in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 658 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAHAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Ludhiana)

Date : 13 March 1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RNNGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/165/80-81.—Whereas SUKHDEV CHAHD being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3510, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Jaswant Kaur
w/o Sh. Harchand Singh
r/o V. PO, Raghmaja,
Naya Bas Gali No. 3,
Patiala through Sh. Nari Parkash Khanna
s/o Sh. Niranjan Dass
r/o V. Mohna
P. O. Tioutha
Distt. Kurukshetra Haryana
c/o OH. No. 9,
Sector 33-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Mulkh Raj Gaba
s/o Shri M. Gaba
r/o H. No. 3870,
Sector 32-D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3510, situated in Sector 32-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1021 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13 March 1981

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. LDH/102/80-81—Whereas SUKHADEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 58 (measuring 358 sq. Yds.) situated at Rakh Bagh, Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Savitri Devi Wd/o Shri Ram Rakna Bawa, Advocate self and Ganral Attorney of his sons
Shri Arun Kumar,
Ramesh Chander,
R/o Sant Cottage,
Bindraban Road,
Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Dr. Rita Takkar
w/o Dr. Ved Parkash Takkar,
R/o 82,
Club Road,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Nol 58 (measuring 358 sq. Yds) at Rakh Bagh, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2024 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHADEV CHAND
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax Acquisition Range,
Ludhiana)

Date : 13 March 1981
Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana the 13 March 1981

Ref. No. JGN/8/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A house situated at Mohalla Guru Teg Bhadur, Malak Road, Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harnam Karur
wd/o Sh. Sardara Singh
r/o Mohalla Guru Teg Bhadur
(Aggarwar Gujran)
Jagraon Distt.
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Karur
w/o Sh. Jaswant Singh
r/o Vill Hathur
Teh. Jagraon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated in Mohalla Guru Teg Bhadur (Aggarwar gujran) Teh. Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3264 of July, 80 of the Registering Authority, Jagraon.)

**SUKHDEV CHAND
COMPETENT AUTHORITY**
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax Acquisition Range,
Ludhiana)

Date : 13 March 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RAHGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. CHD/156/80-81—Whereas I Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1282, situated at Sector 34 C, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. J. N. Dogra (Retd)
S/o Sh. Bishan Dass Dogra,
B.R.-10/C,
DDA Flats,
Manerka,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chand Chopra
S/o Late Sh. Nathu Ram Chopra,
Mrs. Savindra Kumari
w/o Sh. Subhash Chand Chopra,
R/o House No. 1285,
Sech 21B,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1282, Sector 34C, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 976 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Ludhiana)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13 March 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13 March 1981

Ref. No. LDH/111/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot P measuring 2431/2 sq. Yds. situated at Muradpura, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana, in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Raj Kalsi
w/o Sh. Gurbansad
R/o 576, Phase-I,
Mohali, Distt.
Ropar.

(Transferor)

(2) Shr. Janak Raj
S/o Sh. Gurdas Mal
M/s Gurdas Packing Store,
Moonheili Mandi,
Gill Road
Ludhiana.

(Transfee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 243½ sq. Yds. at Muradpura, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2097 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Ludhiana)

Date: 13 March 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Form I.T.N.S.—

(1) Smt. Daljit Kaur
 W/o Sh. Parbh Singh through
 Shri Waryam Singh
 S/o Sh. Sewa Singh
 R/o B-23-898/36A,
 Shivaji Nagar,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur
 W/o Giani Harnam Singh,
 Shivaji Nagar,
 H. No. B-XXIII-899/66,
 Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RHGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/129/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House No. B. 23-899/66 situated at Shivaji Nagar, Samrala Road Ludhiana.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-23-899/66, Shivaji Nagar, Samrala Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2305 of July, 1980 of the Registering Authority Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 (Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-Tax Acquisition Range,
 Ludhiana)

Date: 13 March 1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/125/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 290 sq. yds. situated at Tarf Hasan Rora, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amarjit Lal,
S/o Sh. Parshotam Dass,
12/23, Pb. Agricultural University,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Nachhatar Kaur,
W/o Sh. Harnek Singh,
1327/4, Maharaj Nagar,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 290 sq. yds. at Tarf Hasan Rora, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2260 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Balraj Kumar,
S/o Sh. Shiv Lal,
R/o House No. 913/4, Tagore Nagar,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Malik,
S/o Sh. Prabhdial Malik,
R/o 4B, Sarabha Nagar,
Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/140/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in House No. B-XXXV-1380/1 situated at Ferozepur Road, Bus Stand Barewal, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Half share in House No. B. XXXV-1380/1, Ferozepur Road, Bus Stand Barewal, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2464 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Lachhman Das Oswal,
S/o Sh. Asa Ram Oswal,
Oswal Bhawan, Brahmputra,
Ludhiana.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/R/29/80-81/—Whereas J. SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 107 Kanals 6 Marlas situated at V. Qadian, Teh. & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (2) M/s Jain Dairy & Agricultural Farm,
Ludhiana through Shri Dev Raj,
Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 107 Kanals 6 Marlas at V. Qadian, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3611 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Major M-S. Datta
S/o Sh. G. S. Datta,
R/o 1224, Sector 31,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri G. K. Bhatnagar,
S/o Shri I. K. Bhatnagar & Mrs. Ritu Bhatnagar,
W/o Sh. G. K. Bhatnagar,
R/o 442, Sector 35-A,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/120/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1139, Sector 360, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1139 situated in Sector 36-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 674 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/113/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 Kanals 9 Marlas situated at V. Meharban Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Miss Bhupinder Kaur,
D/o Sh. Kala Singh,
R/o 372, Jail Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ravinderjit Singh,
S/o Sh. Amrik Singh,
R/o V. Kakowal,
Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals 9 Marlas at V. Meharban, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2120 of July, 1980 of the Registering Authority Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March, 1981

Ref. No. LDH/114/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 Kanals 9 Marlas situated at Village Meharban, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Rajinder Kaur,
W/o Sh. Ajinder Singh,
372, Jail Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh,
S/o Shri Amar Singh,
R/o V. Kakowal,
Teh. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals 9 Marlas at Meharban, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2121 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/115/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 16 Kanals 3 Marlas situated at Village Meharban, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Miss Adarshpal Kaur,
D/o S. Kala Singh,
372, Jail Road,
Ludhiana.

(2) Smt. Daljit Kaur,
W/o S. Amrik Singh,
R/o Village Kakowal, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals 3 marlas at V. Meharban, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2122 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. LDH/116/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 Kanals 9 Marlas situated at V. Meharban, Teh, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Miss Gurdip Kaur,
D/o Shri Kala Singh,
R/o 372, Jail Road,
Ludhiana.

(2) Shri Inderjit Singh,
S/o Sh. Amrik Singh,
R/o V. Kakowal,
Tehsil Ludhiana,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanal 9 Marlas at V. Meharban, (Ludhiana).

(The property as mentioned in the sale deed No. 2123 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).
[S]

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 13th March, 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13 March, 1981**

Ref. No. KHR/12/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 222, Phase 7, situated at Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in July, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Surjit Kaur,
W/o Sh. Bhagat Singh,
R/o H. No. 405, Phase 7,
Mohali.

(Transferor)

(2) Mrs. Kuldeep Khanna,
W/o Sh. R. D. Khanna,
R/o 222, Phase 7,
Mohali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 222, Phase 7, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the registered deed No. 2195 of July, 80 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

44—36GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/125/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1205, situated at Sector 33C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

(1) Shri Subhash Chand Singla,
S/o Late Sh. Mehar Chand & Smt. Saroj Singla
W/o Sh. Subhash Chand Singla,
R/o House No. 3565, Sec. 23D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Bhajan Singh,
S/o Shri Surat Singh & Mrs. Kamaljeet Kaur,
W/o Sh. Bhajan Singh,
resident of House No. 58, Sector 20A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1205, Sector 33C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 687 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUHKDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13th March, 1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/121/80-81/—Whereas I, **SUKHDEV CHAND**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2264 situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Gurjaj Singh,
S/o Sh. Amrao Singh,
R/o V&PO Roorkee Pukhta, Distt. Ropar, through
his attorney Sh. Gulwant Singh
R/o 378, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh,
S/o Shri Gulwant Singh,
R/o House No. 378, Sec. 20A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2264, Sec. 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 680 of July, 1980 if the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana).

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/155/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1266, situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Capt. Charanjit Singh Khanooja through
Shri Roshan Lal,
C/o SCF 57, Sec. 30C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Kanta,
W/o Shri Roshan Lal,
R/o SCF 57, Sector 30C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1266, Sec. 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 960 o July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana)

Date : 13th March, 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/160/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1136, situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri L. K. Arora,
S/o Sh. N. R. Arora,
735, Hari Nagar,
Rohtak.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Kaur,
W/o Sh. Atma Singh,
V. Bardhal, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1136, Sector 34C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1002 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/R/28/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 19 Kanal 13 Marlas situated at V. Khanpur, Teh. & Distt. Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhajna,
S/o Sh. Waryama,
R/o V. Khanpur, P.O. Ghawaddi,
Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur,
W/o Sh. Gurmel Singh,
R/o Khanpur, P.O. Ghawadi,
Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Kanals 13 Marlas at Khanpur, Tehsil & District Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3514 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kartar Singh,
S/o Sh. Alla Singh,
R/o 295, Bharat Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Naranjan Singh,
S/o Sh. Chamba Singh,
389, Kucha No. 12, Field Ganj,
Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, LU HIANA
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/99/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. residential House No. B-17-295, situated at Bharat Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Kothi No. B-17-295/P, Bharat Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1930 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/164/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

No. Plot No. 74, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jarnail Singh,
S/o Sh. Kishan Singh,
House No. 74, Sec. 33A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur,
W/o Sh. Jaswant Singh,
House No. 74, Sec. 33A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 74, Sec. 33A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1019 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.)

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/141/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3092, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Vimal Verma,
W/o Late Sq. Ldr. Bikram Verma,
R/o C-4/A-58-C/Janakpuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. L. Pasrija,
S/o Sh. K. S. Pasrija,
563, Sec. 16D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3092, Sec. 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 861 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana)

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

45—36GI/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/112/80-81/ —Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Malerkotla House Bearing No. B-XIX-620 situated at Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nand Kishore Kandhari,
S/o Shri Mehar Chand,
R/o Malerkotla House, Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Wanti,
Wd/o Shri Ram Parsad,
R/o H. No. B-XIX-620, Malerkotla House, Civil Lines,
Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XIX-620, Maler Kotla House, situated in Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2115 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/26/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 bighas situated at V. Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ajit Kaur,
Wd/o Sh. Mohinder Singh,
R/o House No. 1011, Sec. 8C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Sharma,
S/o Sh. Kedar Nath Sharma (HUF),
Kothi No. 229, Sector 9,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 bighas at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 827 of August, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/24/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. & Land measuring 6 bighas situated at V. Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ajit Kaur,
Wd/o S. Mohinder Singh,
S/o Dalip Singh,
R/o House No. 1011, Sec. 8C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Sharma & Sh. Vinod Kumar Sharma
S/o Sh. Kidar Nath Sharma,
S/o Madho Ram Sharma (HUF),
R/o House No. 229, Sec. 9,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. & Land measuring 6 bighas at V. Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi (Patiala).

(The property as mentioned in the sale deed No. 765 of July, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/24A/80-81/—Whereas I, **SUKHDEV CHAND**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Bldg & Land measuring 8 bighas situated at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ajit Kaur,
Wd/o S. Mohinder Singh,
R/o 1011, Sector 8C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Sharma,
S/o Sh. Kidar Nath Sharma (HUF),
Kothi No. 229, Sector 9,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bldg. & Land measuring 8 bighas at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 767 of August, 80 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/21/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 22.1 bighas situated at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Dera Bassi in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Ajit Kaur,
Wd/o Sh. Mohinder Singh,
S/o Dalip Singh,
R/o House No. 1011, Sector 8C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Sharma,
S/o Sh. Kedar Nath Sharma, (H.U.F.),
R/o Kothi No. 229, Sector 9,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 22.1 Bighas at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 701 of July, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

Date : 13th March, 1981

Seal :

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Ajit Kaur,
Wd/o S. Mohinder Singh,
S/o Sh. Dalip Singh,
R/o House No. 1011, Sec. 8C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Sharma,
S/o Sh. Kidar Nath Sharma, (H.U.F.),
Kothi No. 229, Sector 9,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/20/80-81/—Whereas I, **SUKHDEV CHAND**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 20·15 bighas situated at V. Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20·15 bighas at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 676 of July, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/23/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 22 bighas situated at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ajit Kaur,
Wd/o Sh. Mohinder Singh,
R/o House No. 1011, Sec. 8C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar Sharma,
S/o Sh. Kidar Nath Sharma,
(HUF), Koti No. 229, Sector 9,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 22 bighas at Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 740 of July, 80 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/128/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. H. No. 113, Sector 16-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) (i) Mrs. Nirmal Sharma,
W/o Sh. Raj K. Sharma
- (ii) Mr. Deepak Sharma S/o Mr. Raj K. Sharma,
- (iii) Mr. Prabhat Sharma S/o Mr. Raj K. Sharma
- (iv) Mrs. Neera Sharma D/o Mr. Raj K. Sharma
- (v) Mr. K.K. Sharma, S/o Prof. D. C. Sharma
- (vi) Mr. Manmohan Sharma S/o Prof. D. C. Sharma
- (vii) Mrs. Saroj Sharma W/o Mr. Satish Sharma
- (viii) Mr. Madhu Sudan Sharma S/o Sh. Satish Sharma
- (ix) Mrs. Geeta Taneja D/o Shri Satish Sharma
- (xi) Mrs. Pushpa Dass D/o Prof. D. S. Sharma
- (xii) Mrs. Shanta Tiwari d/o Prof. D. C. Sharma
- (xiii) Mrs. Usha Kapila D/o Prof. D. C. Sharma through
Sh. Satish Chander Kapila Advocate S/o Sh. Bal-
mokand R/o Anand Bhawan Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Brig. A. D. Verma,
S/o Dr. Paras Ram,
R/o H. No. 113, Sector 16-A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 113, situated in Sector 16-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 699 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/167/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCF No. 25, Sector 18-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July/August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Piara Singh,
S/o Nikka Singh & Smt. Swaran Kaur,
W/o Sh. Piara Singh and Karnail Singh S/o Piara Singh R/o Vill. Bhungrani Teh. Hoshiarpur, at present 373, Holston Road, Wolverhampton West Middle Land England through Sh. Sucha Singh S/o Sh. Nand Lal R/o H. No. 3372, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Darshana Devi W/o Sh. Om Prakash Aggarwal
R/o SCF No. 20, Sector 18-C, Chandigarh Now SCF No. 25, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Sher Singh S/o Bhagat Singh
Sh. Atma Singh Band Master
Sh. Gurdev Singh
Sh. Jagdish Tiwari
Sh. Chander Bhan
Sh. Sagir Ahmad
Sh. Ajai Kumar
all r/o SCF No. 25, Sector 18-C, Chandigarh.

(Persons in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 25, Sector 18-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1026 of July/August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref No KHR/13/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House No 2778, Phase 7 situated at S A S Nagar Mohali Teh Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh Ranjit Singh,
S/o Sh Bhaga Singh,
R/o H No 71, Sector 30-A,
Chandigarh

(Transferor)

(2) Sh Satish Kumar Kapoor,
S/o Sh Mulakh Raj Kapoor,
R/o H No 40, Sector 15-A,
Chandigarh

(Transferee)

(3) Sh S L Passi,
Account Officer, D P I Haryana,
R/o H. No. 2778, Phase 7, S.A.S. Nagar,
Mohali.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2778, Phase 7 situated in S.A.S. Nagar, Mohali Teh, Kharar.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2356, of July, 80 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. LDH/141/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. B-VI-264 (New) situated at Madhopuri, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mukandi Lal,
S/o Shri Khiwa Singh
through Shri Amar Singh,
S/o Sh. Mukandi Lal,
R/o Kucha No. 4, House No. 240/8,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Jain,
S/o Sh. Beli Ram Jain & Smt. Asha Jain,
W/o Ashok Kumar Jain & Smt. Kamlesh Jain,
W/o Tarsem Kumar Jain,
R/o House No. B-6-264, Kucha No. 3, Madhopuri,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-VI-264 (New) at Madhopuri, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2473 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March 1981

Ref. No. LDH/121/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 6 Kanals situated at Habowal Kalan Teh, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Lakhvir Singh & Avtar Singh,
S/o Sh. Sardara Singh,
R/o Chuhar Pura,
Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Janki Devi,
W/o Sh. Chuni Lal,
R/o Habowal Kalan, Teh. Ludhiana.
(ii) Sh. Pritam Singh
(iii) Sh. Balwant Singh,
S/o Sh. Hukam Singh,
R/o 201, Model Town, Ludhiana.
(iv) Sh. Harchand Singh,
S/o Sh. Bir Singh
R/o Chuhar Pura Teh. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanals situated in Habowal Kalan Teh, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2183 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March 1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Bhagwant Singh,
S/o Attar Singh,
R/o Vill. Tangra,
Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Suhag Rani,
W/o Sh. Pritam Dev Bhardwaj & Sh. Jeewan Bhardwaj
S/o Late Sh. Pritam Dev Bhardwaj
R/o 557, Sector 16-D,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. CHD/168/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 557, Sector 16-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 557, situated in Sector 16-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1032 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. LDH/100/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Kathi No. 576 situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Deputy Singh,
S/o Shri Hari Singh,
R/o 576, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar Dhingra,
S/o Sh. Mohan Lal,
R/o 576, Model Town,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Kathi No. 576, Model Town, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1966 of July, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 13th March, 1981
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Deputy Singh,
S/o Sh. Hari Singh,
R/o 576, Model Town Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar Dhingra,
S/o Shri Mohan Lal,
R/o 576, Model Town,
Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. LDH/109/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Kothi No. 576, situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Kothi No. 576, Model Town, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2081 of July, 80 of the Registering Authority, Ludhiana.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Inder Singh, Charanjit Singh,
S/o Shri Harnam Singh,
R/o Vill. Ajnali Teh, Sirhind.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh ,
S/o Shri Kartar Singh,
R/o V. Kumar Majra,
Teh. Nabha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. SRD/34/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 6B-4B situated at Vill. Ajnali Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 6B4B situated in Vill. Ajnali Teh. Sirhind.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1872 of July, 1980 of the Registering Authority, Sirhind.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47—36GI/81

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. PTA/43/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1 & 2, situated at Gowshala Road, near Shere-Punjab Market, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Satwant Singh, Manmohan Singh,
S/o Dr. Sampuran Singh,
R/o Gowshala Road,
Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur,
W/o Harmohanjit Singh,
R/o Sher-e-Punjab Market,
Patiala.
(Shop No. 1 & 2, Gowshala Road)

(Transferee)

(3) Sh. Jaswant Singh, Kabari
Gowshala Road, Patiala.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 & 2, Gowshala Road, near New Sher-e-Punjab Market, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2870 of July, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. NBA/17/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

No. Land measuring 24 Kanals 11 Marlas situated at Nabha, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Jagdish Chand, Kishan Chand, Ram Chand, Ram Pal & Madan Lal,
S/o Shri Parma Nand,
R/o Back side of Cinema,
Nabha.

(Transferor)

(2) S/Shri Joginder Singh,
S/o Avtar Singh &
Dharam Pal
S/o Sh. Ram Sarup,
C/o M/s Krishana Flour & Rice Mills, Nabha,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 24 Kanals 11 Marlas at Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1296 of July, 80 of the Registering Authority Nabha).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. SRD/38/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 34 Kanals 16 Marlas situated at Village Nabipur, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer

at Sirhind in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Preetmohinder Singh,
S/o Major Mohinder Singh,
R/o V. Nabipur, Tehsil Sirhind now at House No.
158, Sec. 33,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Mangal Singh, Gurmukh Singh & Bhupinder Singh,
Sons of Shri Puran Singh &
Shri Puran Singh S/o Sh. Lal Singh,
Residents of Village Mughal Majra,
Tehsil Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land 34 Kanals 16 Marlas at V. Nabipur, Tch. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2055 of July, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. TPA/6/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 21 Kanals 14 Marlas situated at Tapa, Teh. Barnala, Distt. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2518/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagan Nath,
S/o Shri Ram Dass,
S/o Shri Khushia,
R/o V. Tapa, Teh. Barnala,
Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Angrej Kaur,
W/o Sh. Tota Singh,
S/o Sh. Bogha Singh,
R/o V. Tapa, Tehsil Barnala,
Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 21 Kanals 14 marlas at Tapa, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 839 of July, 1980 of the Registering Authority, Tapa).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. TPA/4/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 21 Kanals 14 marlas situated at Tapa, Teh. Barnala, Distt. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tapa in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Mehar Chand,
S/o Sh. Ram Dass,
R/o Tapa, Teh. Barnala,
Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Bogha Singh,
S/o Shri Phuman Singh,
S/o Shri Budh Singh,
R/o Tapa, Teh. Barnala,
Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 21 kanals 14 marlas at Tapa, Teh. Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 837 of July, 1980 of the Registering Authority, Tapa).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 13th March, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ved Parkash,
S/o Shri Gora Lal,
S/o Shri Ram Dass,
Resident of Tapa, Tehsil Barnala,
Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Angrej Kaur,
W/o Sh. Tota Singh &
Shri Bogha Singh,
S/o Shri Phuman Singh,
Resident of V. Tapa, Tehsil Barnala,
Distt. Sangrur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. TPA/5/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21 Kanals 14 Marlas situated at Tapa, Teh. Barnala, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tapa in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 21 Kanals 14 Marlas at Tapa, Teh. Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 838 of Baruly, 1980 of the Registering Authority, Tapa).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gopal Singh, Puran Singh,
Sons of Shri Santa Singh,
R/o V. Gulaharh, S. Teh. Patran,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Anoop Singh,
S/o Shri Jagat Singh,
R/o V. Gulaharh, S. Teh. Patran,
Mohinder Singh,
S/o Kesar Singh & Darshan Singh,
Hazara Singh sons of Shri Labh Singh,
R/o V. Nawagau.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. PTR/30/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3.64.23 Hactare situated at V. Gulaharh, S. Teh. Patran, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3.64.23 Hactare at V. Gulaharh, S. Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1008 of July, 1980 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. DBS/19/80-81/ Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 22.10 bighas situated at V. Kishan Pura, S. Teh, Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the Scheduled annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ajit Kaur,
Wd/o S. Mohinder Singh,
S/o Shri Dalip Singh,
R/o House No. 1011, Sector 8C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Shyam Sunder Sharma,
S/o Kedar Nath Sharma
& Aditya Nath Sharma,
S/o Shri Shyam Sunder Sharma,
R/o House No. 229, Sec. 9,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 22.10 bighas at V. Kishanpura, S. Teh, Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 621 of July, 80 of the Registering Authority at Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. AML/64/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Land 6B15B situated at Vill. Jassran S. Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ujagger Singh, Mohinder Singh,
S/o Shri Anokh Singh,
R/o Nasrali P.O. Mandi
Gobindgarh (Patiala).

(Transferor)

(2) S/Shri Nachhattar Singh, Karnail Singh,
S/o Shri Babu,
Balwinder Singh, Gurdip Singh,
S/o Shri Malkiat Singh,
Rajinder Singh, Nirmal Singh,
S/o Shri Surjeet Singh,
R/o Kukkar Majra,
P.O. Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 6Bigha 15 Biswas situated in Vill. Jassran Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1107 of July, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUHKDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th March, 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely ;—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th March, 1981

Ref. No. PTA/47/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 321/2 situated at Gher Sodhian, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Anoop Singh Saini,
S/o Shri Pritam Singh Saini,
R/o H. No. 321/2, Gher Sodhian,
Patiala,

(Transferor)

(2) Shri Kesho Ram Guptaa & Shri Gian Chand Gupta,
R/o H. No. 321/2, Gher Sodhia, Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SCHEDULE

H. No. 321/2, situated in Gher Sodhian, Patiala.
(The property a; mentioned in the registered deed No. 3601 of July, 1980 the registering Authority, Patiala.).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 13th March, 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

STAFF SELECTION COMMISSION

NOTICE

GRADE C STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1981

New Delhi, the 25th April, 1981

No. 3/5/81-Coord. I.—A limited departmental competitive examination for making additions to the Select List for Grade C of the Central Secretariat Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre Service (B), Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade 'C' of the Rly. Board Sectt. Stenographers' Service will be held by the Staff Selection Commission on 6-8-81 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Ministry of Home Affairs in the Gazette of India dated 25-4-81.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATIONS WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in the Services mentioned above for which recruitment is to be made on the basis of the examination is given below :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C;
- (ii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade II;
- (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C; and
- (iv) Gr. 'C' of the Rly. Board Sectt. Stenographers' Service.

* Will be determined later.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of the vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A Candidate seeking admission to the examination must apply to the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Commission's office up to 23-5-81. They are also obtainable from the Commission by post up to 23-5-81 on payment of Rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/c Payee only' crossing and payable to the 'Staff Selection Commission'. The name of the examination GRADE C STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1981 should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by two slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the two slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of posting. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1 will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public Service Commission—Staff Selection Commission. Other Receipts—Sale of Application Forms" (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Department of Personnel & Administrative Reforms, New Delhi), obtain a receipt in TR5 form from that office and forward the receipt to the Commission. Two slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after

10-5-81 except from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep which will, however, be entertained up to 6-6-81.

4. The completed application form must reach the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003, on or before 10-5-81, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidate contained in the Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Island or in Lakshdweep from a date prior to 23-5-81 will, however be accepted up to 6-6-81.

NOTE 1.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1981. Applications on form other than the one prescribed for the Grade C Stenographers Limited Departmental Competitive Examination, 1981 will not be entertained. The applications on forms marked 'for Official Use only' will also not be entertained.

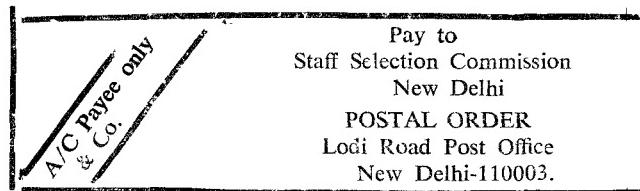
NOTE 2.—Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 3.—Applicants who submit their applications at the Commission's counter should obtain the acknowledgement cards from the clerk who receives the applications from them.

5. (i) Prescribed Fee.—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-paras (iii) and (v) below, must pay the following fee to the Commission with the completed application form :—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/c Payee only' crossing payable to the Staff Selection Commission or by Bank draft drawn in favour of Staff Selection Commission on State Bank of India at its Parliament Street, New Delhi Branch. The Postal Orders should be filled as per specimen given below :—



The Commission will not accept payment of fee sent through Money Orders or cheques or currency notes.

(iii) The Commission may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or before 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE STAFF SELECTION COMMISSION, NEW DELHI. AT LODI ROAD POST OFFICE, NEW DELHI, FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN COLUMN 11 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS OR BANK DRAFTS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLA DESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO

INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971), 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.

(v) There will be no fee for Ex-servicemen.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, nor can the fee be held in reserve for any other examination. The refund is admissible only when the examination is cancelled.

In case the candidate is not admitted to the examination by the Commission, because of late receipt of his application his application alongwith the postal orders, will be returned to him.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communication not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Staff Selection Commission concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1981."

R. MALLIKARJUNAN
Secretary, Staff Selection Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Regional Director (N.R.), Staff Selection Commission in accordance with para 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions, (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at his own expenses at any one of the three Missions indicated by him or at any other Mission.

A candidate who wishes to take the examinations at an Indian Mission abroad and exercises the option to answer papers on (ii) Essay and (iii) General Knowledge and take the Stenography tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix to the Rules, may be required to appear, at his own expenses, at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form and the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate's must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The

completed application form, should be sent to the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

NOTE--CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 6 OF THE APPLICATION FORM, THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 3 OF APPENDIX TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED, AND THE SHORT-HAND TESTS TAKEN, IN ENGLISH.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may, at the discretion of the Commission, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of application form and forward it to the commission.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. (1) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Lodi Road Post Office, New Delhi or bank draft drawn in favour of the Staff Selection Commission on the State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi only and valid for at least 6 months for the prescribed fee.
- (ii) (a) Certified true copy of the first page of his service book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
- (b) Certified true copy of the particulars of his service since 1st August, 1978 attested by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photographs of the candidate.
- (iv) Documents required (where applicable) vide paragraph 6 below.

(2) Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or bank drafts for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Postmaster and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filled in as follows :—

"Pay to the Staff Selection Commission at Lodi Road Post Office, New Delhi."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will also not be accepted.

All bank drafts should be in favour of Staff Selection Commission and drawn on State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi.

NOTE.—Candidates serving abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public Service Commission—Staff Selection Commission—Other Receipt—Examination fees" (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Deptt. of Personnel and Administrative Reforms, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

- (ii) (a) Certified true copy of the first page of the service book attested by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (Husband's name in the case of a married woman Government servant) nationality, name of the Scheduled Caste/ Scheduled Tribe in the case of candidates belonging to such caste or tribe, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), educational qualification, and specimen signature of the candidate.
- (b) Certified true copy of the particulars of service since 1-8-1978 attested by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity substantive, officiating, permanent or temporary in which the post is held.

Note.—The Commission may, if it considers necessary, call for the service book or other documentary evidence.

- (iii) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph one of which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (iv) The documents required *vide* para 6 below (where applicable) in support of a claim for remission of fee, and/or relaxation of age must be submitted along with the application failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 4 above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejections will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of application. Otherwise the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them, nor should they submit tampered documents. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6. (i) A displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 4(c)(ii) or 4(c)(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from Bangladesh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his charge; and
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West-Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the notice, he should also produce certificate in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Burma and Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the notice and/or age concession under Rule 4(c)(iv) or 4(c)(v) should produce an attested copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) or the Notice and/or age concession under Rule 4(c)(viii) or 4(c)(ix) should produce an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4(c)(vi) or 4(c)(vii) should produce an attested copy of certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(c)(x) or 4(c)(xi) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. Shri..... of Unit..... was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature
Name
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 4(c)(xii) or 4(c)(xiii) should produce an attested copy of a Certificate in the form prescribed below from the Director-General Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force, in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. Shri..... of Unit was disabled

while in the Border Security Force in operation during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Name

Designation

Date

7. Candidates are required to submit along with their applications copies of their certificates mentioned in para 6 above, attested by a Gazetted officer of Government or certified by candidates themselves as correct.

8. The candidates are advised that they should arrange their applications in the following order before submission to the Commission :—

- (i) Postal Orders/Bank drafts.
- (ii) One extra copy of photo (another copy of the photograph is to be pasted on the first page of the application).
- (iii) Application form duly completed.
- (iv) Certified true copy of the first page of his Service Book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
- (v) Certified true copy of the particulars of his service during the three years ended 1-8-1980 by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
- (vi) Attested copy of the certificate showing that the candidate is a migrant from Burma, Sri Lanka, Bangladesh, etc.
- (vii) Certificate showing that the candidate is not in a position to pay the fee, if he wants that the prescribed fee may be remitted in his case.
- (viii) Any other certificate the candidate wishes to send.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate who sends his application by post, and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Staff Selection Commission, a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination, he should at once contact the Commission. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowances from the Staff Selection Commission, for attending the examination.

13. Copies of pamphlets containing rules and question papers for the Grade C stenographers Limited Departmental Competitive Examinations held by the Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission in previous years are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) The Kitab Mahal, State Emporia Building, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for Government of India Publications at various mofussil towns.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM/HER AT THE ADDRESS STATED IN HIS/HER APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION ALONGWITH SIX SLIPS SHOWING THE ROLL NUMBER AND THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

